सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹108071/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹131990/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹144080/-
Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें
anand jewels
Pandri, Raipur

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com
बिलासपुर, बुधवार 5 अगस्त 2026

समर्पण से अलग 1200 नक्सली गिरफ्तारी के बाद जेल में कैद, इनकी रिहाई पर कानूनी पेंच

राजेश दास ▸▸| जगदलपुर

खास खबर

शीर्ष माओवादियों के साथ संगठन में काम करने के दौरान गिरफ्तार किए गए सैकड़ों नक्सल बंदी वर्तमान में बस्तर की जेलों में निरूद्ध हैं। इनमें अधिकांश बंदी केन्द्र सरकार के नक्सलमुक्त भारत के एलान यानी 31 मार्च 2026 की डेडलाइन से पहले गिरफ्तार किए गए थे। वहीं एक ओर जहां हजारों की संख्या में शीर्ष नक्सल नेता व संगठन में विभिन्न कैडर के नक्सलियों ने समर्पण कर दिया और अब आजादी की सांस ले रहे हैं तो दूसरी ओर इनके ही साथी जिन्हें सुरक्षाबलों ने समर्पण के पहले गिरफ्तार किया था और जिनकी संख्या 12 सौ से अधिक है, वे जेल की सलाखों के पीछे कैद हैं। इन्हें आजादी की सांस लेने अपनी बारी का इंतजार करना पड़ेगा क्योंकि वे न्यायिक हिरासत में हैं। इनमें ज्यादातर विचाराधीन हैं।

आकंड़ों की बात करें तो सर्वाधिक नक्सल मामले में बंद बंदी सेंट्रल जेल जगदलपुर में निरूद्ध हैं। इनमें बस्तर एवं कोंडागांव जिले के 425 पुरुष व 98 महिला समेत कुल 523 विचाराधीन बंदी हैं। जबकि नक्सल मामले में 24 सजायाफ्ता बंदी भी जगदलपुर की सेंट्रल जेल में हैं। इनमें से कुछ को न्यायालय से आजीवन कारावास की सजा मिली है। इसके अलावा जिला जेल कांकेर के 41 पुरुष व 3 महिला बंदी, जिला जेल दंतेवाड़ा के 289 पुरुष बंदी, जिला जेल सुकमा के 172 पुरुष बंदी, उप जेल नारायणपुर के 68 पुरुष बंदी तथा उप जेल बीजापुर के 132 पुरुष बंदी समेत कुल 1252 सजायाफ्ता व विचाराधीन बंदी सेंट्रल जेल में निरूद्ध हैं।

यूएपीए एक्ट, हत्या, आगजनी, आईईडी ब्लास्ट, हत्या का प्रयास, लूट जैसे संगीन मामलों में हैं बंद

उप जेलों में भी कैद

इसके अलावा लगभग सौ से अधिक विचाराधीन बंदी बस्तर संभाग की जिला जेल व उप जेल में निरूद्ध हैं। जानकारों की मानें तो नक्सल मामले में बंद बंदियों को राज्य या केंद्र सरकार एकतरफा रिहा नहीं कर सकती है, क्योंकि सभी बंदी न्यायिक अभिरक्षा मे जेल में बंद हैं तो बिना न्यायालय के आदेश के रिहा करना संभव नहीं है।

शासन की ओर से अब तक कोई निर्देश नहीं: एसपी

बस्तर एसपी शलभ कुमार सिन्हा के मुताबिक जेल में निरुद्ध बंदियों के संबंध में शासन की ओर से कोई अधिकारिक आदेश नहीं आया है। आगे जैसा निर्देश मिलेगा उस पर कार्रवाई करेंगे। नक्सल मामलों में जेल में निरुद्ध बंदियों की रिहाई के सवाल पर उन्होंने कहा कि जहां तक रिहाई की बात है वो संभव नहीं है। सभी पर संगीन धाराओं के साथ यूएपीए एक्ट भी लगा हुआ है और सभी ज्यूडिशियल कस्टडी में हैं। ऐसे में ▸▸| शेष पेज 6 पर

आत्मसमर्पित 95 नक्सलियों को डेढ़ करोड़ की प्रोत्साहन राशि

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की संवेदनशील पहल और वन एवं जलवायु मंत्री तथा बीजापुर जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के निर्देशों के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सलवादी आत्मसमर्पण-पीड़ित राहत एवं पुनर्वास नीति 2025 के तहत बीजापुर जिले के 95 आत्मसमर्पित नक्सलियों को 1 करोड़ 40 लाख 86 हजार 700 रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। बीजापुर कलेक्टर विश्वदीप ने नीति के प्रावधानों के अनुसार शस्त्रों के साथ आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के लिए राशि के आहरण और वितरण की स्वीकृति दी है। यह प्रोत्साहन राशि आत्मसमर्पित नक्सलियों को मुख्यधारा से जोड़ने, उन्हें नया जीवन शुरू करने और सम्मानजनक आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दी जा रही है। राज्य सरकार की पुनर्वास नीति नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति, विकास और सामाजिक पुनर्वास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रभावी पहल है।

दोनों सदनों में जमकर हंगामा, राज्यसभा में पास हुआ जन्म और मृत्यु का पंजीकरण (संशोधन) बिल

जन्म पंजीकरण में देरी की तो लगाने पड़ेंगे कोर्ट के चक्कर

- राम मंदिर चढ़ावा और छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर सदन गरमाई
- हंगामे के बीच लोकसभा में भी पारित हुआ विनियोग विधेयक

अयोध्या राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दों पर विपक्ष के हंगामे के कारण संसद में मंगलवार को भी गतिरोध कायम रहा और दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित रही। हंगामे के बीच राज्यसभा में जन्म और मृत्यु का पंजीकरण (संशोधन) बिल पास हो गए। जन्म प्रमाण पत्र में अब दो साल की देरी पर कड़े प्रावधान किए गए हैं, जिससे कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं।

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

हंगामे के बीच ही दोनों सदनों ने एक-एक विधेयक को मंजूरी दे दी। लोकसभा ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच विनियोग (संख्यांक 3) विधेयक, 2026 को बिना चर्चा के ध्वनिमत से पारित कर दिया। उधर, राज्यसभा ने संक्षिप्त चर्चा के बाद जन्म और मृत्यु का पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित कर दिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों से प्रश्नकाल चलने देने का आग्रह करते हुए कहा, मैंने कल भी बीएसी (कार्य मंत्रणा समिति) की बैठक में सभी दलों से अनुरोध किया था। संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है और चर्चा एवं संवाद के लिए है। यह नारेबाजी करने और तख्तियां लेकर आने का मंच नहीं है। शोर-शराबा जारी रहने पर अध्यक्ष ने सदन की बैठक अपराह्न दो बजे तक स्थगित कर दी।

एक बार के स्थगन के बाद बैठक दो बजे शुरू हुई तो पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने आवश्यक कागजात सदन के पटल पर रखवाये। ▸▸| शेष पेज 6 पर

अब ये होगा प्रावधान

गृह राज्य मंत्री ने बताया कि जन्म या मृत्यु की घटना को दो साल से ज्यादा समय बीतने के बाद अब इसके रजिस्ट्रेशन के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट (जेएमएफसी) का आदेश अनिवार्य कर दिया गया है। उनके अनुसार, सक्षम प्राधिकारी की ओर से पंजीकरण के लिए अनुमति देने से पहले दी गई जानकारी की प्रमाणिकता की जांच की जाएगी।

एक साल बाद, लेकिन दो साल से पहले

प्रावधान के मुताबिक अगर किसी जन्म या मृत्यु की जानकारी घटना के एक साल बाद, लेकिन दो साल के भीतर रजिस्ट्रार को दी जाती है, तो इसे सिर्फ जिला मजिस्ट्रेट, एसडीएम या जिला मजिस्ट्रेट की ओर से अधिकृत कार्यकारी मजिस्ट्रेट की मंजूरी से ही पंजीकृत किया जा सकेगा। देरी से होने वाले रजिस्ट्रेशन के प्रावधानों को सख्त बनाने और जन्म-मृत्यु की समय पर रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित करने के लिए ये संशोधन लाए गए हैं।

21 दिन के अंदर रजिस्ट्रेशन आसान

जन्म के बाद निर्धारित समय सीमा में यानि 21 दिन के भीतर रजिस्ट्रेशन कराने पर प्रक्रिया अपेक्षाकृत सरल रहती है। आपके पास अस्पताल की डिस्चार्ज स्लिप, जन्म से जुड़ा रिकॉर्ड, माता-पिता के पहचान दस्तावेज और जहां जरूरी हो वहां निवास से जुड़े दस्तावेज होने चाहिए। घर पर जन्म होने की स्थिति में स्थानीय नियमों के अनुसार संबंधित फॉर्म और प्रमाण देने पड़ सकते हैं। अगर समय पर आवेदन नहीं हुआ तो देरी के हिसाब से अतिरिक्त प्रक्रिया और शुल्क लागू हो सकते हैं।

लोकसभा से बिल को मिल चुकी मंजूरी

लोकसभा ने 31 जुलाई को विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के बीच बिना चर्चा के इस विधेयक को पारित कर दिया था। राज्यसभा में मंगलवार को विपक्षी सदस्यों ने कहा कि यह बेहद ही महत्वपूर्ण विधेयक है और गृह मंत्री अमित शाह को सदन में होना चाहिए। विपक्षी सदस्यों ने गृह मंत्री की सदन में अनुपस्थिति को लेकर नारे भी लगाए। हंगामे के बीच ही विधेयक पर संक्षिप्त चर्चा हुई और गृह राज्य मंत्री राय ने चर्चा का जवाब दिया।

रियल एस्टेट से इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर तक होगा फायदा

देश को वैश्विक निवेश, मैन्युफैक्चरिंग और डेटा हब बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने नया टैक्स संशोधन बिल यानी कि 'द टैक्सेशन एंड अदर लॉज संशोधन बिल, 2026' लेकर आई है। लोकसभा में पारित यह बिल केवल कानूनी संशोधन नहीं है, बल्कि भारत में वैश्विक पूंजी को आकर्षित करने, 'मेक इन इंडिया' को मजबूत करने और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को नए स्तर पर ले जाने का एक मास्टरप्लान है।

विधानसभा भवन में अंकित किया जाएगा संत रविदास का संदेश

संत रविदास के नाम पर राज्य अलंकरण पुरस्कार, अवकाश भी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

खास खबर

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने संत शिरोमणि गुरु रविदास के नाम पर राज्य अलंकरण पुरस्कार का ऐलान किया है। इसी के साथ विधानसभा भवन में संत रविदास का संदेश अंकित करने और नवा रायपुर में प्रमुख चौक का नामकरण संत रविदास के नाम पर करने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने भाजपा के 36 संगठन जिलों के अध्यक्षों को कलश का वितरण भी किया।

श्री साय ने मंगलवार को यहां विज्ञान महाविद्यालय परिसर में स्थित पं. दीनदयाल ▸▸| शेष पेज 6 पर

मुख्यमंत्री की घोषणाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने संत शिरोमणि गुरु रविदास के नाम पर प्रतिवर्ष राज्य स्थापना दिवस (नवंबर) के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली हस्तियों को 'संत शिरोमणि गुरु रविदास राज्य अलंकरण पुरस्कार' प्रदान करने की घोषणा की। राज्य विधानसभा भवन में संत रविदास के प्रसिद्ध संदेश ऐसा चाहूं राज मैं जहां मिले सबन को अन्न। छोट बड़ो सब सम बसै, रविदास रहे प्रसन्न, को अंकित कराने के लिए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से औपचारिक आग्रह किया ▸▸| शेष पेज 6 पर

दो लाख समरसता दीप प्रज्ज्वलित

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सरोज पाण्डेय ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा संत रविदास जैसी महान विभूतियों के सम्मान और उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने की शुरुआत कर रही है। भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा, संत रविदास केवल किसी एक समाज विशेष के न होकर संपूर्ण विश्व और मानवता के हैं। ▸▸| शेष पेज 6 पर

डाबर के शहद, घी समेत कई उत्पादों की बिक्री पर रोक

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

145 साल पुरानी डाबर कंपनी के ऊपर भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण का डंडा चला है। कंपनी के तमाम प्रोडक्ट्स पर रोक लगा दी गई है। इनमें शहद, घी से लेकर कोकोनट मिल्क तक शामिल हैं, जिन्हें लेकर कंपनी 100 फीसदी शुद्धता के दावे कर रही थी। डाबर के इस तरह के दावों को एफएसएसआई ने गुमराह करने वाला करार दिया है। इसका असर कंपनी के शेयर पर भी देखने को मिला है।

फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने डाबर कंपनी पर की गई इस कार्रवाई को लेकर बीते कारोबारी दिन सोमवार को सोशल मीडिया पर जानकारी शेयर की थी। इनमें कंपनी द्वारा अपने प्रोडक्ट्स को ▸▸| शेष पेज 6 पर

15 दिनों के भीतर देनी होगी रिपोर्ट

100 फीसदी शुद्ध का दावा नहीं चलेगा

ये उत्पाद बैन

- शहद
- गाय का घी
- सेब का सिरका
- वर्जिन कोकोनट ऑयल
- तिल का तेल
- नारियल पानी
- नारियल मिल्क
- हिमालयन ऑर्गेनिक एप्पल साइडर विनेगर

डाबर ने कहा-नोटिस मिला, समीक्षा की जा रही

डाबर ने कहा कि उसे एफएसएसएआई का नोटिस मिला है और वह रेगुलेटर द्वारा बताए गए कंटेंट की समीक्षा कर रही है। कंपनी ने एक बयान में कहा, हमें एफएसएसएआई का नोटिस मिला है और हम अपनी वेबसाइट पर नोटिस में बताए गए कंटेंट की जांच कर रहे हैं।

सरकार ने जारी किए नए निर्देश

तीन साल से एक ही सीट पर जमे अफसर और कर्मचारियों का बदलेगा कार्यभार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने सरकारी दफ्तरों में लंबे समय से एक ही कार्य-पटल (सीट) पर काम कर रहे अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए नई व्यवस्था लागू करने का फैसला किया है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने आदेश जारी कर कहा है कि राज्य के सभी विभागों, मंत्रालय, विभागाध्यक्ष कार्यालयों, संभागीय आयुक्त कार्यालयों, कलेक्टर कार्यालयों और उनके अधीनस्थ कार्यालयों में तीन वर्ष या उससे अधिक समय से एक ही कार्य-पटल पर कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों का अनिवार्य रूप से कार्य-पटल परिवर्तन किया जाएगा। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य प्रशासनिक पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यकुशलता को बढ़ाना है। विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि आदेश का समयबद्ध तरीके से ▸▸| शेष पेज 6 पर

विशेष परिस्थितियों में ही मिलेगी छूट

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी को प्रशासनिक आवश्यकता के कारण उसी कार्य-पटल पर बनाए रखना अपरिहार्य हो, तो इसके लिए सक्षम प्राधिकारी की लिखित और कारणयुक्त अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बिना ऐसी अनुमति के किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को तीन वर्ष से अधिक समय तक एक ही कार्य-पटल पर नहीं रखा जा सकेगा।

टर्बुलेंस...किसी का सिर फूटा, किसी का टूटा कंधा

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

- एयर इंडिया का विमान हुआ हादसे का शिकार, चार क्रू मेम्बर और 10 यात्री हुए घायल

थाइलैंड के शहर फुकेत से नई दिल्ली आ रहा एअर इंडिया का एक विमान मंगलवार को टर्बुलेंस का शिकार हो गया। इस घटना में 15-20 यात्री घायल हो गए। किसी का सिर फूटा तो किसी का कंधा टूट गया है। ये टर्बुलेंस इतना भयानक था कि विमान हवा में ही करीब दो से तीन मिनट तक लड़खड़ाता रहा। एयर इंडिया की उड़ान एआई -2379 का विमान हवा के बीच 300 फीट नीचे आकर संभल गया। इस टर्बुलेंस से यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ▸▸| शेष पेज 6 पर

वीडियो में दिखे घायल यात्री

दिल्ली एयरपोर्ट के एक वीडियो में एक पुरुष यात्री को एंबुलेंस में ले जाते हुए देखा गया। उसके चेहरे और सिर पर पट्टी बंधी थी, जिससे उसकी एक आंख पूरी तरह ढकी हुई थी। इसी प्रकार एक यात्री के कंधे में भी चोट लगी है। एयर इंडिया की एक महिला क्रू मेंबर को व्हीलचेयर पर ले जाते हुए देखा गया, जिसके गले में कॉलर लगा हुआ था।

क्या है पूरा मामला

फुकेत से रवाना हुई एयर इंडिया की उड़ान को मंगलवार सुबह 11:15 बजे दिल्ली पहुंचना था। हालांकि, यात्रा शुरू होने के 90 मिनट बाद अचानक विमान डगमगाया और 2 से 3 मिनट तक नीचे गिरता गया, जिससे यात्रियों को तगड़े झटके लगे। घटना के बाद विमान के अंदर हड़कंप मच गया और कुछ लोग घायल हो गए। ऊंचाई में यह परिवर्तन उड़ान के दौरान ऊपर से नीचे की ओर बहने वाली हवा के कारण हुआ है।

छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ से शशांक सिंह ने लिया अनापत्ति प्रमाण पत्र

छत्तीसगढ़ की टीम से आईपीएल के ऑक्शन में पंजाब किंग्स में हुआ चयन

शशांक ने छोड़ा छत्तीसगढ़ का साथ

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ सीएससीएस से जुड़े आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए खेलने वाले बल्लेबाज शशांक सिंह अब आगामी घरेलू सत्र में पुडुचेरी का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ी के अनुरोध पर छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ ने उन्हें अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कर दिया है। हालांकि, संघ से अलग होने के बाद शशांक ने सीएससीएस के रवैये पर गंभीर सवाल उठाए हैं। वहीं, संघ ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि खिलाड़ी को हर स्तर पर पूरा सहयोग दिया गया।

शशांक सिंह का आरोप है कि पिछले घरेलू सीजन के दौरान उनके कंधे और अंगुली में चोट लगने के बाद संघ ने उनका साथ नहीं दिया। उन्होंने कहा कि चोट से उबरने के बावजूद उन्हें

छत्तीसगढ़ प्रीमियर लीग के खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं किया गया और बेंगलुरु प्री-सीजन कैंप के लिए भी चयनित नहीं किया गया। शशांक के अनुसार, इसी कारण उन्होंने छत्तीसगढ़ छोड़ने का निर्णय लिया।

शशांक को ट्रेनिंग कैंप में बुलाया गया

दूसरी ओर, सीएससीएस पदाधिकारियों का कहना है कि शशांक सिंह को हमेशा पूरा सहयोग मिला। उन्हें आईपीएल तक पहुंचने में हरसंभव मदद की गई और सीसीपीएल में कप्तानी की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी। संघ का दावा है कि उन्हें लगातार ट्रेनिंग कैंप में बुलाया गया, लेकिन वे कई बार शामिल नहीं हुए और उपचार के लिए मुंबई चले जाते थे। शशांक ने यह भी कहा कि उन पर यह आरोप लगाया गया कि वे केवल आईपीएल खेलना चाहते हैं और घरेलू क्रिकेट में रुचि नहीं रखते। उन्होंने इस दावे को गलत बताते हुए कहा कि उन्हें बीसीसीआई द्वारा 2023-24 घरेलू लिमिटेड ओवर सीजन के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर के लिए प्रतिष्ठित लाला अमरनाथ पुरस्कार अवॉर्ड से सम्मानित किया था।

अब व्हाइट-बॉल क्रिकेट पर फोकस

34 साल के शशांक अब पुडुचेरी के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट पर फोकस करना चाहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वह इस सीजन रेड-बॉल क्रिकेट से ब्रेक लेकर अपनी गेंदबाजी को और बेहतर बनाने पर काम करेंगे, ताकि टी20 क्रिकेट में एक पूर्ण ऑलराउंडर के रूप में योगदान दे सकें। भारत के सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले घरेलू व्हाइट-बॉल खिलाड़ियों में शामिल शशांक सिंह का 2024-25 सीजन भी शानदार रहा. उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में सिर्फ 7 मैचों में 450 रन बनाए और 11 विकेट भी झटके। वहीं सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024-25 के 7 मुकाबलों में उन्होंने 188 रन बनाए।

खेलों को बढ़ावा देने मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन में 100 करोड़

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यों, गतिविधियों, उपलब्धियों तथा आगामी कार्ययोजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में खेलों के लिए बेहतर वातावरण तैयार करने, खेल अधोसंरचना की मजबूती, महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने तथा खेल प्रतिभाओं की पहचान के लिए चालू वित्तीय वर्ष में मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। वहीं छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के तहत 57 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान रखा गया है।

- छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के लिए 57 करोड़ का बजट

नया रायपुर में स्पोर्ट्स काम्पलेक्स का निर्माण

उन्होंने बताया कि जशपुर जिले में लगभग 18 करोड़ लागत की आर्चरी अकादमी की स्थापना की जा रही है, जिसका निर्माण कार्य जारी है। इसके अलावा नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-28 में स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का निर्माण कार्य दो चरणों में किया जा रहा है। फेज-1 में 114.05 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान एव स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसका निर्माण कार्य प्रगतिरत है. वहीं फेज –2 के लिए 94.69 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

हॉकी लीग का होगा आयोजन

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि राज्य में हॉकी लीग के आयोजन की तैयारी चल रही है। राज्य के खेल अकादमियों में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण मुहैया कराने 14 प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण के लिए पटियाला भेजा गया है। उन्होंने बताया कि खेल गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए राज्य शासन ने 6 नए जिलों गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़-चौकी, सारंगढ़-बिलाईगढ़, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और सक्ती में खेल अधिकारी के पदों का सृजन किया गया है। विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए 44 प्रशिक्षकों, 4 जिला खेल अधिकारियों, 23 सहायक ग्रेड-3 और 8 वार्डन्स की भर्ती प्रक्रियाधीन है।

वनांचलों को खेल की मुख्य धारा से जोड़ा

उन्होंने बताया कि राज्य में ज्यादा से ज्यादा बच्चे एवं युवा खेल के मैदानों में पहुंचे, इसके लिए सरकार सक्रियता और गंभीरता से काम कर रही है। छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण के समय केवल 4 करोड़ रुपए के बजट वाले खेल एवं युवा कल्याण विभाग का बजट चालू वित्तीय वर्ष में 304 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। दूरस्थ आदिवासी वनांचलों को खेल की मुख्य धारा से जोड़ने की अभिनव पहल करते हुए पिछले दो वर्षों से बस्तर ओलंपिक के आयोजन के साथ ही इस साल से सरगुजा ओलंपिक भी राज्य में शुरु किया गया है। देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शानदार मेजबानी ने छत्तीसगढ़ को देश के खेल मानचित्र में प्रतिष्ठित किया है।

छत्तीसगढ़ में यूसीसी लागू करने की तैयारी, जनता से 15 अक्टूबर तक मांगे सुझाव

राज्य से जुड़े सभी विधिक, सामाजिक और प्रशासनिक पहलुओं का गहन अध्ययन कर रही समिति

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश में 'समान नागरिक संहिता' (यूसीसी) लागू करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। धर्म आधारित व्यक्तिगत कानूनों के स्थान पर सभी नागरिकों को संविधान के एक समान दायरे में लाने के उद्देश्य से एक पांच सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति ने अब आम जनता, विभिन्न संगठनों और हितधारकों से सुझाव एवं अभिमत आमंत्रित किए हैं, ताकि यह तय किया जा सके कि राज्य में आने वाला नया कानून कैसा होना चाहिए।

उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में गठित यह समिति छत्तीसगढ़ में यूसीसी की आवश्यकता, उसकी रूपरेखा तथा व्यक्तिगत सिविल मामलों से जुड़े मौजूदा कानूनों का व्यापक अध्ययन और समीक्षा कर रही है। समिति में सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा के शत्रुघ्न सिंह और एमके राऊत, वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पवार और सेवानिवृत्त प्राचार्या ज्योति रानी सिंह सदस्य के रूप में शामिल हैं। यह समिति राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के कार्यान्वयन से जुड़े सभी विधिक, सामाजिक और प्रशासनिक पहलुओं का गहन अध्ययन कर रही है। इसके प्रमुख दायित्वों में छत्तीसगढ़ की वर्तमान विधिक स्थिति का विश्लेषण करने के साथ-साथ विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार और गोद लेने (दत्तक ग्रहण) जैसे संवेदनशील विषयों पर व्यावहारिक सुझाव तैयार करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, समिति अन्य राज्यों में लागू यूसीसी व्यवस्थाओं का विस्तृत अध्ययन करेगी तथा आम नागरिकों, सामाजिक संगठनों, विधि विशेषज्ञों और विभिन्न हितधारकों से प्राप्त सुझावों व अभिमतों को भी ड्राफ्ट में शामिल करेगी। इन समस्त अध्ययनों और सुझावों के आधार पर एक समग्र ड्राफ्ट तैयार कर राज्य सरकार को प्रस्तुत करना और आवश्यक विधायी व प्रशासनिक अनुशंसाएं देना समिति का मुख्य उद्देश्य है। यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बना था। इसके अलावा गोवा, गुजरात, असम और मध्य प्रदेश में भी इसे लागू किया जा चुका है। इस क्रम में छत्तीसगढ़ यूसीसी को अपनाने वाला देश का 5वां राज्य बनने जा रहा है।

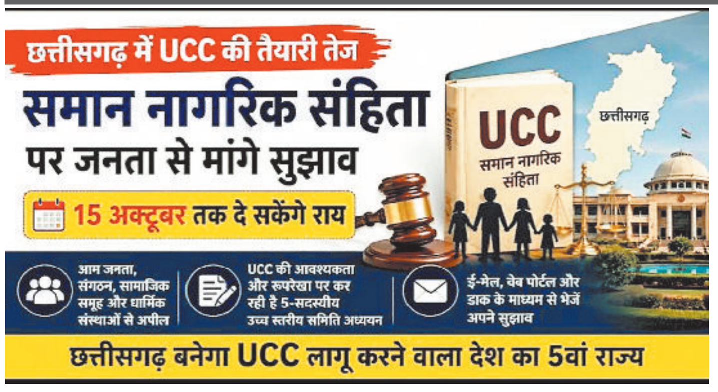

सुझाव भेजने के माध्यम

समिति ने शासकीय व गैर-शासकीय संगठनों, सामाजिक समूहों, धार्मिक संस्थाओं, समुदायों और राजनीतिक दलों सहित सभी नागरिकों से 15 अक्टूबर तक अपने विचार और राय अनिवार्य रूप से जमा करने की अपील की है। यूसीसी कार्यालय न्यू सर्किट हाउस, कमरा नंबर-202 रायपुर में डाक सहित ई-मेल और वेब पोर्टल के माध्यम से अपने सुझाव भेज सकते हैं।

वर्षों तक प्रकरण लंबित रखना कानून की मंशा के विपरीत

सात साल से मामला लंबित, हाईकोर्ट ने बैकुंठपुर एसडीएम को लगाई फटकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

न्यायिक प्रक्रिया में अनावश्यक देरी पर हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए बैकुंठपुर के एसडीएम को फटकार लगाई है। सात वर्षों से लंबित धारा 133 के एक मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने स्पष्ट कहा कि ऐसे मामलों का उद्देश्य त्वरित राहत देना होता है, लेकिन वर्षों तक प्रकरण लंबित रखना कानून की मंशा के विपरीत है। अदालत ने एसडीएम को आदेश दिया है कि 30 दिनों के भीतर मामले का अंतिम निर्णय पारित कर उसकी अनुपालन रिपोर्ट रजिस्ट्रार ज्यूडिशियल के समक्ष प्रस्तुत करें।

मामले की सुनवाई जस्टिस ए.के. प्रसाद की एकलपीठ में हुई। याचिकाकर्ता हिमायतुल्ला खान ने अदालत को बताया कि उनके विरुद्ध वर्ष 2019 में बैकुंठपुर एसडीएम न्यायालय में धारा 133 के तहत प्रकरण दर्ज हुआ था। 13 जून 2019 से मामला विचाराधीन है, लेकिन सात वर्ष बीत जाने के बाद भी उसका अंतिम निराकरण नहीं हो सका। सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से प्रस्तुत पक्ष ने भी

स्वीकार किया कि मामला लंबे समय से लंबित है। इस पर अदालत ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि धारा 133 के मामलों में त्वरित सुनवाई और शीघ्र निर्णय ही कानून का उद्देश्य है। यदि ऐसे प्रकरण वर्षों तक लंबित रहें तो न्याय व्यवस्था की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न खड़े होते हैं। हाईकोर्ट ने एसडीएम बैकुंठपुर को निर्देश दिया कि आदेश की प्रति प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर सभी पक्षों को सुनकर कारणयुक्त और स्पष्ट आदेश पारित करें। साथ ही यह भी कहा कि किसी भी पक्ष को अनावश्यक स्थगन नहीं दिया जाए और सभी संबंधित पक्ष कार्यवाही में पूरा सहयोग करें। अदालत ने अंतिम आदेश पारित होने के बाद उसकी अनुपालन रिपोर्ट हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार ज्यूडिशियल को भेजने का भी निर्देश दिया है।

हाईवे पर कार में स्टंटबाजी हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान

बिलासपुर। रायपुर और बिलासपुर की सड़कों पर स्टंटबाजी के 2 अलग-अलग मामले सामने आए हैं। दोनों ही मामलों में हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया है। कोर्ट ने पुलिस से पूछा है कि इन मामलों में क्या कार्रवाई की गई। पहले मामले में नवा रायपुर में कुछ लड़कों ने आधी रात चलती कार में चढ़ने की कोशिश की और बोनट पर लेटकर रील बनाई तो बिलासपुर हाईवे स्थित कोनी-सेंदरी रोड पर 2 लड़कियां चलती कार के सनरूफ से बाहर निकलकर बाल संवारते और रील बनाते हुए नजर आई। दोनों ही मामलों में राहगीरों ने इसका वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, पुलिस ने अब तक इन मामलों में कोई कार्रवाई नहीं की है।

नवा रायपुर में 3 अगस्त की रात कुछ लड़के चलती कार में खतरनाक स्टंट करते नजर आए। कोई चलती कार के बोनट पर लेटकर रील बना रहा था, तो कुछ युवक कार पर चढ़ने की कोशिश करते दिखे। वहीं, कुछ युवक सनरूफ से बाहर निकलकर वीडियो शूट करते रहे। कुछ सेकंड की रील बनाने के लिए उन्होंने ट्रैफिक नियमों की अनदेखी की। इस दौरान उन्होंने न केवल अपनी जान जोखिम में डाली, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा भी खतरे में डाल दी। इसी तरह बिलासपुर में नेशनल हाईवे पर कोनी-सेंदरी रोड पर चलती कार की सनरूफ से बाहर निकलकर 2 लड़कियां मोबाइल से वीडियो बनाती नजर आईं।

संतोषजनक यात्री सुविधा देने में रायपुर एयरपोर्ट देश में दूसरा, गोवा, इंदौर काफी पीछे

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

आवाजाही करने वाले यात्रियों को संतोषजनक सुविधा उपलब्ध कराने में स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट देश में दूसरा है। एयरपोर्ट सर्विस क्वालिटी के तिमाही सर्वे में यात्रियों से मिले फीडबैक के आधार पर इसे 4.93 पाइंट मिला है। रायपुर से 4.97 रेटिंग के साथ पुणे पहले स्थान पर है और इस सर्वे में गोवा, इंदौर जैसे एयरपोर्ट काफी पीछे है।

यात्री संतुष्टि सर्वेक्षण की प्रक्रिया तिमाही होती है और यात्रियों से मिलने वाले विभिन्न फीडबैक के आधार पर इसका परिणाम भी घोषित किया जाता है। पिछले दिनों अप्रैल-जून में हुए सर्वे का परिणाम जारी किया गया। इसमें पुणे एयरपोर्ट के बाद रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट ने स्वच्छता, सुरक्षा, चेक-इन की प्रक्रिया, प्रतीक्षा समय, विमानतल के कर्मचारियों और अधिकारियों के व्यवहार, मौजूद सुविधा, जानकारी के लिए लगाए गए संकेतक बोर्ड तथा पूर्ण यात्रा अनुभव पर सर्वेक्षण टीम के सामने संतोष जताया। इसी तरह की प्रक्रिया देश के 16 विमानतलों में अपनाई गई

और उनके एएसक्यू का पाइंट तय किया गया था। जारी किए परिणाम में पुणे एयरपोर्ट के सिस्टम को काफी सराहना मिली। इसके बाद दूसरे नंबर पर राजधानी का एयरपोर्ट रहा और आने जाने वाले यात्रियों ने अपने फीडबैक में इसे काफी अच्छा बताया, इस आधार पर इसे 4.93 रेटिंग प्राप्त हुआ जो अन्य हवाई अड्डों की औसत 4.88 से अधिक था। राजधानी के विमानतल में यात्रियों की सुविधा के लिए काफी काम किए जा रहे हैं। यात्रियों के वाहनों के लिए टर्मिनल के सामने शेड सिस्टम का विस्तार किया जा रहा है। इसके अलावा चेक इन एरिया के मुख्य द्वार के वॉकिंग एरिया का भी विस्तार किया जा रहा है। टर्मिनल भवन को सुंदर बनाने के लिए भीतर भी सौंदर्यीकरण का काम किया जा रहा है।

7 करोड़ से चमकेगा बूढ़ापारा का इंडोर स्टेडियम

रायपुर। रायपुर नगर निगम के बूढ़ापारा स्थित सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम की मरम्मत और कायाकल्प कराया जाएगा। 7 करोड़ खर्च कर इंडोर स्टेडियम को चमकाने की तैयारी है। इसमें सबसे बड़ा काम सेंट्रल एयर कंडीशनिंग सिस्टम को पूरी तरह अपग्रेड किया जाएगा। स्टेडियम में इंडोर गेम्स जैसे बैडमिंटन, बास्केट बॉल और वॉलीबॉल के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर की फ्लोरिंग और आधुनिक लाइटें लगाई जाएंगी। दरअसल, शहर और प्रदेश के सुव्यवस्थित इंडोर स्टेडियम में खेलों के अलावा समय-समय पर बड़े स्तर के राज्य स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम, सरकारी सम्मेलन सहित सामाजिक आयोजन होते हैं, पर स्टेडियम के भीतर कुछ खामियां भी हैं, जिसे सुधारते हुए नए स्वरूप देने स्टेडियम की व्यवस्था को आधुनिक बनाकर इसे खिलाड़ियों व दर्शकों के लिए तैयार करना है। स्टेडियम के भीतर सीलन की समस्या रही है, इसे दूर करने वाटर रूफिंग कर नया पेंट कराया जाएगा। करीब 4 हजार दर्शकों की क्षमता वाली सीटों की मरम्मत और सफाई कराई जाएगी। यही नहीं, टायलेट के नवीनीकरण और स्टेडियम परिसर के ड्रेनेज सिटस्म को सुधारा जाएगा। यही नहीं, इंडोर स्टेडियम में लगाया गया चिलर प्लांट एक अरसे से खराब हो गया है, उसे बदलने की जरूरत है।

ऑल इंडिया कोटे के लिए पंजीयन आज से, राज्य की 85 फीसदी सीटों पर प्रवेश के लिए कुछ दिन और इंतजार

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

नीट यूजी 2026 में सफल अभ्यर्थियों के मेडिकल और डेंटल कालेजों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। ऑल इंडिया कोटे की 15 प्रतिशत सीटों पर एडमिशन के लिए पंजीयन 5 अगस्त से प्रारंभ होगा और सीटों पर प्रवेश 18 से 22 अगस्त के बीच किया जाएगा। राज्य कोटे की 85 फीसदी सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया आने वाले दिनों में शुरू होगी। संभवतः पहला राउंड अंतिम दिनों तक पूरा किया जाएगा। राज्य के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में अभा. कोटे की करीब 258 सीट है।

नीट का परिणाम आने के बाद चिकित्सा छात्रों को मेडिकल की पढ़ाई के लिए चिकित्सा और दंत चिकित्सा महाविद्यालयों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू होने का बेसब्री से इंतजार था। एमसीसी की ओर से ऑल इंडिया और स्टेट कोटे की सीटों पर एडमिशन के लिए अनुमानित शेड्यूल जारी कर दिया गया है। इसके तहत काउंसिलिंग की सारी प्रक्रिया 10 अक्टूबर तक पूरी की जाना है। नियम के मुताबिक पहले शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के 15 प्रतिशत सीटों यानी ऑल इंडिया कोटा, डीमैड और सेंट्रल यूनिवर्सिटी की सीटों पर एडमिशन का पहला राउंड पूरा होगा। इसके पीछे राज्य अपने कोटे की सीटों में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग की प्रक्रिया शुरू करेंगे। ऑल इंडिया कोटे से प्रवेश के लिए पंजीयन सहित अन्य प्रक्रिया 5 से 17 अगस्त तक पूरी करने के बाद 18 से 22 अगस्त को एडमिशन दिया जाएगा। इसी तरह दूसरे राउंड में एडमिशन 3 से 8 सितंबर के बीच पूरा होगा। इस बीच राज्य कोटे की शासकीय और निजी मेडिकल कालेजों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। चिकित्सा शिक्षा विभाग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि नीट का परिणाम लाने के बाद स्क्रूटनी कर जल्दी इसकी अपलोडिंग की जाएगी। इसके साथ यहां पंजीयन प्रारंभ होगा। राज्य कोटे की सीटों पर प्रवेश के लिए चिकित्सा शिक्षा संचालनालय अपना शेड्यूल जारी करेगा।

एमसीसी का शेड्यूल, अभा. कोटे से एडमिशन 18 से 22 अगस्त तक, राज्य के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में है

सरकारी कालेजों में 1467 शासकीय सीट

15 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में वैसे तो कुल 1725 सीट है जिसमें से ऑल इंडिया कोटे के 258 को हटाने के बाद 1467 सीट राज्य की है। इसके अलावा छह निजी कालेजों में 1200 सीट का एडमिशन का काम भी चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ही पूरा करेगा। ऑल इंडिया कोटे के शेड्यूल को देखते हुए राज्य में प्रवेश का काम शुरू होगा। मेडिकल कालेजों के अलावा दंत चिकित्सा महाविद्यालयों की 685 बीडीएस की सीटों पर भी एडमिशन साथ-साथ पूरा किया जाएगा। राज्य में एकमात्र शासकीय डेंटल कालेज रायपुर में संचालित है जिसकी 15 फीसदी सीट अभा. कोटे की है।

जल्दी ही अपलोड करेंगे

ऑल इंडिया कोटे के पहले राउंड की काउंसिलिंग के बाद राज्य कोटे की सीटों पर एडमिशन प्रक्रिया शुरू होती है। आने वाले दिनों में राज्य के अभ्यर्थियों का परीक्षा परिणाम और काउंसिलिंग के लिए पंजीयन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। साथ ही काउंसिलिंग का शेड्यूल भी जारी किया जाएगा।

स्कूल बस की टक्कर से मासूम की मौत, परिजनों सहित आक्रोशित लोगों ने घेरा थाना

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

राजधानी रायपुर में मंगलवार को सुबह करीब 8 बजे स्कूल बस की टक्कर से एक तीन साल के बच्चे की मौत हो गई। इस घटना के बाद बच्चे के परिजनों सहित अन्य लोगों ने थाने का घेराव कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बस को जब्ती बनाया और आरोपी चालक को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आमासिवनी-विधानसभा अंडरब्रिज रोड के पास देवारों की बस्ती है। यहां रहने वाले राजा देवार का 3 वर्ष का लड़का सुबह करीब 8 बजे अमलेश सड़क के किनारे खेल रहा था। इसी दौरान इस रोड से गुजर रही आरके शारदा विद्या मंदिर स्कूल (भवंस) की बस बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी, ने बच्चे को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। इस घटना के बाद मृत बच्चे के परिजनों सहित अन्य लोगों ने आरोपी बस चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए थाने का घेराव कर दिया। इधर पुलिस ने इस मामले में तत्काल एक्शन लेते हुए आरोपी बस चालक को गिरफ्तार किया तथा बस को जब्ती बनाया।

राशिफल

मेष – आशा–निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवन साथी के स्वास्थ का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष – धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना बन रही है। परिश्रम अधिक रहेगा।

मिथुन – मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

सिंह – नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी।

कन्या – शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए भी विदेश जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।

तुला – जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक – मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे।

धनु – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। कारोबार में उतार–चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं पर नियंत्रण बनाकर रखें।

मकर – शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कुंभ – भागदौड़ अधिक रहेगी। परन्तु किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सफलता के भी योग हैं।

मीन – मन में उतार–चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भाग–दौड़ भी अधिक रहेगी।

शब्द पहेली - 6308

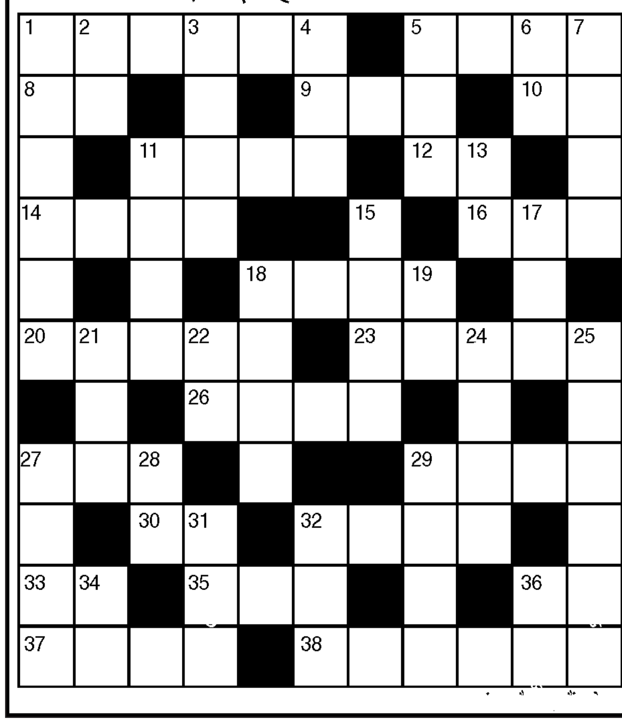

बाएँ से दाए

1. पवनपुत्र, हनुमान-3,3
5. मजार-4
8. बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9. तहजीब, तमीज-3
10. सत्य, तेज-2
11. पतंगा-4
12. ईसाई साध्वी-2
14. इंकार करना-4
16. उत्तम, आदर्शवादी-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
20. पागलपन, सनक-5
23. पालन-पोषण-5
26. आनंद लेना-2,2
27. बेईमानी, अमानत में खयानत-3
29. अप्रधान, गौण-4
30. ठाठ-बाट-2
32. अति काला, एक प्रकार की लकड़ी-4
33. रहस्य-2
35. गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36. कमरा, रूम-2
37. जल में रहने वाला-4
38. धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे

1. पलायन करने वाला-6
2. जंगल-2
3. दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4. जिव्हा, जीभ-3
5. घर, भवन-3
6. यात्री गाड़ी-2
7. चौबीस घंटे का समय-4
11. परीक्षण करना-4
13. भीगा हुआ-2
15. खीजना-4
17. उपस्थिती-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
19. संपत्ति-2
21. उचित, सही-3
22. पंख, पराया-2
24. देश निर्वासन-4
25. अंगरक्षक-3,3
27. हाथी-4
28. मद, सरूर-2
29. अनुसार, समान-4
31. निगाह, दृष्टि-3
32. हथियार-3
34. पानी, नीर-2
36. सिगरेट का धुआं खींचना, सुट्टा-2

शब्द पहेली- 6307 का हल

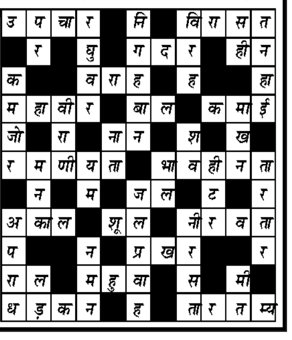

सूडोकू नवताल- 6318

★★★✩✩ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल- 6317 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

बिलासपुर
बुधवार 5 अगस्त 2026
श्रावण, कृष्ण पक्ष सप्तमी
वर्ष : 26, अंक : 135
पृष्ठ : 10+6 = 16 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 33.5
न्यून. 27.3

haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

राष्ट्रपति भवन में लगेंगे पुरी रथयात्रा के रथ के पहिए

भुवनेश्वर। पुरी की वार्षिक रथयात्रा में इस्तेमाल होने वाले तीनों रथों के पहियों को राष्ट्रपति भवन में लगाया जाएगा। उन्होंने भुवनेश्वर स्थित लोक भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उनके समक्ष यह प्रस्ताव रखा। राष्ट्रपति इस बात पर सहमत हो गईं कि तीनों रथों के पहिये राष्ट्रपति भवन में लगाए जाएं।

एक करोड़ का प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद

भुवनेश्वर। ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से एक करोड़ रुपए मूल्य के प्रतिबंधित कफ सिरप जब्त किए हैं। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए टीम ने सोमवार को बड़माल के तुम्बेकेला के पास एक ट्रक को रोका और गत्ते के 197 डिब्बों में बंद कफ सिरप बरामद किए। जब्त की गई खेप में 100 मिलीलीटर की 23,640 शीशी थीं।

अवर सचिव अनियमितता के आरोप में निलंबित

तिरुवंनतपुरम। केरल सरकार ने एक अवर सचिव को जेल में बंद भाजपा के पार्षद को शहर निकाय की बैठकों में शामिल होने के लिए पैरोल देने से जुड़ी फाइल पर कार्यवाही करने के दौरान अनियमितता बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया है। पार्षद को केरल असामाजिक गतिविधि निवारण अधिनियम के तहत एहतियान हिरासत में रखा गया है।

नौकरी के नाम पर ठगी गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नौकरी दिलाने के बहाने बेरोज़गारों के साथ कथित रूप से ठगी करने वाले एक गिरोह का भड़ाफोड़ करते हुए पांच महिलाओं समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी पश्चिम दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में अपंजीकृत 'प्लेसमेंट' एजेंसी संचालित कर रहे थे। ऑनलाइन रोजगार पोर्टल के माध्यम से बेरोजगारों को लुभा रहे थे।

पूर्व राज्यपाल डी.वाई. पाटिल का निधन

मुंबई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं बिहार तथा त्रिपुरा के पूर्व राज्यपाल डी.वाई. पाटिल का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को महाराष्ट्र के कोल्हापुर स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। राज्य में कई शिक्षण संस्थानों की स्थापना करा चुके वरिष्ठ नेता के परिवार में उनके बेटे सतेज पाटिल, संजय पाटिल और अजिंक्य पाटिल हैं।

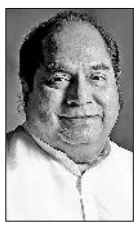

'मंगल मिलन' में नहीं पहुंचे एनसीपीआई के तीन सांसद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्रियों और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों के नेताओं ने मंगलवार को सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों की साप्ताहिक बैठक में तृणमूल कांग्रेस से अलग हुए एनसीपीआई के 20 सांसदों में से तीन सांसद बैठक में शामिल नहीं हुए, जिससे गठबंधन के साथ उनके मतभेद के संकेत मिल रहे हैं। ये पश्चिम बंगाल के जंगीपुर से खलीलुर रहमान, मुर्शिदाबाद से अबू ताहेर खान और बहरामपुर से यूसुफ पठान हैं।

क्रेडा, पीडब्ल्यूडी सहित चार विभागों ने जमा किए पैसे

विभागों ने नहीं दिया एडवांस, सरकारी कनेक्शन अभी तक प्रीपेड नहीं, अब 10 तक डेडलाइन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

सरकारी विभागों के बिजली कनेक्शनों को एक अगस्त से प्रीपेड करने की योजना फिलहाल फेल हो गई है। प्रदेश के सरकारी विभागों को तीन-तीन माह के बिजली बिल का पैसा 31 जुलाई तक एडवांस में जमा करने का फरमान जारी किया गया था, लेकिन क्रेडा, पीडब्ल्यूडी सहित महज चार विभागों ने ही अब तक पैसा जमा किया है। ऐसे में अभी सरकारी विभागों के कनेक्शन प्रीपैड नहीं हो सके। छोटे-बड़े मिलाकर कुल 71 विभागों का ग्रुप बनाया गया है। अब विभागों को दस अगस्त की डेडलाइन दी गई है। सभी विभागों के पैसे जमा होने पर 11 अगस्त से कनेक्शन प्रीपैड किए जा सकते हैं। प्रदेशभर में ▶▶|शेष पेज 6 पर

बकाया चार हजार करोड़

सरकारी विभागों पर बकाया हमेशा परेशानी का कारण रहा है। कभी भी सरकारी विभाग अपना बिजली बिल जमा ही नहीं करते हैं। अंत में पॉवर कंपनी को प्रदेश सरकार को पत्र लिखकर बजट से पैसा लेना पड़ता है। इस समय सरकारी विभागों पर जुलाई की स्थिति में बकाया चार हजार करोड़ हो गया है। कनेक्शन जब से प्रीपैड किए जाएंगे, तब से बकाया को फ्रीज कर दिया जाएगा और इस बकाया को किस्तों में दिया जाएगा।

विभागों के बने ग्रुप

पहले चरण में ब्लाक स्तर पर करीब 45 हजार सरकारी बिजली कनेक्शनों को प्रीपैड करने की तैयारी की गई थी, लेकिन अब लगभग सभी डेढ़ लाख कनेक्शनों को प्रीपैड किया जा रहा है। इसके लिए अब जिला स्तर पर जितने भी सरकारी विभाग है, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी, पंचायतें, पुलिस सहित जितने भी विभाग हैं उनका-अलग अलग ग्रुप बनाया गया है। इसमें जिस विभाग के एक जिले में जितने भी दफ्तर होंगे, उनका एक माह का बिजली बिल कितना आता है, इसको देखा जा रहा है। इन विभागों को तीन-तीन के बिजली बिल के बराबर एडवांस में पैसा पॉवर कंपनी में जमा करना होगा। इसके लिए हर विभाग को अलग-अलग कोड भी दिया गया है। हर विभाग के लिए एक-एक नोडल अधिकारी भी बनाया गया है। पॉवर कंपनी इस प्रयास में थी कि सभी सरकारी विभाग जुलाई के अंत तक तीन-तीन माह का बिल एडवांस में जमा कर दें तो एक अगस्त से सभी सरकारी विभागों के कनेक्शनों को प्रीपैड कर ▶▶|शेष पेज 6 पर

कई राज्यों में बाढ़ के हालात, असम में करीब 1.3 लाख अब भी प्रभावित

असम में अब तक 87 मौतें, बिहार-बंगाल में तबाही, छग के उत्तरी इलाके में अलर्ट

देश के कई राज्यों में बाढ़-बारिश के हालात हैं। असम में बाढ़ के कारण दो और लोगों की मौत होने के साथ ही, इस प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 87 हो गई है। बिहार और पश्चिम बंगाल में आकाशीय बिजली गिरने से करीब 11 लोगों की मौत हो गई। इस बीच केरल और कर्नाटक में भी भारी बारिश ने तबाही मचाई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

असम में बाढ़ के कारण अधिकतर जलमग्न इलाकों से पानी का स्तर कम होने के बावजूद लगभग 1.3 लाख लोग अब भी इस आपदा से प्रभावित हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले कुछ दिनों में अरुणाचल प्रदेश और मेघालय में गरज के साथ अत्यधिक भारी बारिश का अनुमान जताया है, जिससे इन दोनों राज्यों की सीमा से लगे असम के कई जिले प्रभावित हो सकते हैं। मौसम कार्यालय ने कहा, मौसम के मिजाज से संकेत मिलता है कि मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स, पश्चिमी जैंतिया हिल्स और पूर्वी जैंतिया हिल्स तथा अरुणाचल प्रदेश के पापुमपारे, कुरुंग कुमेय, पूर्व कामेंग, पूर्व सियांग, लोहित और चांगलांग जिलों में अधिकतर स्थानों पर गरज-चमक के साथ अत्यधिक भारी बारिश (ऑरेंज और रेड अलर्ट) ▶▶|शेष पेज 6 पर

- देशभर में जनजीवन प्रभावित
- बिहार और पश्चिम बंगाल में बिजली गिरने से **11** की मौत, **14** घायल
- उत्तराखंड के चमोली में बद्रीनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड
- राजस्थान में आज से मानसून कमजोर पड़ने लगेगा
- अगले 3 दिन प्रदेश में तेज बारिश का अलर्ट नहीं
- मध्य प्रदेश में **2** दिन बारिश के आसार नहीं, अब तक **16%** कम बरसात
- पंजाब और यूपी में अगले **24** घंटे में भारी बारिश के आसार

केरल में फिर अलर्ट

केरल में एक से चार अगस्त के बीच 205.8 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि सामान्य रूप से इस अवधि में 73.2 मिमी बारिश होती है। केरल के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राज्य के आठ जिलों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है।

राजस्थान में फिर सक्रिय होगा मानूसन

मौसम विभाग के अनुसार छह-सात अगस्त को पूर्वी राजस्थान और आसपास के क्षेत्रों में एक नया चक्रवाती परिसंचरण तंत्र बनने की संभावना है, जिससे मानसून फिर सक्रिय होगा और राज्यभर में वर्षा गतिविधियों में बढ़ोतरी होगी। विभाग का कहना है कि सात से 10 अगस्त तक भरतपुर, कोटा, जयपुर और अजमेर संभागों में कई स्थानों पर मध्यम से भारी तथा कुछ स्थानों पर अति भारी वर्षा होने की संभावना है।

तटीय कर्नाटक में मूसलाधार बारिश

तटीय कर्नाटक में मंगलवार को मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। उडुपी जिले के कुडांपुर तालुक में हकलाडी में पिछले 24 घंटों में सर्वाधिक 189 मिलीमीटर (मिमी) वर्षा दर्ज की गई। एक बयान में यह जानकारी दी गयी है। कर्नाटक राज्य आपदा निगरानी केंद्र द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, अरब सागर और पश्चिमी घाट क्षेत्र के ऊपर दक्षिणपश्चिम मानसून की सक्रियता से इस पूरी तटीय क्षेत्र में भारी बारिश हुई है। दक्षिण कन्नड़ जिले में भी भारी वर्षा दर्ज की गई जहां उप्पीनांगडी में 122.8 मिमी तथा बेलथांगडी में 100.8 मिमी बारिश हुई।

हाथी के तीन नग जबड़े के साथ गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर/रामानुजगंज

वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो एवं वन विभाग की संयुक्त टीम ने छापामार कार्रवाई के तहत वन्य जीवों के अंगों की तस्करी करने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह को पकड़ने में सफलता हासिल की है। टीम ने सोमवार को एक धर्मशाला में छापामार कर 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे हाथी के तीन जबड़े को जब्त किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में एक झारखण्ड का निवासी है जबकि दो रामानुजगंज ब्लॉक के है। सरगुजा संभाग के विभिन्न क्षेत्रों में वन्यजीवों का शिकार एवं उनके अंगों की तस्करी करने की सूचना पर वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरों की ▶▶|शेष पेज 6 पर

हाथी दांत बताकर बेचते हैं टुकड़ों में

वन अधिकारियों के अनुसार तस्कर जबड़े को टुकड़ों में काटकर उसे हाथी दांत बताकर महंगे दामों में बेचते हैं। आयुर्वेदिक दवाओं में भी जबड़े का उपयोग किया जाता है। हाथी दांत की कीमत अत्यधिक होने के कारण दवा बनाने के लिए जबड़े का उपयोग किया जाता है। लोगों में यह अंधविश्वास भी है कि हाथी का जबड़ा व दांत रखने से परिवार में सुख समृद्धि आती है।

चल रही है जांच

तस्करों को जेल दाखिल किया गया है। विभिन्न बिन्दुओं पर मामले की जांच की जा रही है। मामले में अन्य आरोपियों के शामिल होने की संभावना पर तस्करों का कॉल डिटेल निकालकर उसका परीक्षण किया जाएगा।

-**आलोक वाजपेयी,** वन मण्डलाधिकारी, बलरामपुर

पहले भी हो चुकी है ऐसी घटना

एएसआई ने दो जवानों की हत्या के बाद की खुदकुशी

एजेंसी ▶▶| नगांव

असम के नगांव जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक अधिकारी ने अपने दो साथियों की गोली मारकर हत्या और एक अन्य को घायल करने के बाद आत्महत्या कर ली। नगांव की पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) परमिता सरकार ने बताया कि यह घटना कटिमारी में 34 बटालियन शिविर में सुबह करीब सात बजे हुई, जब मेन गेट पर ड्यूटी पर तैनात सहायक उपनरीक्षक बल्लानी प्रेमाबरम ने अपने साथियों पर गोली चला दी।

क्या है पूरा मामला?

सोमवार तड़के शिविर में बलानी की कथित तौर पर यादव और बघेल से किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इसके बाद मामला हाथापाई तक पहुंच गया। तभी बलानी ने सरकारी असॉल्ट राइफल से जवानों पर करीब से गोलीबारी कर दी।

अंतरिम महासचिव ने की रिकॉर्ड की समीक्षा

बैंक लॉकर में रखे राममंदिर के सोने-चांदी का रिकॉर्ड देखा

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

अयोध्या स्थित राम मंदिर ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव ने यहां एक बैंक लॉकर में रखे करोड़ों रुपये के सोने, चांदी और अन्य कीमती धातुओं के साथ-साथ उनसे जुड़े रिकॉर्ड की समीक्षा की। सूत्रों के अनुसार अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन सोमवार की शाम अयोध्या में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा गए और देर रात तक वहां रुके। उन्होंने बताया कि इस दौरान कीमती सामान की सूची तैयार की गई और बैंक लॉकर में जमा सोने, चांदी और अन्य कीमती धातुओं की तस्वीरें ली गईं।

एसआईटी ने सौंपी थी रिपोर्ट

एसआईटी ने 23 जून को अपनी शुरुआती रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी, जिसके बाद, 25 जून को प्राथमिकी दर्ज की गई और आठ आरोपियों अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडे, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव को गिरफ्तार किया गया।

व्यवस्थाओं पर कही यह बात

कृष्ण मोहन ने बैंक के अपने दौरे के बारे में मीडिया के सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। हालांकि राम मंदिर में व्यवस्थाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, आप आएं, दर्शन करें और खुद देखें... अगर कोई कमी हो, तो हमें बताएं। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला जून के पहले सप्ताह में सामने आया था जिसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने आरोपों की जांच के लिए 13 जून को एक विशेष अन्वेषण टीम (एसआईटी) का गठन किया और शुरू में जांच के लिए 15 दिन का समय दिया।

केंद्रीय मंत्री नड्डा ने राज्यसभा में दी जानकारी

155 चिकित्सा उत्पाद घटिया और दो दवाएं मिलीं नकली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने मंगलवार को राज्यसभा को बताया कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) और राज्य की औषधि परीक्षण प्रयोगशालों ने इस साल मई में 155 चिकित्सा उत्पादों को 'मानक गुणवत्ता का नहीं' और दो दवाओं को नकली पाया। नड्डा ने एक सवाल के लिखित जवाब में उच्च सदन को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश में दवाओं का निर्माण, बिक्री और वितरण मुख्य रूप से औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम एवं उसके अंतर्गत नियमों के ▶▶|शेष पेज 6 पर

250 से अधिक विदेशी नागरिक गिरफ्तार

इधर, लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने 2024 से राष्ट्रीय राजधानी में मादक पदार्थों की तस्करी के मामलों में 254 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 40.53 करोड़ से अधिक के नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं। सरकार ने कहा कि 103 विदेशी नागरिक बिना आवश्यक किराएदार सत्यापन के किराए के मकान में रहते पाए गए, और 63 मकान मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

13 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचाया गया

लाल सागर में भारतीय जहाज पर हमला, डूबा कार्गो पोत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

लाल सागर में एक बार फिर समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। भारत के झंडे वाला एक मालवाहक जहाज विस्फोटकों से लदी नाव के हमले का शिकार हो गया और बाद में समुद्र में डूब गया। राहत की बात यह रही कि जहाज पर सवार सभी 14 चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया, जिनमें 13 भारतीय और एक यमनी नागरिक शामिल हैं। भारतीय ध्वज वाले कार्गो पोत फैजे नूरे ओलिया पर यमन के पश्चिमी तट के पास हमला हुआ। सरकारी समर्थन प्राप्त नेशनल रेजिस्टेंस फोर्स के अनुसार, यह हमला हूती नियंत्रण वाले होदेदाह ▶▶|शेष पेज 6 पर

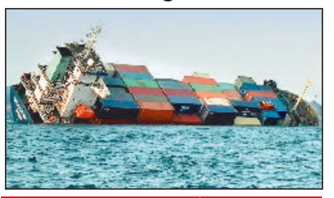

बचाव अभियान में क्या हुआ

हमले के बाद यमन की तटरक्षक और नौसैनिक इकाइयों ने तुरंत संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान जहाज पर मौजूद सभी 14 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इनमें 13 भारतीय नाविक और एक यमन का नागरिक शामिल था। बचाए गए सभी लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया और उनकी चिकित्सकीय जांच भी कराई गई। अधिकारियों के अनुसार किसी भी चालक दल के सदस्य को गंभीर चोट नहीं आई।

हमला कैसे हुआ और किस पर आरोप

जहाज पर विस्फोटकों से लदी एक नाव से हमला किया गया। इस हमले के बाद कार्गो पोत समुद्र में डूब गया। नेशनल रेजिस्टेंस फोर्स ने इस हमले के लिए यमन के हूती विद्रोही समूह को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि खबर लिखे जाने तक हूती समूह की ओर से इस आरोप पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हमले का सटीक समय भी सार्वजनिक नहीं किया गया।

24 घंटे के लिए एकाउंट्स को जांच के घेरे में डाला

अचानक बंद हुआ व्हाट्सएप, दिखा 'अंडर रिव्यू'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कई यूजर्स के व्हाट्सएप एकाउंट्स बिना किसी चेतावनी के अचानक बंद हो गए। स्क्रीन पर 'अकाउंट रिव्यू में है' का मैसेज दिखाई देने लगा। इसके चलते ऐप के सभी फीचर्स ब्लॉक हो गए और 24 घंटे के लिए एकाउंट्स को जांच के घेरे में डाल दिया गया। अचानक हुई इस रुकावट से परेशान होकर यूजर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर शिकायतें कीं। मेटा के स्वामित्व वाला इंस्टेंट मैसेजिंग एप व्हाट्सएप कई एकाउंट्स की जांच कर रहा है।

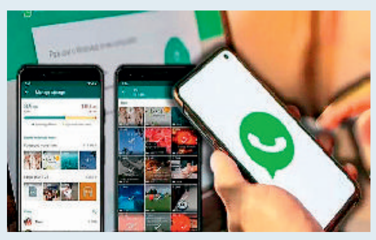

क्या कहा व्हाट्सएप ने

रिपोर्ट के अनुसार, व्हाट्सएप के एक प्रवक्ता ने कहा कि हम हमेशा उन लोगों से आगे रहने की कोशिश करते हैं, जो हमारी सर्विस का गलत इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं और दूसरे यूजर्स को सुरक्षित रखने के लिए अकाउंट्स को बैन करते हैं।

व्हाट्सएप कर रहा जांच

दरअसल, व्हाट्सएप यूजर्स को रात करीब 8 बजे इस दिक्कत के बारे में तब पता चला, जब मेटा के मैसेजिंग ऐप ने बिना किसी चेतावनी के अचानक काम करना बंद कर दिया या एकाउंट्स को जांच पर डाल दिया। यूजर्स को ऐप की स्क्रीन पर एक मैसेज 'एकाउंट्स रिव्यू में है' दिखाई दिया।

सोशल मीडिया पर यूजर्स ने की शिकायत

यूजर्स ने एप में आ रही समस्याओं के अलग-अलग स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर पोस्ट किए। एक यूजर ने सोशल मीडिया पर लिखा मेरा व्हाट्सएप एकाउंट्स बिना किसी कारण के डिसेबल कर दिया गया है। मैंने पहले ही अपील कर दी है, लेकिन रिव्यू पेज पर सिर्फ एक सामान्य मैसेज दिखाई दे रहा है, जिसमें कहा गया है कि इसे आमतौर पर 24 घंटे के भीतर रिव्यू किया जाएगा। एक्स पर एक और अकाउंट से पोस्ट किया गया।

चिंतन

सोशल मीडिया पर जवाबदेही जरूरी

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया केवल संवाद और मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह सूचना, राजनीति, कारोबार और जनमत निर्माण की एक ऐसी ताकत बन चुका है, जिसका प्रभाव समाज के हर वर्ग पर पड़ता है। करोड़ों लोग फेसबुक, इंस्टाग्राम और दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलने वाली सूचनाओं को सच मानकर आगे बढ़ाते हैं। ऐसे में इन प्लेटफॉर्म पर प्रकाशित या हटाई जाने वाली सामग्री के पीछे काम करने वाली तकनीक और उसके संचालकों की जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो जाती है। एल्गोरिदम की गलती को जवाबदेही से अलग नहीं किया जा सकता। भारत सरकार और मेटा की ग्लोबल टीम के बीच 5 और 6 अगस्त को होने वाली बैठक इसी लिहाज से महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार ने मेटा के प्रतिनिधियों को तलब कर चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मटेरियल यानी सीएसएएम पर नियंत्रण में कथित चूक, फर्जी और सिंथेटिक एआई कंटेंट तथा बड़े नेताओं के वेरिफाइड अकाउंट्स पर गलत कार्रवाई जैसे गंभीर मुद्दों पर जवाब मांगा है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय द्वारा कंपनी के अब तक के जवाबों को नाकाफी माना जाना इस बात का संकेत है कि सरकार अब प्लेटफॉर्म की कंटेंट मॉडरेशन व्यवस्था को अधिक गंभीरता से परखना चाहती है। सबसे गंभीर विषय बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री है। यदि किसी प्लेटफॉर्म के विज्ञापन तंत्र या मॉडरेशन सिस्टम से ऐसी सामग्री गुजर जाती है तो इसे सामान्य तकनीकी चूक कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यहां सवाल किसी एक पोस्ट या एक अकाउंट का नहीं, बल्कि उस पूरी व्यवस्था का है जो सामग्री की पहचान, समीक्षा और विज्ञापन को मंजूरी देती है। बच्चों की सुरक्षा के मामले में 'मशीन से गलती हो गई' कोई पर्याप्त जवाब नहीं हो सकता। इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो का कुछ समय के लिए हटना भी तकनीकी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है। यदि मेटा के अनुसार यह तकनीकी त्रुटि थी और बाद में सामग्री बहाल कर दी गई, तो कंपनी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि गलती किस स्तर पर हुई और उसे दोबारा रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए। किसी भी आम नागरिक की सामग्री गलत तरीके से हटाना भी अनुचित है, लेकिन देश के प्रधानमंत्री के आधिकारिक खाते से जुड़ी सामग्री के मामले में पारदर्शिता की अपेक्षा और बढ़ जाती है। कंटेंट हटाने और अकाउंट पर कार्रवाई के स्पष्ट नियम होने चाहिए। डिजिटल प्लेटफॉर्म को अपनी कंटेंट मॉडरेशन व्यवस्था के बारे में अधिक पारदर्शी होना होगा। किस आधार पर कोई पोस्ट हटाई गई, किस स्तर पर उसकी समीक्षा हुई, अपील की क्या व्यवस्था है और गंभीर चूक होने पर जिम्मेदारी किसकी होगी? ये ऐसे सवाल हैं जिनका स्पष्ट जवाब दिया जाना जरूरी है। विशेष रूप से एआई के बढ़ते इस्तेमाल के दौर में फर्जी और सिंथेटिक कंटेंट की पहचान बड़ी चुनौती बन रही है। ऐसे में केवल मशीनों के भरोसे इस चुनौती का समाधान संभव नहीं होगा। मशीन निर्णय ले सकती है, लेकिन अंतिम जवाबदेही इंसानी व्यवस्था की ही होनी चाहिए। तकनीकी गलती हो सकती है, लेकिन उस गलती को सुधारने, कारण बताने और भविष्य में उसकी पुनरावृत्ति रोकने की जिम्मेदारी कंपनी की होनी चाहिए। सरकार और मेटा को स्पष्ट सुरक्षा मानक, नियमित स्वतंत्र ऑडिट, पारदर्शी मॉडरेशन व्यवस्था और गंभीर चूक पर जवाबदेही की ठोस व्यवस्था निकालनी चाहिए। डिजिटल दुनिया में आजादी और सुरक्षा के बीच संतुलन तभी कायम होगा, जब तकनीक को ताकत मिले, लेकिन जवाबदेही उससे बड़ी रहे।

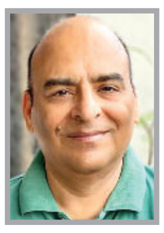

मुद्दा
पंकज चतुर्वेदी

पर्यावरण के विध्वंस पर विकास की मुहर नहीं

> विकास की अंधी दौड़ और पर्यावरण संरक्षण के बीच लंबे समय से चल रहे टकराव के बीच देश के सर्वोच्च न्यायालय का ताजा फैसला एक मील का पत्थर साबित होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार के उस कार्यालय ज्ञापन को निरस्त कर दिया है, जिसके आधार पर बिना पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के शुरू हो चुकी विकास और औद्योगिक परियोजनाओं को बाद में वैध ठहराने का रास्ता बनाया गया था। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि पर्यावरणीय स्वीकृति किसी औपचारिक सरकारी मुहर का नाम नहीं, बल्कि एक अनिवार्य कानूनी और वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसे किसी प्रशासनिक आदेश के सहारे कमजोर नहीं किया जा सकता।

विकास की अंधी दौड़ और पर्यावरण संरक्षण के बीच लंबे समय से चल रहे टकराव के बीच देश के सर्वोच्च न्यायालय का ताजा फैसला एक मील का पत्थर साबित होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार के उस कार्यालय ज्ञापन को निरस्त कर दिया है, जिसके आधार पर बिना पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के शुरू हो चुकी विकास और औद्योगिक परियोजनाओं को बाद में वैध ठहराने का रास्ता बनाया गया था। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि पर्यावरणीय स्वीकृति किसी औपचारिक सरकारी मुहर का नाम नहीं, बल्कि एक अनिवार्य कानूनी और वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसे किसी प्रशासनिक आदेश के सहारे कमजोर नहीं किया जा सकता।

यह निर्णय हमारी न्याय व्यवस्था में पर्यावरण के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता का ही नहीं, बल्कि कानून के शासन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। इस फैसले ने उस खतरनाक प्रवृत्ति पर गहरी चोट की है जिसमें परियोजनाएं पहले नियमों को ताक पर रखकर शुरू कर दी जाती थीं और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के बाद पिछले दरवाजे से कागजी वैधता हासिल कर ली जाती थी। वर्षों से यह देखा जा रहा था कि उद्योग, खनन, सड़क, बिजली और अन्य निर्माण परियोजनाएं बिना समुचित पर्यावरणीय जांच के आरंभ हो जाती थीं। जंगलों की कटाई होती थी, पहाड़ों का सीना चीर दिया जाता था, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में बदलाव कर दिया जाता था और जब विरोध बढ़ता था या मामला अदालत तक पहुंचता था, तब सरकारें कार्यालय ज्ञापनों और प्रशासनिक आदेशों के माध्यम से इन उल्लंघनों को नियमित करने का प्रयास करती थीं। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट संदेश दिया है कि पर्यावरण जैसे गंभीर विषय पर ऐसे शॉर्टकट स्वीकार नहीं किए जा सकते। वर्ष 2006 की पर्यावरण प्रभाव आकलन व्यवस्था का मूल उद्देश्य यही था कि किसी भी बड़ी परियोजना के शुरू होने से पहले यह वैज्ञानिक रूप से जांच हो कि उसका जंगलों, जलस्रोतों, वन्य जीवों, खेती और स्थानीय आबादी पर क्या प्रभाव पड़ेगा। यदि संभावित नुकसान सामने आता है तो उसे कम करने के उपाय पहले से तय किए जाएं। यही कारण है कि इसे पूर्व स्वीकृति कहा गया है। यदि परियोजना शुरू होने के बाद अनुमति दी जाएगी तो पूरी प्रक्रिया केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगी। जिस जंगल की कटाई हो चुकी हो, जिस नदी का प्रवाह बदल चुका हो या जिस पहाड़ी को खोद दिया गया हो, वहां बाद की स्वीकृति प्रकृति को उसके पुराने स्वरूप में वापस नहीं ला सकती। यह निर्णय केवल पर्यावरण की रक्षा का मामला नहीं है, बल्कि सुशासन और जवाबदेही का भी प्रश्न है। जब नियम तोड़ने के बाद भी वैधता मिलने की संभावना बनी रहती है, तब कानून का सम्मान कम होता है और भ्रष्टाचार के अवसर बढ़ते हैं। परियोजनाओं को बाद में नियमित करने की व्यवस्था प्रशासनिक और राजनीतिक दबावों के लिए भी रास्ता खोल देती है। इससे यह संदेश जाता है कि पहले निर्माण कर लो, बाद में कागजी औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएंगी। सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रवृत्ति पर रोक लगाकर यह स्पष्ट कर दिया है कि कानून का पालन पहले होगा और विकास उसके बाद। देश के पर्यावरण पर इस फैसले का दूरगामी और सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भारत पहले ही जलवायु

परिवर्तन के गंभीर प्रभावों का सामना कर रहा है। कहीं भीषण बाढ़ है, कहीं लंबे सूखे की मार है, कहीं भूस्खलन बढ़ रहे हैं तो कहीं नदियां सिकुड़ रही हैं। हिमालयी राज्यों में अनियोजित निर्माण और अंधाधुंध खनन ने अनेक प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता बढ़ा दी है। पश्चिमी घाट, अरावली, मध्य भारत के वन क्षेत्र और तटीय इलाके भी लगातार दबाव झेल रहे हैं। यदि विकास परियोजनाओं का पर्यावरणीय मूल्यांकन ईमानदारी से पहले किया जाएगा तो अनेक संभावित नुकसान समय रहते रोके जा सकेंगे। इससे केवल प्रकृति ही नहीं बचेगी, बल्कि भविष्य में होने वाले आर्थिक नुकसान और मानवीय त्रासदियों को भी कम किया जा सकेगा।

इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पक्ष स्थानीय समुदायों के अधिकारों से भी जुड़ा है। बड़ी परियोजनाओं का सबसे अधिक असर आदिवासी, ग्रामीण और वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों पर पड़ता है। उनकी आजीविका जंगल, जल और जमीन पर निर्भर होती है। यदि पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन पहले होगा और लोगों की आपत्तियों तथा सुझावों को गंभीरता से सुना जाएगा तो विकास अधिक न्यायपूर्ण और सहभागी बन सकेगा। लोकतंत्र का अर्थ केवल परियोजनाओं को मंजूरी देना नहीं, बल्कि उनसे प्रभावित लोगों की आवाज को भी महत्व देना है। बेशक, इस निर्णय से कुछ लोगों को यह आशंका हो सकती है कि विकास परियोजनाओं की गति धीमी पड़ जाएगी। यह चिंता पूरी तरह निराधार भी नहीं है। कई परियोजनाएं वर्षों तक फाइलों में अटकी रहती हैं, जबकि कुछ मामलों में बिना पर्याप्त जांच के मंजूरी भी मिल जाती है। इसलिए आवश्यकता केवल सख्ती की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था की भी है जिसमें वैज्ञानिक जांच पूरी गंभीरता से हो और निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्णय लिया जाए। विकास और पर्यावरण को आमने-सामने खड़ा करना अपने आप में एक बड़ी भूल है। स्वच्छ हवा, सुरक्षित जल, उपजाऊ भूमि और स्वस्थ जंगल किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। यदि विकास के नाम पर इन्हें नष्ट कर दिया जाएगा तो भविष्य में बाढ़ नियंत्रण, जल संकट, स्वास्थ्य सेवाओं और आपदा प्रबंधन पर कहीं अधिक धन खर्च करना पड़ेगा। इसलिए पर्यावरण संरक्षण विकास का विरोध नहीं, बल्कि टिकाऊ और सुरक्षित विकास की पहली शर्त है। यह भी उल्लेखनीय है कि न्यायालय ने अपने निर्णय को भविष्य में लागू करने का रास्ता अपनाया है ताकि पहले से वैध हो चुकी परियोजनाओं पर अचानक संकट न आ जाए। इससे यह स्पष्ट होता है कि अदालत ने पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक स्थिरता, दोनों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया है। साथ ही उसने भविष्य के लिए यह स्पष्ट लक्ष्मण रेखा भी खींच दी है कि अब नियमों की अनदेखी कर बाद में वैधता हासिल करने की उम्मीद नहीं की जा सकती। वास्तव में यह फैसला केवल एक कार्यालय ज्ञापन को रद्द करने का निर्णय नहीं है। यह शासन व्यवस्था, उद्योग जगत और समाज, तीनों के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि विकास का रास्ता कानून और प्रकृति के सम्मान से होकर ही जाता है।

भारत को सड़कें, उद्योग, बिजली और आधुनिक आधारभूत ढांचा अवश्य चाहिए, लेकिन वह विकास तभी सार्थक होगा जब आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ नदियां, सुरक्षित जंगल, संतुलित जलवायु और स्वस्थ जीवन भी बचा रहे। सर्वोच्च न्यायालय ने याद दिलाया है कि प्रकृति के नियमों की अनदेखी करके प्राप्त किया गया विकास अंततः विनाश का ही दूसरा नाम होता है। यदि इस निर्णय की भावना को ईमानदारी से लागू किया गया तो यह भारत में विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हो सकता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

मंथन
ऋतुपर्ण दवे

बड़ा संकेत दे गए तीन राज्यों के चुनाव परिणाम

तीन अगस्त को तीन राज्यों के नतीजे बहुत बड़े संकेत हैं। निश्चित रूप से बिहार का नतीजा जहां सत्ताधारी दल के लिए हैरान और परेशान करने वाला रहा, वहीं मध्यप्रदेश का नतीजा सत्ताधारी दल की अन्दरूनी गुटबाजी का परिणाम रहा। गुजरात में भाजपा की जीत स्वाभाविक कही जा सकती है। सबसे चर्चित जीत रही प्रशान्त किशोर उर्फ पीके की, क्योंकि राज्य की जनता को विकल्प के तौर पर एक नया दल जनसुराज जो मिल गया। पहले बिहार वासियों के पास दो ही विकल्प थे, राजद और भाजपा। राजद से मोहभंग हो गया था और पीके मतदाताओं के बीच अपनी जगह बनाने की कवायद कर रहे थे। हालांकि, बीते विधानसभा चुनाव में उनका एक भी प्रत्याशी नहीं जीता और वो खुद चुनाव में खड़े नहीं हुए। वे बिहार की नब्ज को टटोलते रहे। इसी बीच नितिन नबीन के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनकी बांकीपुर सीट खाली हुई जो पीके के लिए मौके पर चौका लगाने जैसा रहा। बांकीपुर सीट पटना के शहरी इलाके की है, जिसे शुरू से ही भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता रहा। इस नतीजे ने न केवल यह मिथक तोड़ा बल्कि भाजपा में खलबली मचा दी। माना जा रहा है कि पेपर लीक और परीक्षाओं में धांधलियों के चलते युवाओं की नाराजगी और जंतर-मंतर पर चले लंबे आन्दोलन ने भी भाजपा की छवि पर डेन्ट लगाया। इधर, भाजपा अति आत्मविश्वास में थी और यह समझने में नाकाम रही कि हवा हमेशा एक ही दिशा में नहीं बहती। चंदा चोरी और जेन-जी आन्दोलन के बीच भाजपा ने अपने 40 स्टार प्रचारक उतार दिए। लेकिन राजद के चार सांसद तक बांकीपुर नहीं पहुंचे। इतना ही नहीं, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव तो विदेश चले गए, जिन्होंने आखिर में रोड शो किया। तब तक बांकीपुर के मतदाताओं को यह समझना आसान हो गया कि तेजस्वी यादव और राजद अपने उम्मीदवार को लेकर गंभीर नहीं है। संकेत साफ रहा कि मतदाता को कहीं और शिफ्ट होना था। विकल्प के तौर पर पढ़ा-लिखा, राजनीति को समझने-जानने वाले रणनीतिकार के रूप में पीके का नाम था इसलिए ज्याद सोचने-समझने के बजाए बिहार और देश के हालातों को देखते हुए मतदाताओं ने इस छोटे से चुनाव में बड़ा संदेश दे दिया। भाजपा को नुकसान पहुंचाने में भरत तिवारी एनकाउंटर मामला भी माना जा रहा है। इस एनकाउंटर ने न केवल युवाओं बल्कि खुल कर भाजपा के सवर्ण विरोधी होने को जबरदस्त हवा दी। भाजपा के तमाम जिम्मेदारों और रणनीतिकारों ने भाजपा विरोधी माहौल को थामने और बदलने की कोशिश की, पर यह हो न सका। अंततः जीत भाजपा के हाथ से निकल गई और कई दशकों से भाजपा की परंपरागत कहलाने वाली बांकीपुर और नितिन नबीन के कारण अतिप्रतिष्ठित हुई सीट हाथ से निकल गई। अब बिहार की राजनीति को समझने वाले कह रहे हैं कि पीके भाजपा सरकार, विशेषकर सम्राट चौधरी के लिए सदन के अन्दर भी और बाहर भी मुश्किलें बढ़ाएंगे क्योंकि उनका मकसद सिर्फ विधायकी नहीं बल्कि अपनी पार्टी को बिहार में नया मुकाम देना है। यही स्थिति मध्यप्रदेश के दतिया में रही। 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में दतिया से नरोत्तम मिश्रा की हार के बाद भाजपा के अन्दरूनी हलकों में कहीं खुशी, कहीं गम का माहौल था। वहां से चुने गए कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को बैंक धोखाधड़ी मामले में दोषी ठहराए जाने और सजा होने के बाद अप्रैल में अयोग्य घोषित कर दिए जाने से हुए उपचुनाव में घनश्याम सिंह ने कांग्रेस से चुनाव लड़कर सीट को बरकरार रखा। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा बिना चुनाव लड़े मुश्किल नरोत्तम मिश्रा की हुई। उन्होंने चुनाव से काफी पहले ही प्रचार और जनसंपर्क बढ़ा दिया था, लेकिन ऐन वक्त पर उन्हें टिकट नहीं मिली। इस कारण यह सीट बहुत ही बड़ी प्रतिष्ठा का कारण बन गई। नरोत्तम मिश्रा की स्थिति न उगल पाने, न निगल पाने जैसी हो गई। यदि यहां से भाजपा जीतती तो उनका राजनीतिक कद घटता और अब कांग्रेस जीत गई है तो भी उनके राजनीतिक भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। लेकिन नरोत्तम मिश्रा की मुसीबतें तो बढ़ीं। कांग्रेस की जीत के बाद प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की संगठन में स्थिति और मजबूत होगी। मांजलपुर सीट से भाजपा की प्रचण्ड मतों से जीत ने पार्टी के लिए जश्न का मौका जरूर बरकरार रखा। हां, कोई माने या न माने भले ही सार्वजनिक न हो लेकिन अन्दरूनी तौर पर भाजपा भी गुटबाजी से उबर नहीं पा रही है। जेन-जी आन्दोलन, पेपर लीक और भी कुछ मुद्दों पर पार्टी में अलग-अलग विचार समझ आने लगे हैं। इन चुनाव नतीजों के बाद स्थिति-परिस्थिति क्या बनेगी, इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सुख की चाह के लिए तप की साधना जरूरी

संकलित
दर्शन

तप संकल्प की प्राप्ति का एकमात्र उपाय है। जिसे सत्य संकल्प द्वारा सुख की चाह है, उसे तप की साधना अवश्य करनी चाहिए। संकल्प के दृढ़ एवं सत्य न होने का सबसे बड़ा कारण तप की कमी होता है। जो व्यक्ति अपने स्थूल और सूक्ष्म शरीर के द्वारा तप नहीं करता, वह अपने संकल्पों को कभी प्राप्त नहीं कर सकता। तप से हमें अपने मन और तन, दोनों को पक्का बनाना होता है। जैसे मिट्टी का कच्चा घड़ा पानी डालने पर गल जाता है। वह अग्नि में बिना तपे कभी जल नहीं ला सकता। इसी प्रकार जब तक मनुष्य अपने जीवन को तप द्वारा पक्का नहीं बनाता, तब तक वह कभी भी अपने संकल्पों की सिद्धि को धारण नहीं कर सकता। तप से जीवन की समस्त अशुद्धियां दूर होती हैं। अशुद्धियों के दूर होने से शरीर और इंद्रियों को विशेष सिद्धि मिलती। तभी कहा जाता है कि तप से सभी कुछ साध्य है। वेदों में भी तप की महिमा और आवश्यकता का अनेक स्थानों पर वर्णन किया गया है। कल्याण की कामना करने वाले ऋषिगण भी प्रथम तप और दीक्षा का ही अनुष्ठान करते हैं। श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय स्कंध में श्री भगवान ब्रह्मजी से कहते हैं कि 'मैं इस दृश्यमान अखिल प्रपंच को तप द्वारा रचता हूं और पुनः तप द्वारा ही ग्रसित कर लेता हूं। मैं तप द्वारा ही इस विश्व का भरण-पोषण करता हूं और मेरा अत्यंत तेजस्वी पराक्रम तप ही है। तप द्वारा वह तेज और वह शक्ति प्राप्त की जा सकती है, जो किसी भी संकल्प की प्रतिपूर्ति का आधार बनती है।

गुरु का स्थान श्रेष्ठ

संकलित
प्रेरणा

एक राजा को पढ़ने लिखने का बहुत शौक था। एक बार उसने मंत्री-परिषद् के माध्यम से अपने लिए एक शिक्षक की व्यवस्था की। शिक्षक राजा को पढ़ाने के लिए आने लगा। गुरु तो रोज खूब मेहनत करते थे परन्तु राजा को उस शिक्षा का कोई लाभ नहीं हो रहा था। राजा बड़ा परेशान, गुरु की प्रतिभा और योग्यता पर सवाल उठाना भी गलत था क्योंकि वो एक बहुत ही प्रसिद्ध और योग्य गुरु थे। आखिर में एक दिन रानी ने राजा को सलाह दी कि राजन आप इस सवाल का जवाब गुरु जी से ही पूछ कर देखिये। राजा ने एक दिन हिम्मत करके गुरूजी के सामने अपनी जिज्ञासा रखी, हे गुरुवर क्षमा कीजिएगा, मैं कई महिनो से आपसे शिक्षा ग्रहण कर रहा हूं पर मुझे इसका कोई लाभ नहीं हो रहा है। ऐसा क्यों है ? गुरु जी ने बड़े ही शांत स्वर में जवाब दियाः राजन इसका कारण बहुत ही सीधा सा है... गुरूजी ने कहाः राजन बात बहुत छोटी है परन्तु आप अपने बड़े होने के अहंकार के कारण इसे समझ नहीं पा रहे हैं और परेशान और दुखी हैं। माना कि आप एक बहुत बड़े राजा हैं। आप हर दृष्टि से मुझ से पद और प्रतिष्ठा में बड़े हैं परन्तु यहां पर आप का और मेरा रिश्ता एक गुरु और शिष्य का है। गुरु होने के नाते मेरा स्थान आपसे उच्च होना चाहिए, परन्तु आप स्वंय ऊंचे सिंहासन पर बैठते हैं और मुझे अपने से नीचे के आसन पर बैठाते हैं। बस यही एक कारण है जिससे आपको न तो कोई शिक्षा प्राप्त हो रही है और न ही कोई ज्ञान मिल रहा है। आपके राजा होने के कारण मैं आप से यह बात नहीं कह पा रहा था।

अंतर्मन

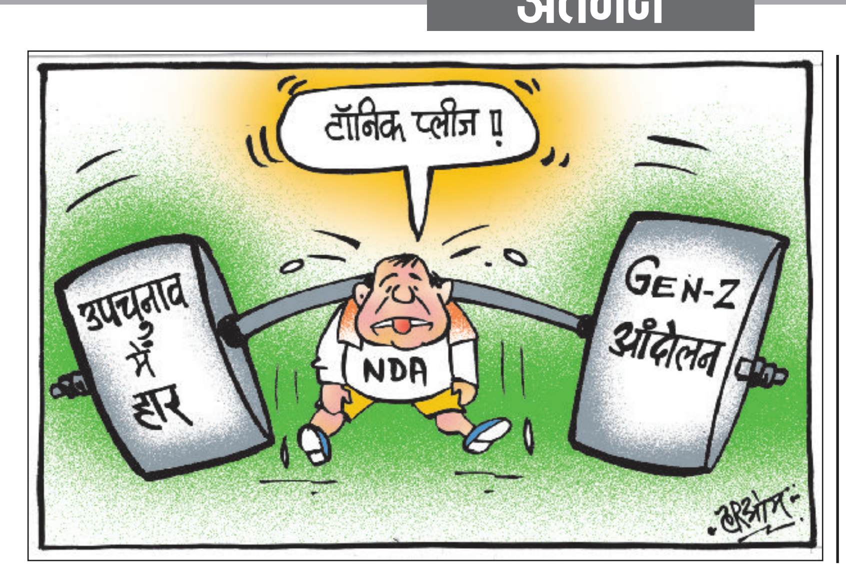

आज की पाती

हर मां को मिले सहयोग हर शिशु को मिले पोषण

शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के क्रम में प्रतिवर्ष 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य सभी माताओं, परिवारों, स्वास्थ्यकर्मियों और नीति-निर्माताओं को स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा प्रत्येक शिशु को जीवन की सर्वोत्तम शुरुआत दिलाना है। इस अभियान को विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ के साथ ही साथ वर्ल्ड अलायंस फोर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन का व्यापक समर्थन प्राप्त है। इस सप्ताह को मनाने की शुरुआत 1992 में 'वर्ल्ड अलायंस फॉर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन' ने विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के साथ मिलकर की थी। हर मां को सहयोग और हर शिशु को पोषण मिलना ही चाहिए।

-सुनील कुमार यादव, जगदलपुर

ट्रेंड

पाटील का निधन दुःखद

महाराष्ट्र के जाने-माने शिक्षाविद्, समाजसेवी व पूर्व राज्यपाल डॉ. डी. वाई. पाटील का निधन दुःखद है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें व उनके परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति दें।

- **अमित शाह,** केंद्रीय गृहमंत्री

'कवच योजना' को मंजूरी

आज कैबिनेट ने 'कवच योजना' को मंजूरी दी है, जिसके तहत लगभग 5,000 किसानों को नई क्रेडिट सुविधाओं तक पहुंच देकर मुख्यधारा से जोड़ने का फैसला किया गया है। इसके अलावा, विकास और जन-कल्याण से जुड़े अन्य फैसले भी लिए गए हैं।

- **डॉ. मोहन यादव,** सीएम, मध्यप्रदेश

जनता का शुक्रिया

हम गुजरात के मंजलपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता का तहे दिल से शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर भरोसा जताया। इस जीत के लिए हम बीजेपी के सभी समर्पित कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई देते हैं।

- **नितिन नवीन,** अध्यक्ष, भाजपा

छात्रों का आंदोलन

झारखंड में छात्रों का आंदोलन अब एक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। मैं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह करता हूँ कि झारखंड के छात्रों के हित में वे तुरंत उनके प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करें। उनकी मांगों के लिए सार्थक कदम उठाएं।

- **रघुवर दास,** पूर्व सीएम, झारखंड

करंट अफेयर

फर्जीवाड़े को लेकर 25 लोगों की अमेरिकी नागरिकता होगी रद्द

अमेरिका में पहचान संबंधी जानकारी में कथित फर्जीवाड़े से लेकर हत्या के प्रयास और बाल यौन शोषण जैसे आरोपों वाले मामलों में भारतीय मूल के एक व्यक्ति सहित 25 लोगों की नागरिकता रद्द की जा रही है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अमेरिकी न्याय मंत्रालय ने 65 वर्षीय नरिंदर सिंह के खिलाफ डेलावेयर जिला न्यायालय में मुकदमा दायर किया है। उन पर अमेरिका में प्रवेश पाने के लिए फर्जी पहचान का सहारा लेने का आरोप है। न्याय मंत्रालय के मुताबिक सिंह ने 1996 में अमेरिका में प्रवेश के लिए गलत पहचान का इस्तेमाल किया और एक मई, 2008 को अमेरिका के नागरिक बन गए। शिकायत में उनके कई गलत बयानों और गैर-कानूनी कामों का जिक्र करते हुए सात आरोप लगाए गए हैं। जिन 25 लोगों के खिलाफ नागरिकता रद्द करने की कार्यवाही शुरू की गई है उनमें पाकिस्तानी मूल के दो लोग- जिया मुराद भट्टी और मोहम्मद वासिफ भी शामिल हैं। उन पर पहचान से जुड़ी गलत जानकारी देने के आरोप हैं। कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश ने सोमवार को एक बयान में कहा, 'अमेरिका की नागरिकता हमारे देश के सर्वोच्च विशेषाधिकारों में से एक है और इसे वैध तरीके एवं ईमानदारी से ही हासिल किया जाना चाहिए।'

ऑफ बीट

तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करती है विटामिन बी6

ऑस्ट्रेलिया के औषधि नियामक ने दावा किया है कि विटामिन बी6 की अत्यधिक मात्रा तंत्रिकाओं को क्षति पहुंचाने सहित ऐसे कई घातक दुष्प्रभाव उत्पन्न कर सकती है जो हमारी सोच से कहीं अधिक होंगे। ऑस्ट्रेलिया की दवा नियामक संस्था 'थेरेप्यूटिक गुड्स एडमिनिस्ट्रेशन' (टीजीए) ने यह दावा किया है। इस सप्ताह के शुरु में एबीसी की एक रिपोर्ट में बताया गया कि टीजीए के एक प्रवक्ता के मुताबिक, विटामिन बी6 के दुष्प्रभावों की गंभीरता का अब तक शायद कमतर ही आकलन किया गया था। बहरहाल, सुरक्षा संबंधी चिंताओं के मद्देनजर, विटामिन बी6 की उच्च मात्रा वाले सप्लीमेंट की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है। देशभर में लोगों के रक्त के नमूनों में विटामिन बी6 की जांच करने वाले एक पैथोलॉजिस्ट ने बताया कि मई में की गई जांच में लगभग 4.5 प्रतिशत नमूनों में ऐसे संकेत मिले जो तंत्रिकाओं को नुकसान की संभावना की ओर इशारा करते हैं। विटामिन बी6 को पायरीडॉक्सीन भी कहा जाता है। यह शरीर में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा के चयापचय में अहम भूमिका निभाता है। यह मस्तिष्क में न्यूरोट्रांस्मीटर के उत्पादन, प्रतिरक्षा प्रणाली के समर्थन और हीमोग्लोबिन उत्पादन में भी सहायक होता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

तमिलनाडु में बड़ा सियासी बवाल

उदयनिधि गिरफ्तार, घर से उठाकर ले गई पुलिस

तमिलनाडु में बड़ा सियासी बवाल छिड़ गया है। एक्ट्रेस तृषा कृष्णन पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में चेन्नई पुलिस ने पूर्व डिप्टी सीएम और वर्तमान नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन को गिरफ्तार कर लिया। तमिलनाडु पुलिस उन्हें घर से उठाकर ले गई। हाईकोर्ट के दखल से 4 घंटे बाद उनकी रिहाई हो सकी।

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

तंजावुर में कावेरी नदी के पानी को लेकर चल रहे डीएमके के एक विरोध-प्रदर्शन के दौरान स्टालिन ने प्रदेश के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की 'करीबी दोस्त' तृणा पर डबल मीनिंग टिप्पणी की थी। इस बयानबाजी के बाद सीएम विजय की पार्टी टीवीके द्वारा पुलिस और राष्ट्रीय महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद उदयनिधि को मंगलवार को उनके घर से गिरफ्तार किया गया। उदय की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे डीएमके कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया गया। उदयनिधि के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का विरोध करने के लिए बड़ी संख्या में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) कार्यकर्ताओं के उनके नीलांकरई स्थित आवास के बाहर जुटने से सुबह अफरातफरी की स्थिति बन गई। उदयनिधि की गिरफ्तारी के विरोध में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनकी गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करते हुए पूरे राज्य में जबरदस्त प्रदर्शन शुरू कर दिया और 'सड़कों को जाम' कर दिया।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद रिहा किया गया नेता प्रतिपक्ष को

एक्ट्रेस तृषा पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले ने पकड़ा तूल

4 घंटे बाद हुई रिहाई

गिरफ्तारी के बाद द्रमुक ने मद्रास उच्च न्यायालय का रुख किया और अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने रिमांड पर न लेने और पूछताछ के बाद रिहा करने का निर्देश दिया। इसके बाद उदयनिधि की गिरफ्तारी के तकरीबन 4 घंटे बाद रिहाई हुई।

यह है विवाद

कावेरी विवाद को लेकर तंजावुर में आयोजित एक विरोध सभा को संबोधित करते हुए उदयनिधि ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधा था। उन्होंने आरोप लगाया था कि तमिलनाडु को कावेरी का एक बूंद पानी भी नहीं मिला, जबकि मुख्यमंत्री इस मामले को लेकर बेपरवाह बने रहे। यह रैली तब विवादों में घिर गई जब भीड़ में से किसी ने 'त्रिशा, त्रिशा' चिल्लाना शुरू कर दिया। उदयनिधि ने अपना भाषण रोककर ऐसी टिप्पणी की जिसे कई लोगों ने अपमानजनक और दोहरे अर्थ वाली बात मानी, जिससे राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा ने इस भद्दी टिप्पणी के लिए उदय निधि स्टालिन की गिरफ्तारी की मांग की। सत्तारूढ़ टीवीके के नेता भी उदय निधि की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

डीएमके ने आरोपों का किया खंडन

उदयनिधि स्टालिन की कथित टिप्पणियों पर बढ़ते विरोध के बीच डीएमके नेता टीआर बालू ने कथित तौर पर आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि विपक्ष के नेता ने किसी व्यक्ति विशेष का जिक्र नहीं किया था। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, बालू ने कहा, 'उन्होंने उस महिला के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा है। यह सब झूठ है।' हिरासत में लिए जाने की आलोचना करते हुए डीएमके के राज्यसभा सांसद पी विल्सन ने आरोप लगाया कि इस विवाद का इस्तेमाल कावेरी जल विवाद और कर्नाटक द्वारा कथित तौर पर पानी छोड़ने में विफल रहने को लेकर राज्य की चिंताओं से ध्यान हटाने के लिए किया जा रहा है।

भाजपा ने टिप्पणी को बताया शर्मनाक

तमिलनाडु भाजपा ने भी उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणी की आलोचना करते हुए इसे घृणित, अश्लील, अभद्र और शर्मनाक बताया। राज्य भाजपा के प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की चुप्पी पर भी सवाल उठाया और उदयनिधि की गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने कहा कि इस मामले में कानूनी कार्रवाई मुख्यमंत्री विजय की विश्वसनीयता को मजबूत करेगी।

सात साल में 274 भगोड़ों को लाया गया भारत, 36 देशों से प्रत्यर्पण

केंद्र सरकार ने दी जानकारी 17,874 करोड़ रुपए की संपत्ति भी अटैच

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को बताया कि पिछले 7 वर्षों में 36 देशों से 274 भगोड़ों को भारत वापस लाया गया है। यह आंकड़ा साल 2004 से 2013 के बीच की तुलना में 10 गुना ज्यादा है। उस दौरान हर साल औसतन केवल चार भगोड़े ही वापस लाए जा सके थे। सरकार ने दावा किया कि पिछली सरकारों में इच्छाशक्ति की कमी थी, जबकि मोदी सरकार ने इसे राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया है। सरकारी बयान के अनुसार, इस अवधि के दौरान प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत भगोड़ों की 17,874 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। सरकार ने एक एकीकृत, खुफिया और तकनीक पर आधारित मॉडल विकसित किया है, जिससे भगोड़ों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और उनकी वापसी आसान हुई है।

किन मामलों में कितने भगोड़े वापस आए?

साल 2019 से 2026 (जुलाई तक) के बीच वापस लाए गए भगोड़ों में 9 वित्तीय अपराध, 17 आतंकी मामले, 42 संगठित अपराध, 62 हत्या-लूट और हिंसक अपराध, 53 यौन अपराध (बच्चों के खिलाफ अपराध सहित), 16 नशा तस्करी, 12 तस्करी-जाली मुद्रा, 18 मानव तस्करी और 45 अन्य अपराधों में वांछित थे।

रेड कॉर्नर नोटिस में भारी बढ़ोतरी

इंटरपोल द्वारा जारी रेड नोटिस की संख्या में भी तेजी आई है। 2022 में 40, 2023 में 100, 2024 में 107, 2025 में 112 और 2026 में अब तक 182 रेड कॉर्नर नोटिस जारी किए गए हैं। पिछले तीन वर्षों में कुल 401 भगोड़ों के खिलाफ रेड नोटिस जारी हुए हैं।

महाराष्ट्र : स्कूलों में पढ़ाया जाएगा नशामुक्ति का पाठ

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को स्कूल पाठ्यक्रम में नशामुक्ति से जुड़े पाठ शामिल करने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार स्कूलों में एंटी-ड्रग गाइडेंस और काउंसिलिंग कमेटियां बनाएगी और 'ड्रग-फ्री स्कूल' अभियान भी चलाएगी। मुख्यमंत्री ने छात्रों को साइबर फ्रॉड और नशे की लत से बचाने के लिए स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने को कहा।

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर जिला बलरामपुर (छ.ग.)

पत्र क्रमांक 3165 व.ले.लि./का.अ./ लो.स्वा.यां.ख./2026 बलरामपुर, दिनांक 03/08/2026

निविदा निरस्तीकरण सूचना

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर अंतर्गत निम्न निविदायें अपरिहार्य कारणों से निरस्त किये जाते है।

स.क्र.	सिस्टम क्रमांक	निविदा सूचना क्र. / दिनांक	जी क्रमांक
1	184941	14/03-02-2026	252606528

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड-बलरामपुर (छ.ग.)

जी-262702532/4

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड
मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग.) E-mail - eemohla-phe@cg.gov.in

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय द्वारा आंमत्रित निविदा, निविदा सूचना क्रमांक / सिस्टम क्रमांक 40/195219, 41/195224, 42/195226, 44/195228, 45/195229, 46/195230, 47/195231, 48/195232, 49/195235, 50/195236, 51/195237, 52/195238, 53/195239, एवं 54/195240 दिनांक 10.07.2026 (जी कंमाक 262702074) में किसी निविदाकार द्वारा भाग नही लिये जाने के कारण शुन्य निविदा होने से निरस्त किया जाता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड,
मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग.)

जी-262702547/2

माफ करने वाले मोदी कौन होते हैं : राहुल

नई दिल्ली। वाइको इन पार्लियामेंट किताब के लॉन्च के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ' हमारे प्रधानमंत्री कहते हैं कि मैं उन्हें माफ करता हूं। मुझे नहीं पता कि वे उन्हें माफ करने वाले कौन होते हैं।' राहुल ने कहा कि हम अपने देश में एक अजीब समय से गुजर रहे हैं। छात्र सड़कों पर हैं, बहुत दर्द में हैं। वे परीक्षाओं में निष्पक्षता और ऐसी शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं, जो काम करे। दूसरी तरफ हमारे प्रधानमंत्री हैं, जो उन्हें माफ कर रहे हैं। गांधी ने कहा, 'उन्हें यह विचार कहां से आया कि उन्हें भारत के भविष्य को माफ करने का हक है, मुझे नहीं पता, लेकिन वे यही करना चाहते हैं।' उन्होंने आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की सोच, उनके साथियों और खासकर आरएसएस की सोच के पीछे एक बहुत खतरनाक विचार है।

पीएम मोदी का वीडियो सरकार ने मेटा ग्लोबल टीम को दिया समन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फेसबुक वीडियो हटाए जाने के मामले पर केंद्र सरकार ने मेटा के अधिकारियों को तलब किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस कृष्णन ने मंगलवार को बताया कि सरकार ने मेटा की ग्लोबल टीम को 5-6 अगस्त को भारत बुलाया है। उन्होंने कहा कि मेटा जैसी बड़ी टेक कंपनियों को यह पक्का करना चाहिए कि उनके सिस्टम उम्मीद के मुताबिक काम करें। इससे पहले सोमवार को यह मामले पर संसद की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति की बैठक में भी उठाया गया। समिति ने मेटा के अधिकारियों से इस मामले में जवाब मांगा और वीडियो हटाने की वजह पर कड़े सवाल किए। मेटा ने बैठक में स्वीकार किया कि प्रधानमंत्री का वीडियो गलती से हट गया था और इसके लिए माफी भी मांगी। हालांकि, समिति के कई सदस्यों ने कहा कि केवल माफी से बात खत्म नहीं होगी और इस मामले में जवाबदेही तय होनी चाहिए।

संसद में यह था मेटा का जवाब

सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थायी समिति की बैठक भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की अध्यक्षता में हुई। बैठक का मुख्य विषय सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के नियमन पर चर्चा था। इसमें गूगल, मेटा, यूट्यूब, एक्स, स्नैपचैट, गृह मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फेसबुक वीडियो हटाए जाने का मुद्दा प्रमुखता से उठा। मेटा ने कहा कि वीडियो तकनीकी त्रुटि के कारण हटा था और बाद में उसे बहाल कर दिया गया।

जुकरबर्ग खुद मांगे माफी : दुबे

सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री का वीडियो हटाने जैसी घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेटा के प्रमुख मार्क जुकरबर्ग को स्वयं इस मामले में माफी मांगनी चाहिए।

कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रायपुर (छत्तीसगढ)

क्रमांक 2815/दो-11-12/2015 रायपुर, दिनांक 23/07/2026

सीधी भर्ती हेतु विज्ञापन

आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि-25.07.2026 प्रात 11:00 बजे से
आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि -17.08.2026 तक के संध्या 5.00 बजे तक

कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रायपुर के सामान्य स्थापना में निम्नानुसार हिन्दी स्टेनोग्राफर ग्रेड-3 के 03 पदों एवं सहायक ग्रेड-तीन कर्मचारी के 78 रिक्त पदों की सीधी भर्ती से पूर्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय-प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रायपुर के वेबसाईट https://raipur.dcourts.gov.in का अवलोकन किया जा सकता है ।

अध्यक्ष
परीक्षा सेल, भर्ती एवं नियुक्ति प्रकोष्ठ
कार्यालय-प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश,
रायपुर (छ.ग.)

जी-262702550/1

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, WATER RESOURCES DEPARTMENT OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
HASDEO BARRAGE W/M DIVISION, RAMPUR/KORBA (C.G.)

e-PROCUREMENT TENDER NOTICE
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(FIRST CALL)

NIT No.: 02/SAC/2026-27 Dated: 03-08-2026

Online Tenders are invited for the following works up to 24-08-2026 at 17.30 Hour

System Tender No NIT. No/Date	Name Of Work	Amount
System No-196590	Resetting of pitching work in the upstream and downstream, along with leak-proof epoxy treatment in Belgiri Nalla Syphon and Dhengur Nalla Syphon at the Power Canal and Bypass Canal of the Hasdeo Left Bank Canal in Korba district.	Rs. 315.77 Lakhs (Excluding GST) Tender Invited As Per SOR of 1-08-2010 and Amendment date 23-04-2026

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh Integrated e-Procurement Portal (https://eproc.cgstate.gov.in)_from Date 10-08-2026, at 17.31 Hours. (IST) onwards.

NOTE: All eligible/intrested contractors/bidders are mandated to get enrolled on the Integrated e-procurement portal (https://eproc.cgstate.gov.in) and get approval on specific vendor class from PWD under Centralized Contractor/Supplier Registration in order to download the tender documents and participate in the subsequent bidding process. Other terms and condition of this tender visit WRD website https://eproc.cgstate.gov.in under Live Tender available.

Other terms and condition of this tender visit WRD website https://eproc.cgstate.gov.in under Live Tender available

Executive Engineer
Hasdeo Barrage W/M Division,
Rampur/Korba (C.G)

जी-262702526/2

प्रवेश सूचना (विज्ञापन) हेतु प्रस्ताव
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, कृषक नगर, रायपुर (छत्तीसगढ़)

पी.ए.टी. परीक्षा-2026 के आधार पर बी.एस-सी. आनर्स (कृषि) (नई शिक्षा नीति 2020 के तहत) प्रवेश हेतु सूचना

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अन्तर्गत संचालित पी.ए.टी. प्रवेश परीक्षा-2026 : बी.एस-सी. आनर्स (कृषि) पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीयन हेतु दिशा-निर्देश एवं अन्य समस्त जानकारी हेतु नियमित वेबसाईट www.igkv.ac.in पर दिनांक 05 अगस्त 2026 से उपलब्ध होगी। इच्छुक अभ्यर्थी 05 अगस्त 2026 से 14 अगस्त, 2026 (रात्रि 12.00 बजे) के मध्य www.igkv.ac.in पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। इस अवधि में पंजीयन कराने वाले अभ्यर्थियों को निर्धारित दिशा-निर्देशो के तहत उपरोक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जायेगा।

नोट: शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश हेतु समस्त जानकारी के लिए वेबसाईट www.igkv.ac.in का नियमित अवलोकन करें।

REGISTRAR
I.G. Krishi Vishwavidyala
Raipur (C.G.)

S.- 48641

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़
स्वास्थ्य भवन, तृतीय तल, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर, छत्तीसगढ़ पिन कोड- 492002. दूरभाष-0771-2511280, ई-मेल: office.mdnrhm@gmail.com

"अभिरूचि की अभिव्यक्ति"

हॉटल में कक्ष, बैठक, भोजन संबंधी सेवा प्रदाता हेतु। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ओर से वित्तीय वर्ष 2026-27 में हॉटल में कक्ष, बैठक हॉल, भोजन व स्वल्पाहार संबंधी सेवा प्रदाताओं को सूचीबद्ध किये जाने हेतु फर्म के संचालकों से दर आमंत्रित करते है :-

1. विभिन्न श्रेणी के हॉटल में कक्ष आरक्षण/बैठक/भोजन/स्वल्पाहार की आपूर्ति हेतु रायपुर स्थित स्थानीय सेवा प्रदाताओं/ हॉटल।
2. बैठकों व प्रशिक्षण में आउटडोर कैटरिंग के माध्यम से भोजन/स्वल्पाहार की आपूर्ति हेतु रायपुर स्थित स्थानीय सेवा प्रदाताओं/हॉटल।
3. बैठकों व प्रशिक्षण में फूड पैकेट/थाली द्वारा भोजन/स्वल्पाहार की आपूर्ति हेतु रायपुर स्थित स्थानीय सेवा प्रदाताओं/हॉटल।

उल्लेखित कार्यो से संबंधित फर्म/ हॉटल/कैटरिंग/सेवा प्रदाता संबंधी फर्म के संचालक द्वारा प्रस्ताव प्रेषित किये जाने हेतु कार्य से संबंधित निर्धारित फार्म प्रारूप, कार्यालय से दिनांक 08.08.2026 प्राप्त कर सकते है अथवा वेबसाइट www.cghealth.nic.in पर लॉग ऑन कर डाउनलोड करें। निर्धारित प्रारूप में भरे गये आवेदन, विस्तृत जानकारी सहित दिनांक 29.08.2026 तक कार्यालय राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, तृतीय तल, स्वास्थ्य भवन, नार्थ ब्लाक, सेक्टर-19, नवा रायपुर मे अथवा ई-मेल के माध्यम से office.mdnrhm@gmail.com में दिनांक 28-08-2026 तक कार्यालय में सभी कार्य दिवसों व समय में सीधे/पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम जमा किए जा सकते हैं।

प्राप्त प्रस्ताव अनुरूप हॉटल की श्रेणी, गुणवत्ता व निरीक्षण/निर्धारण अनुसार हॉटल एवं दर सूचीबद्ध किया जावेगा तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष एवं वित्तीय वर्ष 2027-28 (स्वीकृति से एक वर्ष हेतु) में कार्यालय राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय सेवा व सामग्री की आपूर्ति हेतु उपलब्धता, गुणवत्ता, श्रेणी व पूर्व अनुभव के आधार पर कार्यादेश दिये जाने हेतु स्वतंत्र होगा, किसी भी फर्म के एकाधिकार व अन्य को कार्यादेश दिये जाने संबंधी आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी तथा कार्यादेश सक्षम अधिकारी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को बिना कोई कारण बताएं किसी एक / सभी प्रस्तावकर्ता से प्राप्त प्रस्ताव निरस्त व सूचीबद्ध सेवा प्रदाता के प्रस्ताव को रद्द करने का अधिकार हैं।

उप संचालक
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
छत्तीसगढ़, रायपुर

संवाद-48647

छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग धमतरी वनमंडल धमतरी

काष्ठागार धमतरी का ई-ऑक्सन का संक्षिप्त विज्ञापन

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि धमतरी वनमंडल धमतरी के अन्तर्गत धमतरी काष्ठागार में संग्रहित ईमारती काष्ठ, जलाऊ एवं बल्ली का ई-ऑक्सन द्वारा निर्वर्तन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है, कि वे ई-ऑक्सन में भाग लेवें। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय/वन काष्ठागार धमतरी से प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम दिनांक - 13 अगस्त 2026
नीलाम समय - प्रांत: 9.00 बजे से

प्रजाति	नया वनोपज		अविक्रित वनोपज		योग वनोपज	
	लट्ठा घ.मी.	बल्ली/ खूंटा नग में	लट्ठा घ.मी.	बल्ली/ खूंटा नग में	लट्ठा घ.मी.	बल्ली/ खूंटा नग में
सागौन	-	-	100.898	7683	100.898	7683
साल	-	-	137.807	-	137.807	-
बीजा	-	-	82.864	-	82.864	-
शीशम	-	-	1.619	-	1.619	-
तिन्सा	-	-	2.802	-	2.802	-
खम्हार	-	-	0.530	-	0.530	-
हल्दू/ मुण्डी	-	-	18.118	-	18.118	-
साजा	-	-	42.402	15	42.402	15
धावड़ा	-	-	12.724	-	12.724	-
पापड़ा	-	-	2.441	-	2.441	-
नीलगिरी	-	-	7.787	-	7.787	-
अन्य	-	-	346.932	280	346.932	280
योग	-	-	756.924	7978	756.924	7978

जलाऊ

प्रजाति	काष्ठागार धमतरी	
	पुराना	योग
अन्य	20 चट्टा	20
योग	20 चट्टा	20

टीप:- (1) क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई- कार्मस पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य हैं। (2) क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है। (3) लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई- कार्मस पोर्टल में अपने आईडी से लॉगइन करके देख सकते है। (4) ई-ऑक्सन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेंकड का समय प्राप्त होगा उसी लॉट मे अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकंड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा।

फोन 07722-238371
फैक्स - 07722-236137

वनमंडलाधिकारी
धमतरी वनमंडल धमतरी

जी. 262702559/1

कला जगत

बुधराम यादव

यादवों के लोक रंजन का सशक्त माध्यम बांसगीत

छत्तीसगढ़ में यादवों को पशुपालन एवं चरवाहा संस्कृति विरासत में मिली है। यादवों के शौर्य श्रृंगार और प्रेम गाथाओं से युक्त पारम्परिक अवधारणाओं से बांस गीत लोक रंजन का सशक्त माध्यम है। इसके अंतर्गत गाए जाने वाले छहुरा गाथा, मुकुंदा ठेठवार, लोरिक चंदा, लीली बछेरी, फूलबासन कैना जैसे अन्य लोकगीत गाथाएं बांसगीतों की विशिष्टता को प्रमाणित करते हैं।

बांस गीतों में मानवीय सम्बन्धों का लगाव - विलगाव, श्रृंगार - वियोग, प्रेम और विरोध के सन्दर्भ को वर्णनात्मक शैली में रोचक ढंग से प्रस्तुत किया जाता है-

येहु जनम मोर जनम जनव,
दुनो जनम हे अहीर हो।
गोबर, गोधन मोरे अंग म लोटय अउ
गोरस भींजय शरीर हो।
जनम के करिया मै,
करम के हिंहा मै ओ
सेवा बजावत तोर मै
जिनगी पहावत हो ओ।

बांस वाद्य सामान्य बांस से बनाया गया 4 से 5 फिट लम्बा भीतर से पोला टुकड़ा होता है। इसके मध्य से अग्र भाग में 4 छेद होते हैं। जिस पर अंगुलियां नचाकर जिव्हा के सहयोग से वादक अनेक तरह से धुन निकालते हैं। अधिकांश बांस आकार में टेढ़े मेढ़े होते हैं, इसके पीछे स्वर संयोजन और धुन का संतुलन बनाए रखने की मंशा होती है।

लोक साहित्य

छगन लाल सोनी

सुवारथ ले ऊपर उठके साहित्य सेवा म ही सबके भलई हे

राज के भाषा पतरिका मन सालो साल ले चलत आवत हे। फेर हमन तो अपने ले नई ऊबरत हन। करे के पहिली देखथन एमा हमला का मिलत हे, मिले के होही त करबो। पाए के पाछू फेर येला सेवा के नाव देथन। जिंहा सुवारथ हे उन्हा सेवा कईसे होही। देश बर मरैया कहू मिले के, खाय के सोचतिन त हमन का आजादी पातेन। इही सेवा के भाव आ जाय त भाषा के विकास ल कोन रोक सकत हे। जतका मेहनत अउ दिमाग़ हम अपन आप ल देखाय म, पाय म लगाथन कहू ओतका दिमाग़ साहित्य सिरजन म लगातेन त अउ ज्यादा हमला उचहा परिणाम देखे बर मिलतिस। नानकन पढ़इया लइका ल जतका जोजियाय ल परथे वईसने इंहा के सियान मन ल जोजियाय ल परथे। तभो ले पढ़े नहीं। उल्टा एके ठन राग ल घेरी बेरी अलापना छत्तीसगढ़ी ल आठवीं अनुसूची म शामिल करे जाय। हीरा ल हम पाबो, फेर वोला पहचाने के परख तो हमर बुद्धि ल होना चाही। छत्तीसगढ़ राज के रहइया जम्मो झन चाहत हे कि इंहा विकास के गंगा बोहाय। येखर बर तो हमला खुद भगीरथी बने ल परही। एमा भिड़ना तो हमी मन ल हे। येकर ले दूसर विकास के संगे संग भाषा के विकास तको होही ये तो जाने के बात आय।

संस्कृति

आशा ध्रुव

अंचल में मांगलिक कार्यों में हाथा देने का चलन

छत्तीसगढ़ में खासकर गृह प्रवेश के समय हाथा देने का चलन है। वैसे तो गांव में देवारी के दिन भी हाथा देने का चलन है। अन्य शुभ अवसरों पर हाथा दिया जाता है। हाथा देने की प्रक्रिया में चावल आटे को पानी में घोला जाता है फिर उसमें दोनों हाथ डूबा कर निकाला जाता है और इस हाथ को पुरोहित द्वारा बताए स्थान या दीवार पर अंकित किया जाता है। गृह प्रवेश पूजा के समय हाथा देने को महत्वपूर्ण माना जाता है। घर परिवार की महिलाओं द्वारा ही हाथा दी जाती है। यह हाथा घर के कई दीवारों पर दी जाती है। इस परंपरा की शुरुआत के पीछे अनेक तर्क दिए जाते हैं। इस परंपरा का चलन वैदिक काल से माना जाता है। हाथा देने वाले स्थान पर हल्दी और चंदन के साथ अन्य वस्तुएं भी उपयोग में लाई जाती हैं। अंचल विशेष के अनुसार इस प्रक्रिया में कुछ अंतर भी दिखाई देता है। निष्कर्षतः हाथा देने को मंगल का प्रतीक माना जाता है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें– **Choupalharibhoomi@gmail.com**

दण्डकारण्य के प्रभावी राजा थे शबरी

ऐतिहासिक

डा. मन्नूलाल यदु

राजा शबर दण्डकारण्य के प्रभावी राजा थे। राजा शबर की बेटी का नाम शबरी था। शबरी बचपन से विदुषी कन्या थी। भगवान श्रीराम के प्रति निष्ठापूर्वक श्रद्धा और विश्वास करती थी। राजा शबर अपनी बेटी का विवाह करना चाहते थे, किन्तु यह शबरी को मंजूर नहीं था। वह घर से निकल कर जंगल की ओर चली गई। शबरी एक दिन पम्पा नामक सरोवर के तट पर रमणीय मतंग ऋषि के आश्रम मतंग वन पहुंची। यह आश्रम गुरुकुल के रूप में काफी विख्यात था, जहां देश विदेश के विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करते थे। शबरी ने मुनि के चरणों में दंडवत प्रणाम किया और उनसे शरण मांगी। ऋषि नेअनुरोध स्वीकार करते हुए अपने आश्रम में शरण दे दी। शबरी ज्ञान और भक्ति से परिपूर्ण थी। भगवान श्रीराम के वनवास काल में चित्रकूट निवास के समय मतंग ऋषि अपना शरीर त्याग कर परलोक सिधार गए। अंतिम समय में उन्होंने गुरुकुल की जिम्मेदारी सौपते हुए शबरी को ज्ञान दिया कि तुम एक विदुषी आचार्या हो, इस गुरुकुल आश्रम में श्रीराम और लक्ष्मण की प्रतीक्षा कर आने पर उनका स्वागत करना, उनके दर्शन से अपने जीवन को सफल बनाना। ऐसा कह कर मतंग ऋषि ने शबरी के ह्रदय में राम भक्ति की अविरल धारा प्रवाहित कर दी। कठिन तपस्या के बाद वृद्धावस्था में भगवान राम को सामने पाकर शबरी आत्मविभोर हो गई। अपनी बूढ़ी आंखों से उसे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि साक्षात प्रभु श्रीराम सामने हैं।

पर्यटन : घनश्याम सिंह नाग

बरसात के दिनों में दिलों को लुभाता कोड़ा खड़का जलप्रपात

बस्तर अंचल के केसकाल क्षेत्र में अनेक झरने और जलप्रपात हैं। यह स्थल दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में होने के कारण आम लोगों का जाना संभव नहीं हो पाता। यहां तक पहुंचने के लिए दो पहिया और चार पहिया वाहन का उपयोग भी नहीं किया जा सकता। इसी कारण बाहर के लोगों के लिए अज्ञात हैं। इन्हीं जल प्रपातों में कोड़ा खड़का जलप्रपात भी है जिसे स्थानीय भाषा में घूमर भी कहा जाता है। यह जलप्रपात प्राकृतिक सौंदर्य के बीच मनोहारी लगता है। यह कई छोटे छोटे नालों से मिलकर विकराल रूप धारण कर लेता है। केशकाल से इसकी दूरी 24 कि मी है। इस जलप्रपात तक पहुंचने की कोई उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण स्थानीय को छोड़ कर बाहरी पर्यटक नहीं पहुंच पाते। पास पास में और कई घूमर भी देखने लायक है। इस जलप्रपात के पास ही लयाह मत्ता नामक पहाड़ी पर आदि मानव निर्मित शैलचित्र भी देखे जा सकते हैं।

पौराणिक

बाबू मावली प्रसाद

छत्तीसगढ़ में पांडवों ने किया राज

इतिहास के अनुसार पांच पाण्डवों में से अर्जुन का पुत्र बभ्रूवाहन चित्रांगदपुर में राज्य करता था। सिरपुर का दूसरा नाम चित्रांगदपुर था। राजिम और सिरपुर में मिले लेखों से विदित होता है कि यह चौथी शताब्दी में राज्य करते थे। इस वंश के पहले राजा का नाम इंद्रबाल था। सिरपुर के गन्धेश्वर मंदिर की परिक्रमा की दीवार में इस वंश का वृक्ष एक लेख में दिया गया है जो इस प्रकार है - इंद्रबल 319ईसवी, नंददेव 350 ईस्वी, तिवारदेव 375 ईसवी, हर्षगुप्त 400 ईसवी, शिवगुप्त 425 ईसवी, भावगुप्त 450 ईसवी। चद्रगुप्त के पौत्र शिवगुप्त का नाम महाशिवगुप्त और नागार्जुन भी था। उसकी माता मगधदेश की राजा की लड़की थी। विधवा होने पर उसने सिरपुर में ईंटो से एक विशाल लक्ष्मण मंदिर बनवाया, जो आज तक दर्शनीय है।

सुरता: चंपेश्वर गोस्वामी

बरसाती भईया नाव ले पहचान बनईन केसरी बाजपेई जी

आकाशवाणी रायपुर के जाने माने उद्घोषक रिहिन केसरी प्रसाद बाजपेई जी। आप मन बरसाती भईया के नाव ले अपन अलग पहचान बनाइन। आपके जनम राजनांदगांव म होय रिहिस। आप आलेख लेखन करत 1950 म आकाशवाणी नागपुर ले सेवा के शुरुआत करेव। आकाशवाणी नागपुर में छत्तीसगढ़ी के कार्यक्रम ल लोकप्रिय बनाय अउ इहा के कलाकार मन ल आगू लाय म आपके बड़ योगदान रिहिस। गुड़ी के गोठ, फुलहेरा अउ लहरिया कार्यक्रम के माध्यम ले दमदार प्रस्तुति ले सांस्कृतिक चेतना जगाय म योगदान दिन।

नवा मध्यप्रदेश बने के बाद 1959 में बाजपेई जी आकाशवाणी भोपाल आगे। बाद में 1964 में आकाशवाणी रायपुर में छत्तीसगढ़ी प्रसारण के मुख्य दाइत्व के काम संभालीन। आकाशवाणी रायपुर ले छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम के माध्यम ले बरसाती भईया के नाव ले गांव गांव के किसान, ग्रामीण लोगन मन के बीच लोकप्रिय होइन। अपन छत्तीस बछर के सेवा काल म छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रचार संग सांस्कृतिक योगदान म आपके महत्वपूर्ण भूमिका रिहिस। सामाजिक दाईत्व के निर्वहन करे म घलो आपके उल्लेखनीय कारज रिहिस। कतको आयोजन आप कला अउ संस्कृति खातिर करात रेहेव। आप सुघर कलाकार घलो रेहेव। मुंशी प्रेमचंद के कहानी सदगति ऊपर सत्यजीत रे के निर्देशन में टेली फिल्म मे काम करेव। एकरे संग वीडियो फिल्म पुन्नी के चंदा, मां बम्लेश्वरी, पिंजरा के मैना में अभिनय करिन। बाजपेई जी रेडियो के माध्यम ले छत्तीसगढ़ी के जउन सेवा करिन ग्रामीण मन मा अपन जगा बनाइन ओखर सेती आपके नाव सदा अमर रही।

भारत ने चार उत्पादों पर मौजूदा डंपिंग रोधी शुल्क बढ़ाया, एक पर नया शुल्क लागू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने कुछ रसायनों तथा लौह एवं इस्पात उत्पादों सहित चार वस्तुओं पर जुलाई से लागू किए गए डंपिंग रोधी शुल्क की अवधि बढ़ा दी। वित्त मंत्रालय की अलग-अलग अधिसूचनाओं के अनुसार, सरकार ने एक अन्य उत्पाद पर नया डंपिंग रोधी शुल्क भी लगाया है। सरकार ने ऑस्ट्रेलिया, चीन, कोलंबिया, इंडोनेशिया, जापान और रूस से आयातित 'लो ऐश मेटलर्जिकल कोक' (ऊष्मा स्रोत के रूप में इस्तेमाल होने वाला कोक) पर पांच वर्षों के लिए डंपिंग रोधी शुल्क लगाया है। ये निर्णय वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) की सिफारिशों पर वित्त मंत्रालय ने लिए हैं।

चीन की कुछ कंपनियों द्वारा लगातार डंपिंग की जा रही थी

पेंट, सौंदर्य प्रसाधन और औषधि उद्योग में इस्तेमाल होने वाली सिलिका, रंग एवं प्रिंटिंग इंक में प्रयुक्त एरिलाइड्स तथा लौह एवं गैर-मिश्रधातु इस्पात के कुछ उत्पादों की चीन की कुछ कंपनियों द्वारा लगातार डंपिंग की जा रही थी। वहीं, सौंदर्य प्रसाधन और फ्लेवरिंग उद्योग में इस्तेमाल होने वाला नॉर्मल ब्यूटेनॉल मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका से कम कीमत पर आयात किया जा रहा था।

सस्ते आयात में वृद्धि से घरेलू उद्योग को नुकसान

नॉर्मल ब्यूटेनॉल पर डंपिंग रोधी शुल्क की अवधि पांच वर्षों के लिए बढ़ा दी गई है। सस्ते आयात में वृद्धि से घरेलू उद्योग को नुकसान पहुंचने का पता लगाने के लिए देश डंपिंग रोधी जांच करते हैं। इसके जवाब में वे जिनेवा स्थित विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के बहुपक्षीय ढांचे के तहत डंपिंग रोधी शुल्क लगाते हैं।

प्रतिस्पर्धा का माहौल उपलब्ध कराना

इस शुल्क का उद्देश्य निष्पक्ष व्यापार व्यवस्था सुनिश्चित करना और घरेलू उत्पादकों तथा विदेशी उत्पादकों एवं निर्यातकों के बीच समान प्रतिस्पर्धी माहौल उपलब्ध कराना है। भारत और ये सभी देश डब्ल्यूटीओ के सदस्य हैं। भारत, चीन सहित विभिन्न देशों से होने वाले सस्ते आयात से निपटने के लिए पहले भी कई उत्पादों पर डंपिंग रोधी शुल्क लगा चुका है।

धूत ट्रांसमिशन का आईपीओ 10 अगस्त को खुलेगा

नई दिल्ली। वाहन कलपुर्जा विनिर्माता कंपनी धूत ट्रांसमिशन लिमिटेड ने अपने 3,067 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 829-871 रुपये प्रति शेयर तय किया है। सार्वजनिक सूचना के अनुसार, आईपीओ 10 अगस्त को खुलेगा और 12 अगस्त को बंद होगा। बड़े (एंकर) निवेशक सात अगस्त को बोली लगा पाएंगे। आईपीओ 1,400 करोड़ रुपये के नए शेयर और 1.91 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण है। कंपनी नए शेयर जारी कर जुटाई जाने वाली राशि का उपयोग कुछ बकाया कर्जों के पुनर्भुगतान एवं पूर्व भुगतान करने, अनुषंगी कंपनियों के कर्ज चुकाने और हरियाणा के झज्जर तथा तमिलनाडु के होसुर में वायरिंग हार्नेस विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने में करेगी।

खबर संक्षेप

गोदरेज प्रॉपर्टीज के लाभ में 42 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 42 प्रतिशत घटकर 349.38 करोड़ रुपये रह गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 598.40 करोड़ रुपये था। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय भी घटकर 1,345.04 करोड़ रुपये रह गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 1,620.34 करोड़ रुपये थी।

ग्रीव्स इलेक्ट्रिक ने राइट्स इश्यू से जुटाए 530 करोड़

मुंबई। ग्रीव्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड (जीईएमएल) ने अपनी अगले चरण की वृद्धि के लिए राइट्स इश्यू के जरिये 530 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि यह निवेश जीईएमएल के इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों के पोर्टफोलियो को मजबूत करेगा, प्रौद्योगिकी विकास को तेज करेगा और प्रतिस्पर्धी तथा तेजी से आगे बढ़ रहे इलेक्ट्रिक वाहन बाजार का समर्थन करेगा। राइट्स इश्यू को मौजूदा शेयरधारकों द्वारा उनकी हिस्सेदारी के अनुपात में पूर्ण अभिदान मिला।

बीएएसएफ का शुद्ध लाभ बढ़कर दोगुना से अधिक

नई दिल्ली। रसायन कंपनी बीएएसएफ इंडिया का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में दोगुना से अधिक होकर 360.29 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। एक साल पहले 2025-26 की इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 137.40 करोड़ रुपये था। बीएएसएफ की कुल आय जून, 2026 को समाप्त तिमाही में 29 प्रतिशत बढ़कर 4,846.51 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 3,760.46 करोड़ रुपये थी।

मैरिको का लाभ 27 फीसदी बढ़कर 652 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनी मैरिको लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़कर 652 करोड़ रुपये हो गया। मैरिको लिमिटेड ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 513 करोड़ रुपये था। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 22.85 प्रतिशत बढ़कर 3,957 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,221 करोड़ रुपये थी।

CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION COMPANY LIMITED

(A Government of Chhattisgarh Undertaking) (A SUCCESSOR COMPANY OF C.S.E.B.) CIN: U40108CT2003SGC015822
O/o The Superintending Engineer (Circle), Korba -495677Phone No. 07759-245556, Website: www.cspdcl.co.in Email ID: SEOnM.Korba@cspc.co.in

No. 11-03/Tender Notice/2221, 2222, 2223, 2224, 2225 — Korba, dated 03.08.2026

NOTICE FOR INVITE E-TENDER

CSPDCL is invited online bid through e-bidding system (SAP SRM) from the experienced eligible reputed Contractors for the work of TMC/FOC.

E-tender No /Rfx. No.	Particulars of works	Cost of tender Document	EMD	Last date & Time of Submission of Bid
11–03 / क्रय / निविदा / 13(S) / 2026–27 / 2221 दिनांक 03.08.2026 **Rfx. No. 8100053420**	Tender for engagement of manpower (01 No. skilled & 02 Nos. unskilled for each Distribution Center) through outsource for D.O., T.M.C. & Fuse Off Call and Maintenance Gang for Barpali & Bhaisma D/c under EE (O&M) Dn., CSPDCL, Korba **(Two Years)**	**Rs. 2000.00** (Inclusive of GST @18%)	Rs.20,400/-	15.00 pm on 24.08.2026
11–03 / क्रय / निविदा / 14(S) / 2026–27 / 2222 दिनांक 03.08.2026 **Rfx. No. 8100053423**	Tender for engagement of manpower (01 No. skilled & 02 Nos. unskilled for each Distribution Center) through outsource for D.O., T.M.C. & Fuse Off Call and Maintenance Gang for Dipka & Hardibazar D/c under EE (O&M) Dn., CSPDCL, Korba. **(Two Years)**	**Rs. 2000.00** (Inclusive of GST @18%)	Rs.20,400/-	15.00 pm on 24.08.2026
11–03 / क्रय / निविदा / 15(S) / 2026–27 / 2223 दिनांक 03.08.2026 **Rfx. No. 8100053425**	Tender for engagement of manpower (01 No. skilled & 02 Nos. unskilled for each Distribution Center) through outsource for D.O., T.M.C. & Fuse Off Call and Maintenance Gang for Katghora (T), Katghora (R) & Darri (R) D/c under EE (O&M) Dn., CSPDCL, Katghora **(Two Years)**	**Rs. 5000.00** (Inclusive of GST @18%)	Rs.30,600/-	15.00 pm on 24.08.2026
11–03 / क्रय / निविदा / 16(S) / 2026–27 / 2224 दिनांक 03.08.2026 **Rfx. No. 8100053427**	Tender for engagement of manpower (01 No. skilled & 02 Nos. unskilled for each Distribution Center) through outsource for D.O., T.M.C. & Fuse Off Call and Maintenance Gang for Hasdeo Bango & Pali D/c under EE (O&M) Dn., CSPDCL, Katghora. **(Two Years)**	**Rs. 2000.00** (Inclusive of GST @18%)	Rs.20,400/-	15.00 pm on 24.08.2026
11–03 / क्रय / निविदा / 17(S) / 2026–27 / 2225 दिनांक 03.08.2026 **Rfx. No. 8100053429**	Tender for engagement of manpower (01 No. skilled & 02 Nos. unskilled) through outsource for D.O., T.M.C. & Fuse Off Call and Maintenance Gang for Kartala D/c under EE (O&M) Dn., CSPDCL, Korba. **(Two Years)**	**Rs. 2000.00** (Inclusive of GST @18%)	Rs.10,200/-	15.00 pm on 24.08.2026

1.Bids will be opened at 15:30 pm and onward on the same day of submission.2.The details available in web site www.cspc.co.in→ CSPDCL→ O&M may be downloaded and should be submitted.3.CSPDCL reserves the right to reject or cancel any or all the bids without assigning any reason thereof.4.Corrigendum, if any will be published only on website www.cspc.co.in. → CSPDCL→ O&M and notice board.5.For e-bidding CSPDCL Helpline no. 0771-2576672 (EITC CSPDCL).

SAVE ELECTRICITY

SUPERINTENDING ENGINEER
CSPDCL (CIRCLE)KORBA

कार्यालय नगर पंचायत पथरिया, जिला- मुंगेली (छ.ग.)

EMAIL ID - nppatharia13@gmail.com

क्रमांक 268/लो.नि.वि./न.पा./2026-27 — पथरिया, दिनांक 04/08/2026

निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से (PWD Building SOR-01.01.2015/PWD Road SOR-01.01.2025), (ELECTRICAL SOR-01.06.2020) पर से प्रभावशील पर कम, अधिक या समान दर पर नगर पंचायत पथरिया में निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा प्रपत्र A के द्वारा स्पीड पोस्ट के माध्यम से तीन लिफाफा पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है :-
1. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि- 25/08/2026 समय 3.00 बजे तक
2. निविदा खोलने की अंतिम तिथि - 25/08/2026 समय 4.30 बजे

क्र.	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र का प्रकार	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य
1	वार्ड क्रमांक 01 में हरीचंद्र बघेल से हनुमान मंदिर तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	A	2.24	2300.00	750.00
2	वार्ड क्रमांक 01 में सामुदायिक भवन का उन्नयन कार्य।	A	7.20	5400.00	750.00
3	वार्ड क्रमांक 02 शिव मंदिर से संतु निषाद के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य। (टॉप कोट)	A	2.14	2200.00	750.00
4	वार्ड क्रमांक 02 एवं 05 में रोशन अली के घर से छोटू के घर से अंकुर श्रीवास के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	A	4.49	4500.00	750.00
5	वार्ड क्रमांक 03 गुरुद्वारा से बलराम पान सेंटर तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	A	3.19	3200.00	750.00
6	वार्ड क्रमांक 03 मे मेन रोड से रविन्द्र छाबड़ा के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	A	0.82	2000.00	300.00
7	वार्ड क्रमांक 03 केदार के घर से जसबीर के घर से सतनाम भवन से बलदाउ जायसवाल के घर तक पाईप लाईन विस्तार कार्य।	A	2.67	2700.00	750.00
8	वार्ड क्रमांक 03 में आजाद चौक के पास से अमर घृतलहरे के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य। (टॉप कोट)	A	4.45	4500.00	750.00
9	वार्ड क्रमांक 04 में गोविन्द यादव के घर से दुकालु के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	A	3.24	3300.00	750.00
10	वार्ड क्रमांक 04 शिव निर्मलकर के घर से महेतरू के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	A	5.23	5000.00	750.00
11	वार्ड क्रमांक 05 में मस्जीद से गोपाल पटेल के घर से गेंद श्रीवास के घर से शेखना के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	A	8.37	6300.00	750.00
12	वार्ड क्रमांक 06 में मेलुराम निर्मलकर के घर से पप्पू यादव के बाड़ी तक सीसी रोड निर्माण कार्य। (टॉप कोट)	A	1.77	2000.00	300.00
13	वार्ड क्रमांक 06 मे जय पाण्डे के घर से सोनकुंवर के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	A	2.35	2400.00	750.00
14	वार्ड क्रमांक 06 में केशउराम के घर से अश्वनी यादव के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	A	4.38	4400.00	750.00
15	वार्ड क्रमांक 06 में आकांक्षीय शौचालय के पास सीसी रोड निर्माण कार्य।	A	1.19	2000.00	300.00
16	वार्ड क्रमांक 07 मे प्रवेश पाण्डेय के घर से सुनील साहू के घर तक आर सीसी नाली निर्माण कार्य।	A	9.85	7400.00	750.00
17	वार्ड क्रमांक 08 रविन्द्र वर्मा के घर से पप्पू आडियो तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	A	3.05	3100.00	750.00
18	वार्ड क्रमांक 08 में महामाया गेट से मंगल के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य। (टॉप कोट)	A	8.37	6300.00	750.00
19	वार्ड क्रमांक 08 अर्जुन पाली के घर से विष्णु साहू के घर से गोकुल वैष्णव के घर से नरेन्द्र गुप्ता के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य। (टॉप कोट)	A	3.20	3200.00	750.00
20	वार्ड क्रमांक 08 मेंन रोड से खेल मैदान तक सीसी रोड निर्माण कार्य। (टॉप कोट)	A	1.62	2000.00	300.00
21	वार्ड क्रमांक 09 उमेश साहू के घर से मनोज निषाद के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य। (टॉप कोट)	A	5.81	5000.00	750.00
22	वार्ड क्रमांक 10 में मेनरोड से गंगाराम साहू के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	A	3.93	4000.00	750.00
23	वार्ड क्रमांक 10 में अशोक यादव के घर से हॉस्पिटल तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	A	3.51	3600.00	750.00
24	वार्ड क्रमांक 11 कार्तिक साहू के घर से मेनरोड तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	A	3.59	3600.00	750.00
25	वार्ड क्रमांक 11 मेनरोड से दिपक साहू के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	A	2.22	2300.00	750.00
26	वार्ड क्रमांक 11 दीनदयाल के घर से मनोज मनहर के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	A	1.92	2000.00	300.00
27	वार्ड क्रमांक 12 में हनुमान मंदिर से राकेश यादव के घर के पास तक सीसी रोड निर्माण कार्य। (टॉप कोट)	A	2.14	2200.00	750.00
28	वार्ड क्रमांक 13 हिन्छा सोनवानी के घर से चोवा के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य। (टॉप कोट)	A	1.99	2000.00	300.00
29	वार्ड क्रमांक 14 में बेनीराम लहरे के घर से जनकराम लहरे के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	A	4.32	4400.00	750.00
30	वार्ड क्रमांक 14 साधुराम सोनवानी के घर से राजा भार्गव के घर तक आर.सी.सी नाली निर्माण कार्य।	A	2.66	2700.00	750.00
31	वार्ड क्रमांक 15 में मेनरोड से मरचूरी तक सीसी रोड निर्माण कार्य। (टॉप कोट)	A	4.27	4300.00	750.00
32	वार्ड क्रमांक 15 मे रघुवीर राजपूत के घर से सुनील राय के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	A	2.74	2800.00	750.00
33	वार्ड क्रमांक 07 मेनरोड से अमोला कुर्रे के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	A	0.91	2000.00	300.00

उपरोक्त कार्यो के सामान्य शर्ते, विस्तृत निविदा विज्ञातिप विभागीय वेबसाईड WWW.UAD.CG.GOV.IN में देखी जा सकती है एवं कार्यालयीन समय में कार्यालय नगर पंचायत पथरिया में आकर देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत पथरिया जिला- मुंगेली (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद बेमेतरा जिला - बेमेतरा (छ.ग.)

क्र. /1594 / न.पा./ लो.नि.वि. / 2026-27 — **ई -प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना** — बेमेतरा दिनांक 04/08/2026

एतद् द्वारा नगर पालिका परिषद बेमेतरा क्षेत्रान्तर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

टेंडर क्र.	कार्य का नाम	लागत राशि (लाख रू)	निविदा दर खोलने की तिथि
196752	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of Operation and Maintenance of The Entire System in NAGAR PALIKA PARISHAD, BEMETARA TOWNunder SBM 2.0	917.17	03.09.2026

टीप :- उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल www.eproc.cgstate.gov.in पर तथा विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in पर डाउनलोड की जा सकती है। निविदा में संशोधन विभाग के वेबसाईट में प्रसारित किया जावेगा। पृथक से प्रकाशित नही कराया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बेमेतरा

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड

(सं./सं.) संम्भाग-बलरामपुर

क्रमांक/का.यं.ब./क्रय/सूचना/1921 — / बलरामपुर, दिनांक 04.08.2026

विद्युत बंद की सूचना

बलरामपुर जिले के समस्त सम्माननीय उपभोक्ताओ को सूचित किया जाता है कि दिनांक 06.08.2026 को 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र बरियों से निकलने वाली 11 के.व्ही. ककना फीडर के ककना चौक में ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि का कार्य किया जाना प्रस्तावित है, जिस हेतु निम्नलिखित सूची अनुसार विद्युत प्रवाह बंद रहेगा।

दिनाँक	उपकेन्द्र/फीडर का नाम	समय	प्रभावित क्षेत्र
06.08.2026	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र बरियों	सुबह 10:00 बजे से शाम 2:00 बजे तक	11 के.व्ही. ककना फीडर के समस्त शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की विद्युत प्रवाह बन्द रहेगी।

टीप :- आवश्कतानुसार समय में बदलाव किया जा सकता है।
"विद्युत की बचत करें, समय पर विद्युत बिल का भुगतान करें।"
"प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ प्राप्त करें"

भवदीय
कार्यपालन अभियंता (सं./सं.) संभाग
छ.स्टे.पा.डि.कं.लि., बलरामपुर

संवाद-48657

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION COMPANY LTD

(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN-U40108CT2003SGC015820 GST No. 22AADCC5773E1ZX
OFFICE OF CHIEF ENGINEER (HUMAN RESOURCE), RAIPUR
PHONE NO. (दूरभाष): 0771-2574700, 2574114 FAX NO.(फैक्स): 0771-2574700
Website (वेबसाइट): https://cspc.co.in Email (ईमेल): hr.csptcl@cspc.co.in

No. 01-01/Sec./AE/TS-228/**I/559151/2026** — Raipur, Date : **04.08.2026**

NOTICE INVITING TENDER
(Online Tender through GeM)

GeM Bid No.	Description	Due Date & Time for submission of Tender
GEM/2026/B/7868408	Deployment of Private Security Guard (77 nos.) & Security Supervisor (04 nos.) through Outsourcing for CG State Power Company's Head office, Dangania, Raipur	**25.08.2026** up to 15:00 Hrs.

Note : * The above tender will be processed through GeM portal i.e. www.gem.gov.in. ** Please see company website cspc.co.in - CSPTCL - Tender notices for any further details e.g. due date extension etc and the detailed tender document will be available on GeM Portal. **Any amendment/corrigendum, if required, will be displayed on our website only.** *** Helpline Details- In case of any problem please contact: - Tel. no.- 0771-2574114 between Business hours- 10:00 - 17:30 hrs. IST.

"SAVE ELECTRICITY"

Chief Engineer (HR)
CSPTCL, Raipur

न्यायालय कलेक्टर, जिला- सरगुजा (अम्बिकापुर) छत्तीसगढ़

रा0प्रक्र0 202409020300040/92/ब-121/2023-2024

::- ईश्तहार/सूचना पत्र ::-

आवेदक **छ0ग0 राज्य ग्रामीण बैंक, शाखा बरियो, क्षेत्रीय कार्यालय अम्बिकापुर** द्वारा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी श्री गोविन्द विश्वकर्मा आ0 श्री शिवचरण विश्वकर्मा, निवासी- ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय कार्यालय अम्बिकापुर जिला-सरगुजा द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 14 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन व प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान में उक्त प्रकरण अनावेदक (1) श्रीमती सरस्वती पति रामभरोस सिंह, निवासी- कुदार पी.एस.धौरपुर ब्लाक एवं तहसील लुण्ड्रा जिला-सरगुजा छ0ग0 के इस न्यायालय मे उपस्थिति के लिये प्रकरण दिनांक **20/08/2026** को नियत है।

अतः अनावेदक को सूचित किया जाता है कि वे स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि दिनांक **20/08/2026** को इस न्यायालय मे दिन के **2:30 बजे** अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें। नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित नहीं होने पर अनावेदक के विरुद्ध प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही कर अग्रिम कार्यवाही किया जावेगा।

आज दिनांक **28/07/2026** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

(कलेक्टर सरगुजा द्वारा आदेशित)

प्रभारी अधिकारी
कलेक्टर वाचक शाखा

छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक

CHHATTISGARH GRAMIN BANK (Scheduled Bank Owned by Government)
क्षेत्रीय कार्यालय- अम्बिकापुर, कुसुमतारा कॉम्प्लेक्स, द्वितीय तल, हनुमान गली, न्यू महामाया रोड, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)
Telephone : 6232032901 , 6232033100, Email – adv.ro.amb@cgbank.in

अचल सम्पत्ति ई-नीलामी सूचना : "जहाँ है जैसा है एवं जो कुछ भी है" (नीलामी तिथि 20/08/2026)

अधोहस्ताक्षरकर्त्ता **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा **13 (2)** एवं धारा **13(4)** प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम के साथ प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्न दर्शित ऋणी के स्वामित्व वाली सम्पत्ति जिसका अधिग्रहण **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** के द्वारा कर लिया गया है, ऋणी से देय राशि वसूली हेतु सम्पत्ति ई-नीलामी, सीलबंद निविदा के रूप में आमंत्रित करता है एवं ऋण ग्रहिताओं को विशिष्टतः और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद द्वारा निम्न वर्णित सम्पत्ति के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है। सम्पत्तियों के साथ कोई व्यवहार निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिये **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** के प्रभार के अधीन होगा।

ऋणी एवं शाखा की जानकारी	संपत्ति स्वामी का नाम/ संपत्ति का विवरण	मांग सूचना तिथि	कब्जा तिथि/ कब्जा का प्रकार	बकाया राशि	आरक्षित मूल्य	धरोहर राशि/ बोली वृद्धि राशि
शाखाः गुतूरमा ऋणी- श्री अवधेश कुमार गुप्ता पिता रामदास गुप्ता जमानतदार- 1) श्री चंद्र देव दास पति इंदर दस 2) श्री निरंजन प्रसाद गुप्ता पिता रामदास गुप्ता	मौजा- ख. नं. **65/1**, प.ह.नं. **19**, ग्राम- सलाईनगर, आरआई सर्किल- राजापुर, तहसील- मैनपाट, जिला - सुरगुजा (छ.ग.) कुल क्षेत्रफल : **0.162** हे. (भूमि + भवन) **चौहददीः उत्तर**- नंदलाल वगैरह की भूमि, **दक्षिण**- राजापुर गाँव की सीमा रेखा, **पूर्व**- सीतापुर-कापू रोड, **पश्चिम**- नंदलाल वगैरह की भूमि।	31/01/2023	07/09/2024 सांकेतिक	₹ 6,65,542.00 (दिनांक **31.01.2023** तक) तथा उक्त तिथि से आगे का ब्याज एवं अन्य प्रभार देय होगा।	₹ 16,66,100/-	₹ 1,46,700/- / ₹ 15,000/-
शाखाः पेटला ऋणी- 1) श्री शिव कुमार अग्रवाल पिता श्री श्रीचंद अग्रवाल. संपत्ति स्वामी एवं जमानतदार (1) श्री मोहन अग्रवाल, (2) श्री विनोद अग्रवाल, (3) श्री मनोज कुमार अग्रवाल पिता श्री श्रीचंद अग्रवाल, (4) श्रीमती केशर देवी पति श्री श्रीचंद अग्रवाल, जमानतदार-(5) श्री नारायण नगदेव पिता अमर साय, (6) श्री विद्याधर पैंकरा पिता अभिनाथ पैंकरा.	**संपत्ति के स्वामी- श्री शिव कुमार अग्रवाल पिता श्री श्रीचंद अग्रवाल एवं श्रीमती बुलबुल अग्रवाल पति श्री नवीन कुमार अग्रवाल,** मौजाः ख. नं.**707/2**, प.ह.नं. 07, ग्राम- सरगा, आरआई सर्किल- सीतापुर, तहसील- सीतापुर, जिला - सुरगुजा (छ.ग.) कुल क्षेत्रफलः **0.085** हे. (भूमि+भवन) **चौहददीः उत्तर-** डामर रोड, **दक्षिण-** जनार्दन पैंकरा की भूमि, **पूर्व-** कच्ची रोड, **पश्चिम-** गौकरण पैंकरा की भूमि।	24/05/2024	07/09/2024 सांकेतिक	₹ **5,65,666.00** (दिनांक **24.05.2024** तक) तथा उक्त तिथि से आगे का ब्याज एवं अन्य प्रभार देय होगा।		₹ 17,41,500/- / ₹ 1,74,200/-
शाखाः पेटला ऋणी- 2) श्रीमती बुलबुल अग्रवाल पति श्री नवीन कुमार अग्रवाल संपत्ति स्वामी एवं जमानतदार (1) श्री शिव कुमार अग्रवाल (2) श्री मोहन अग्रवाल, (3) श्री विनोद अग्रवाल, (4) श्री मनोज कुमार अग्रवाल पिता श्री श्रीचंद अग्रवाल, (5) श्रीमती केशर देवी पति श्री श्रीचंद अग्रवाल,		01/05/2024	07/09/2024 सांकेतिक	₹ **6,25,812.00** (दिनांक **01.05.2024** तक) तथा उक्त तिथि से आगे का ब्याज एवं अन्य प्रभार देय होगा।		₹ 17,500/-
शाखाः रामानुजगंज श्रीमती संगीता यादव, पति श्री रामाशंकर यादव (प्रोप्राइटर- परी ऑयल मिल) वार्ड क्रमांक 13, कुम्हारपारा, रामानुजगंज, जिला- बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)- 497220	**श्रीमती संगीता यादव, पति श्री रामाशंकर यादव** की भूमि एवं भवन, प्लॉट/खसरा क्रमांक- **130/7**, क्षेत्रफल- **0.036** हेक्टेयर, स्थित ग्राम एवं पोस्ट रामानुजगंज, प.ह.नं. 035, तहसील- रामानुजगंज, जिला- बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.) **सीमाएं (नजरी नक्शा अनुसार): उत्तर-** नाला, **दक्षिण-** मखमल देवी की भूमि, **पूर्व-** नाली एवं सी.सी. रोड, **पश्चिम-** मखमल देवी की भूमि।	08/05/2025	17/07/2025 सांकेतिक	₹ 72,66,581.00 (दिनांक **08.05.2025** तक) तथा उक्त तिथि से आगे का ब्याज एवं अन्य प्रभार देय होगा।	₹ 95,34,510/-	₹ 9,53,500/- / ₹ 95,500/-
शाखाः बरियों श्रीमती सरस्वती पति श्री रामभरोस सिंह, ग्राम- कुदर, थाना- धौरपुर, ब्लॉक एवं तहसील- लुंड्रा, जिला-सरगुजा (छ.ग.) 497101, **गारंटर- श्री सुमर राम पिता सलगु एवं श्री रामभरोस सिंह पिता शिवभोला सिंह.**	**श्रीमती सरस्वती सिंह (पति श्री रामभरोस सिंह) एवं श्री सुमर राम (पिता श्री सलगु)** की भूमि और भवन, प्लॉट संख्या/खसरा संख्या-310 पर स्थित प्लॉट का क्षेत्रफल- **0.105** हेक्टेयर (लेकिन डायवर्टेड क्षेत्रफल- **0.040** हेक्टेयर (405.0 वर्ग मीटर)। ग्राम- कुदर, प.ह.नं.-05, आरएनएम- धौरपुर, ब्लॉक व तहसील- लुंड्रा, जिला- सरगुजा (छ.ग.)। **संपत्ति की सीमाएँ - नजरी नक्शे के अनुसारः उत्तर-** रामभरोस की भूमि, **दक्षिण-** सड़क, **पूर्व-** परदेशी की भूमि, **पश्चिम-** रामभरोस की भूमि।	25.07.2022	15/02/2024 सांकेतिक	₹ 15,48,963.00 (दिनांक **25.07.2022** तक) तथा उक्त तिथि से आगे का ब्याज एवं अन्य प्रभार देय होगा।	₹ 28,22,040/-	₹ 2,82,300/- / ₹ 28,500/-
ऋणी- मेसर्स ओएसआर एसोसियेट्स, साझेदार- 1. श्रीमती उर्मिला सिंह पति धरमनाथ सिंह. 2. श्री रवि सिंह पुत्र धर्मनाथ सिंह, पताः मकान नं. S4/G22, वसुंधरा विहार कॉलोनी, गोधनपुर, अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.) -497001, **शाखाः अंबिकापुर (छ.ग.)**	**संपत्ति स्वामी का नामः श्रीमती उर्मिला सिंह पत्नी श्री धर्मनाथ सिंह** की भूमि, प्लॉट नं./खसरा नं. **1378/03**, क्षेत्रफल **0.048** हेक्टेयर, स्थित ग्राम एवं पोस्ट- सूरजपुर, प.ह.नं. 08, आरएनएम- सूरजपुर, तहसील- सूरजपुर, जिला- सूरजपुर (छ.ग.) **संपत्ति की चौहद्दीः (नजरी नक्शा अनुसार): उत्तर-** साकेत साहू की भूमि, **दक्षिण-** सौरभ जिंदिया की भूमि, **पूर्व-** पक्का सड़क, **पश्चिम-** साकेत साहू की भूमि।	17/05/2025	29/10/2025 सांकेतिक	₹ 86,52,229.00 (दिनांक **17.05.2025** की मांग सूचना अनुसार) + आगे का ब्याज एवं प्रभार, वसूली समायोजन के अधीन	₹ 21,91,050/-	₹ 2,19,200/- / ₹ 22,000/-

ई-नीलामी की शर्तेः- (1) ई-नीलामी **"जहां है जैसा है एवं जो कुछ भी है"** के आधार पर भार सहित (अगर कोई हो) की जायेगी। बैंक की जानकारी एवं सूचना के अनुसार संपत्ति पर कोई भार नहीं है। भार के विवरण हेतु अधोहस्तारकर्ता से धरोहर राशि जमा करने के पूर्व सम्पर्क करें। नीलामी बैंक द्वारा अधिकृत सेवा प्रदाता की वेबसाइट **www.baanknet.com** के माध्यम से आन लाईन ई-नीलामी की जावेगी। **(2)** आरक्षित मूल्य कम की निविदा/आफर स्वीकार नहीं किये जाएंगे। **(3) संपत्ति निरीक्षण दिनांक 06/08/2026** से **18/08/2026, सुबह 11.00** से सायं **4.00** बजे तक संबंधित शाखा प्रबंधक की पूर्व अनुमति से किया जा सकता है। **(4)** इच्छुक निविदाकर्ता धरोहर राशि **(EMD)** आरक्षित मूल्य का 10 प्रतिशत का भुगतान डिमाण्ड ड्राफ्ट के माध्यम से, जो कि प्राधिकृत अधिकारी **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** के उपरोक्त संबंधित शाखा के पक्ष में देय हो, जो दिनांक **19/08/2026** को सायं **5.00** बजे तक जमा करें अथवा आनलाईन भुगतान आरटीजीएस/एनईएफटी/फण्ड ट्रांसफर के माध्यम से उपरोक्त वर्णित खातों में किया जा सकता है। **(5)** सफल खरीददार के पक्ष में विक्रय की पुष्टि सिक्योर्ड क्रेडिटर की पुष्टि के अधीन होगी। **(6)** ऑन लाईन नीलामी में भाग लेने हेतु इच्छुक बोलीकर्ताओं के पास डिजिटल हस्ताक्षर होना आवश्यक है। डिजिटल हस्ताक्षर प्राप्त करने हेतु सर्विस प्रदाता **M/s PSB Alliance (baanknet), Contact No:: 8291220220, Help Line E-mail ID ::- support.baanknet@psballiance.com, Website: https://baanknet.com** पर जिस दिन धरोहर राशि जमा की हो उसी दिन डिजिटल सिग्नेचर प्राप्त करने हेतु सर्विस प्रदाता से संपर्क करें। इच्छुक निविदाकर्ता से अनुरोध किया जाता है कि वे स्वयं को वेब पोर्टल **www.baanknet.com** में नाम पंजीकृत करवाए और लॉग इन आईडी और पासवर्ड प्राप्त करें। **(7)** ईएमडी जमा करने के पश्चात इच्छुक खरीददार को **दिनांक 19/08/2026** को सायं **5.00** बजे तक या उससे पहले निम्नांकित दस्तावेज अनिवार्य रुप से जमा करना होगा। **अ.** ईएमडी राशि का डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर या यूटीआर नं. अगर भुगतान आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से किया गया हो तो। **ब.** पेन कार्ड की फोटोकापी/पहचान पत्र एवं पते का प्रमाण पत्र। **स.** इच्छुक खरीददार का नाम, सम्पर्क सूत्र एवं ई-मेल आईडी। **द.** इच्छुक खरीददार के बैंक खाते का पूरा ब्यौरा (नीलामी प्रकिया में असफल होने पर टोकन रकम की वापसी) **। (8)** बिक्री की पुष्टि होने पर सफल खरीददार बिक्री मूल्य का **25** प्रतिशत जिसमें ईएमडी के लिए पहले भुगतान की गई रकम भी शामिल है तुरंत जमा करेंगे एवं शेष **75** प्रतिशत राशि का **15** दिन के अंदर भुगतान करेंगे। निर्धारित समयावधि में शेष राशि जमा न करने की स्थिति में बोलीकर्ता द्वारा जमा राशि बिना किसी सूचना के जप्त कर ली जावेगी। **(9)** सफल बोलीकर्ता को स्टाम्प ड्यूटी से संबंधित सभी खर्च/फीस पंजीयन शुल्क ट्रांसफर शुल्क एवं अन्य तात्कालिक खर्चें इत्यादि वहन करने होंगे। **(10)** यहां संपत्ति की विक्रय राशि रु. **50** लाख या उससे ऊपर हो उस परिस्थिति में नीलामी खरीददार को विक्रय राशि का 1 प्रतिशत टी.डी.एस. का भुगतान करना होगा तथा टीडीएस सर्टिफिकेट की मूल प्रति बैंक में जमा करनी होगी। **(11)** अधिक जानकारी हेतु उपरोक्त संबंधित शाखा से सम्पर्क करें या ईमेल करें **eauction@ccsl.co.in** अथवा सर्विस प्रदाता **M/s PSB Alliance (baanknet), Contact No:: 8291220220, Help Line E-mail ID ::- support.baanknet@psballiance.com, Website: https://baanknet.com** पर संपर्क करें।

सूचना- अंतिम मिनिट एवं सेकेण्ड में बिड करने से बचे। छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक एवं सेवा प्रदाता किसी बंद/त्रुटि इंटरनेट बंद/लाईट जाने आदि के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे। इन स्थितियों से बचने हेतु एवं आपातकालीन परिस्थितियों हेतु निविदाकर्ता से निवेदन है कि वे सभी आवश्यक प्रबंध/विकल्प अपने पास रखें। जैसे कि बैकअप पावर सप्लाई आदि जिससे वे ई-नीलामी में सफलता पूर्वक भाग ले सकें। (नोटः नीलामी की प्रक्रिया डीआईसी के नियम एवं शर्तों के तहत होगी।)

उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता (यों) का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिये उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के प्रावधानों के लिये आमंत्रित किया गया है।

दिनांकः 04.08.2026 — प्राधिकृत अधिकारी, छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय- अंबिकापुर

प्रथम पृष्ठ का शेष

शासन की ओर...

न्यायालय के आदेश पर ही सब संभव है। उन्होंने कहा कि शासन स्तर पर विचाराधीन बंदियों की रिहाई का प्रयास हो रहा है। इसके लिए कानूनन सभी से राय लेकर निर्णय लेना पड़ेगा।

जन्म पंजीकरण में...

इस दौरान विपक्षी सदस्य पहले की तरह ही शोर-शराबा कर रहे थे। हंगामे के बीच ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कराधान एवं अन्य विधियां संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। सैकिया ने विपक्षी सदस्यों से अपनी सीट पर जाकर बैठने का आग्रह करते हुए कहा कि यह महत्वपूर्ण विधेयक है और सभी को इसमें सहयोग करना चाहिए। इस बीच, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विनियोग (संख्यांक 3) विधेयक को चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया। विपक्ष के हंगामे के बीच सदन ने बिना चर्चा के इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। राज्यसभा में भी इन्हीं मुद्दों को लेकर विपक्ष का हंगामा जारी रहा। दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे बैठक शुरू होने पर भी सदन में हंगामा जारी रहा और गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने शोरगुल के बीच ही जन्म और मृत्यु का पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 को चर्चा एवं पारित करने के लिए पेश किया। फिर पारित हो गया।

संत रविदास के...

उपाध्याय ऑडिटोरियम में भारतीय जनता पार्टी द्वारा संत शिरोमणि रविदास की 650वीं जयंती के पर आयोजित प्रदेशस्तरीय कलश वन्दन अभियान में कहा, गुरु रविदास ने समाज को संदेश दिया कि सभी मनुष्य एक समान हैं, कोई छोटा या बड़ा नहीं है। श्री साय ने कहा, संत रविदास का जीवन हमें मन की पवित्रता और कर्म की निष्ठा सिखाता है। इस कलश यात्रा को सबका साथ, सबका विकास का जीवंत उदाहरण बताते हुए श्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री की घोषणाएं...

जाएगा। नवा रायपुर (राजधानी क्षेत्र) के एक प्रमुख चौराहे का नामकरण संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के नाम पर किया जाएगा। इस अवसर पर श्री साय ने सीर गोवर्धनपुर (वाराणसी) से आए संत शिरोमणि गुरु रविदास की पवित्र मिट्टीयुक्त कलश का विधिवत पूजन-अर्चन एवं वंदन किया।

दो लाख समरसता...

प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा, संत गुरु रविदास ने समाज से ऊंच-नीच और छोटे-बड़े के भेदभाव को मिटाकर समरसता और समानता का जो पावन संदेश दिया था। भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी ने प्रदेश के कुल 479 मंडलों में से 466 मंडलों के 1,770 प्रमुख मंदिरों (जिनमें संत रविदास के मंदिर भी शामिल हैं) में कुल 1,97,628 समरसता दीप प्रज्जवलित किए गए। श्री सोनी ने बताया, जन्मस्थली से लाए गए मुख्य कलश से 36 पावन माटी युक्त कलश तैयार किए गए हैं। आज प्रदेश के सभी 36 संगठनात्मक जिलों से आए प्रतिनिधियों को मुख्यमंत्री श्री साय एवं साधु-संतों द्वारा पवित्र कलश सौंपे गए। श्री सोनी ने बताया, 15 अगस्त से 30 अगस्त के बीच जिलास्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर इन कलशों को मण्डल की टोलियों को सौंपा जाएगा। कार्यक्रम में प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, डॉ. नवीन मार्कण्डेय, सहित प्रदेश भर से आए पूज्य साधु- संत, प्रदेश सरकार के सभी मंत्री, सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'बिग बॉस' का...

देखने को मिलते हैं, लेकिन इस बार शो के केंद्र में ऐसा रहस्य है, जो इसे अब तक के सभी सीजन से अलग बनाता है। अभिनेता ने कहा, टीजर तो बस शुरुआत है और मैं यह देखने के लिए बेताब हूं कि जब 'बिग बॉस' हिंदी का 20वां सीजन शुरू होगा, तो दर्शक कैसे सुरागों को जोड़कर इन चीजों को समझेंगे।

तीन साल से...

पालन सुनिश्चित किया जाए। 'एक ही काम से सीमित हो जाता है अनुभव'सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव अविनाश चंपावत की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि लंबे समय तक एक ही कार्य-पटल पर कार्यरत रहने से अधिकारियों और कर्मचारियों को अन्य प्रशासनिक कार्यों का पर्याप्त अनुभव नहीं मिल पाता। इससे उनकी दक्षता और कार्यक्षमता का समुचित विकास भी प्रभावित होता है। इसी कारण कर्मचारियों को समय-समय पर अलग-अलग प्रकार के कार्यों का व्यावहारिक अनुभव देने के लिए कार्य-पटल परिवर्तन को आवश्यक माना गया है। सरकार का मानना है कि इससे कर्मचारियों में विभिन्न नियमों, प्रक्रियाओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की बेहतर समझ विकसित होगी। **रिकॉर्ड रखने की भी जिम्मेदारी**-सरकार ने सभी विभागाध्यक्षों और कार्यालय प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि कार्य-पटल परिवर्तन की प्रक्रिया का पूरा रिकॉर्ड कार्यालय स्तर पर संधारित किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि आदेश का प्रभावी क्रियान्वयन हो। सरकार का मानना है कि नियमित अंतराल पर कार्य-पटल बदलने से न केवल कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि कार्यालयों में पारदर्शिता और जवाबदेही भी मजबूत होगी। इसके साथ ही किसी एक व्यक्ति पर किसी विशेष कार्य का लंबे समय तक नियंत्रण बने रहने की स्थिति भी कम होगी, जिसे सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक सुधार के रूप में देखा जा रहा है।

टर्बुलेंस...किसी का...

की सांसें थम गई। ऊंचाई में अचानक परिवर्तन होने से 10 यात्री और चालक दल के 4 सदस्य घायल हो गए हैं। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। घटना के बाद पायलट ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सूचना दी, जहां चिकित्सा दल पहले से तैयार थे। विमान को सुरक्षित रूप से उतारा गया, जिसके बाद घायलों को अस्पताल ले जाया गया। **एयर इंडिया ने जारी किया बयान**- एयर इंडिया ने घटना पर कहा, 4 अगस्त को फुकेत-दिल्ली उड़ान एआई 2379 में संक्षिप्त अशांति से संबंधित घटना हुई, जिससे ऊंचाई में क्षणिक परिवर्तन हुआ। कुछ यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें चिकित्सा जांच की आवश्यकता है। यात्रियों और क्रू की सुरक्षा और भलाई एयर इंडिया के लिए सबसे ज़रूरी है। हम प्रभावित लोगों को हर ज़रूरी मदद दे रहे हैं और जांच के सिलसिले में संबंधित अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं। **क्या होता है एयर टर्बुलेंस**- आसमान में एअर टर्बुलेंस तब पैदा होता है जब हवा का प्रवाह आसमान और अनियमित हो जाता है। सामान्यतः हवा स्थिर परतों में बहती है, लेकिन कई कारणों से यह गड़बड़ा जाती है। धरती के गर्म होने से गर्म हवा ऊपर उठती है और ठंडी हवा नीचे आती है, जिससे थर्मल डिस्टरबेंस बनता है। पहाड़ों से टकराने पर हवा ऊपर-नीचे लहरें बनाती हैं। ऊंचाई पर जेट स्ट्रीम जैसी तेज हवाओं के बीच गति के अंतर से भी अशांति उत्पन्न होती है।

विभागों ने नहीं...

पुराने मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर लगाने का काम तेजी से चल रहा है। प्रदेश भर के करीब डेढ़ लाख सरकारी विभागों के मीटरों को बदलकर अब स्मार्ट मीटर लगा दिए गए हैं। अब सरकारी विभागों के कनेक्शनों को प्रीपैड करने का काम किया जाएगा। लंबे समय से इसको करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन अब जाकर इसमें सफलता मिलने वाली है। पहले सभी विभागों से तीन-तीन माह का रीचार्ज कराने के लिए कहा गया था, लेकिन किसी विभाग ने भी रीचार्ज नहीं कराया। ऐसे में अब ऊर्जा विभाग ने एक अधिसूचना जारी करके सभी विभागों को तीन-तीन माह का बिल एडवांस में जमा करने के लिए कहा है।

विभागों के बने...

दिया जाए, लेकिन सरकारी विभाग एडवांस पैसा जमा करने में रुचि ही नहीं दिखा रहे हैं। पॉवर कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक अब तक महज चार विभागों ने ही पैसा जमा किया है। इसकी वजह से एक अगस्त से कनेक्शन प्रीपैड नहीं हो सके हैं।

असम में अब तक...

का अनुमान है। इसका असर असम के पड़ोसी जिलों पर पड़ सकता है। मौसम विभाग ने नगालैंड के अधिकतर हिस्सों के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है, जिससे असम के चराईदेव, शिवसागर, जोरहाट और गोलाघाट जिले प्रभावित हो सकते हैं। पिछले 24 घंटे में शिवसागर जिले से दो लोगों की मौत की सूचना मिली है। इन मौतों के साथ ही इस वर्ष बाढ़ में जान गंवाने वालों की संख्या 87 तक पहुंच गई है। एएसडीएमए के एक अधिकारी ने कहा, हालांकि बाढ़ प्रभावित असम के अधिकतर ऊपरी जिलों से रातभर बारिश होने की सूचना है, लेकिन जलमग्न गांवों में पानी का स्तर घट रहा है जिससे ग्रामीणों को थोड़ी राहत मिली है। छह जिलों में कुल मिलाकर 1,28,000 लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। शिवसागर में सबसे अधिक 55,000 से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। वहीं, चराईदेव में लगभग 35,000 और जोरहाट में 20,000 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। एएसडीएमए बुलेटिन में कहा गया है कि विभिन्न हिस्सों से तटबंधों, घरों, सड़कों, स्कूलों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों सहित विभिन्न बुनियादी ढांचों को नुकसान पहुंचने की भी सूचना है। बुलेटिन में यह भी बताया गया कि वर्तमान में नुमालीगढ़ में धनसिरी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

हाथी के तीन नग...

टीम लम्बे समय से आरोपियों की खोजबीन कर रही है। इसी बीच विभाग को मुखबिर से सूचना मिली कि रामानुजगंज स्थित धर्मशाला के कमरे में तीन संदेही एक दिन पूर्व से रूके हैं तथा हाथी के जबड़े को बेचने के लिए गाहक का इंतजार कर रहे हैं। सूचना पर वाइल्ड लाइफ कंट्रोल ब्यूरो, राज्य उड़नदस्ता दल एवं बलरामपुर वन मण्डल की संयुक्त टीम सोमवार को दोपहर 12 बजे सादे लिबास में धर्मशाला पहुंची एवं मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर धर्मशाला के कमरा क्रमांक 205 की घेराबंदी कर छापा माारा। कमरे में झारखण्ड के पलामू जिला अंतर्गत ग्राम तुकबेर, नवाबाजार निवासी संतोष कुमार विश्वकर्मा आ.स्व.जगरनाथ विश्वकर्मा (44वर्ष), रामानुजगंज वार्ड क्रमांक 11 निवासी अजय कुमार गुप्ता आ.आदित्य नारायण गुप्ता (49वर्ष) एवं सतेन्द्र कुमार रजक आ.लखनराम (50वर्ष) मौजूद मिले। टीम ने कमरे की तलाशी ली तो एक बैग में हाथी दांत के तीन नग जबड़े मिले। संयुक्त टीम आरोपियों को वन परिक्षेत्र कार्यालय लाकर काफी देर तक पूछताछ करती रही। पूछताछ में आरोपियों ने जुर्म स्वीकार किया है लेकिन यह नहीं बताया है कि उन्होंने जबड़ा कब और किससे हासिल किया है अथवा किस स्थान से हाथी का जबड़ा निकाला है। आरोपियों ने यह भी नहीं बताया है कि जबड़ा निकालने के लिए हाथी को मारा थ या मृत हाथी का जबड़ा निकाला है। टीम ने मामले में वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9,39,48,50,51,52 के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। वन अधिकारी हाथी दांत का जबड़ा हासिल करने एवं उसका सौदा करने के मामले में अन्य आरोपियों के भी शामिल होने का संदेह व्यक्त कर रहे हैं। हालांकि पूछताछ में आरोपियों ने अपने अन्य किसी साथी का नाम नहीं बताया है। आरोपियों के साथियों का पता लगाने के लिए अधिकारियों ने आरोपियों के मोबाइल का कॉल डिटेल निकलवाने तथा अधिक बात करने वाले लोगों की पहचान कर उनसे पूछताछ करने का निर्णय लिया है। निकट भविष्य में वन परिक्षेत्र रामानुजगंज सहित आसपास के क्षेत्रों में किसी हाथी की मौत नहीं हुई है। सीमावर्ती पलामू जिले से वन परिक्षेत्र रामानुजगंज में पूरे साल हाथियों की आवाजाही बनी रहती है। पलामू वनमण्डल में भी हाल के दिनों में किसी हाथी की मौत नहीं हुई है। वन अधिकारी आरोपियों द्वारा सीमावर्ती पलामू जंगल में पूर्व में मृत हाथी का जबड़ा निकालने का संदेह व्यक्त कर रहे हैं। विभाग वन्य जीवों का शिकार एवं उनके अंगो की तस्करी के विभिन्न पक्षों का ध्यान रखकर मामले की जांच कर रहे हैं। **सक्रिय है तस्करों का गिरोह**- बाघ, तेंदुए की खाल, हाथी दांत एवं जबड़े की तस्करी के मामले में वाइल्ड लाइफ क्राइम ब्यूरो एवं वन विभाग की संयुक्त टीम अब तक दो दर्जन से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। सभी आरोपी वन्य जीवों के अंगों का सौदा करने के बाद ग्राहक का इंतजार करने के दौरान गिरफ्तार किए गए है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अधिकांश ओड़गी ब्लॉक के निवासी है। सोमवार को टीम ने अंतर्राज्यीय तस्कर गिरोह को पकड़ने में सफलता पाई है। अब तक हुई गिरफ्तारियों से स्पष्ट है कि सरगुजा संभाग में न केवल वन्यजीवों का शिकार किया जा रहा है बल्कि उनके अंगों की भी तस्करी की जा रही है।

155 चिकित्सा उत्पाद...

प्रावधानों के तहत संबंधित राज्य सरकारों द्वारा नियुक्त राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरणों द्वारा विनियमित किया जाता है। नड्डा ने कहा कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन का उत्तरदायित्व, राष्ट्रीय विनियामक प्राधिकरण के रूप में, नयी दवाओं और नैदानिक परीक्षणों का अनुमोदन, दवाओं के लिए मानक का निर्धारण, आयातित दवाओं की गुणवत्ता का विनियमन और राज्य सरकारों के साथ समन्वय करना है। उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि भारत ने टीबी (तपेदिक) को नियंत्रित करने में काफी प्रगति की है और 2015 से 2024 के बीच टीबी की दर में 21 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि पिछले तीन साल में राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग कार्यक्रम के तहत मधुमेह (डायबिटीज) के 2.29 करोड़ से अधिक मामले सामने आए हैं। नड्डा ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और अस्पताल राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं और केंद्र सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में टीबी के मामलों की रिपोर्टिंग (नोटिफिकेशन) में वृद्धि हुई है, जिससे गायब या रिपोर्ट नहीं किए गए मामलों के अंतर को कम करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि नि-क्षय पोर्टल के अनुसार, 2023 में 25.52 लाख, 2024 में 26.18 लाख और 2025 में 26.37 लाख टीबी मामलों की रिपोर्ट की गई। **टीबी के मामले घटे**- विश्व स्वास्थ्य संगठन की 'ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2025' का हवाला देते हुए मंत्री ने कहा कि भारत में टीबी के मामलों की दर 2015 में प्रति लाख आबादी पर 237 थी जो 2024 में घटकर प्रति लाख आबादी पर 187 हो गई, जो 21 प्रतिशत की कमी है। इस अवधि में वैश्विक स्तर पर इसमें 12 प्रतिशत की कमी आई है। नड्डा ने कहा कि टीबी से होने वाली मौतों की दर में भी 25 प्रतिशत की कमी आई है और 2015 में प्रति लाख आबादी पर मौत की दर 28 थी जो 2024 में घटकर प्रति लाख आबादी पर 21 हो गई।

लाल सागर में भारतीय ...

बंदरगाह से करीब 13 समुद्री मील दक्षिण में हुआ। इसके बाद यमन के तटरक्षक और नौसेना ने संयुक्त अभियान चलाकर सभी चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला। सभी को चिकित्सा सहायता दी गई और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

लाल सागर में कई जहाजों पर हमले-
हाल के महीनों में लाल सागर में कई व्यापारिक जहाजों पर हमले हुए हैं। पिछले महीने भी एक सऊदी कंपनी के स्वामित्व वाले तेल टैंकर पर हमला हुआ था, जिससे जहाज के अगले हिस्से में आग लग गई थी। उस घटना में भी चालक दल सुरक्षित बच गया था। बाद में हूती समूह ने दावा किया था कि उसने सऊदी से जुड़े दो तेल टैंकरों पर बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइल और ड्रोन से हमला किया था। समूह ने पहले सऊदी से जुड़े जहाजों पर समुद्री प्रतिबंध लगाने की भी घोषणा की थी।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग
• Hearing Aids
• दंत रोग
• मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी
• चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

डॉ.वाशानी
दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
® असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें।
रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- स्टॉक पैकिंग और डिस्पेचिंग हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मीनाक्षी स्टील एजेन्सी पुराना हाईकोर्ट के सामने बिलासपुर 96699 16000 (41561)

आवश्यकता है- साड़ी एवं रेडीमेड दुकान में काम करने हेतु अनुभवी लड़कियों एवं लड़को की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- शिव क्लॉथ स्टोर बिलासा चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर 98279 16580, 9827887934 (41567)

आवश्यकता है- सोलर पेंनल की मार्केटिंग एवं सेल्स के लिए सेल्समेन एवं एजेंट की आवश्यकता है संपर्क- रितेश ट्रेडर्स सोलर सीएलसी प्लाजा रतन लस्सी के ऊपर मंगला चौक बिलासपुर 9438283438 (41562)

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित पुस्तक दुकान में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 98271-16257 (41564)

आवश्यकता है- अनुभवी कम्प्यूटर स्टाफ (Female) दो पद की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- अर्पण शुगर क्लीनिक, होम गार्ड ऑफिस के सामने कुदुदण्ड बिलासपुर 9827492030, 84353 60206 (41569)

आवश्यकता है- Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 88188 77406, 9644433021, 07752-337082 (41563)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने, सामान पैक करने, लाने लेजाने हेतु डिलीवरी ब्वाय चाहिए योग्यता 10वीं, वेतन 9000-10000 पता- मातुश्री ट्रेडिंग कम्पनी वेस्ट साइड शोरूम के बाजू, व्यापार विहार रोड बिलासपुर (41565)

आवश्यकता है-CCTV कैमरा/ डीटीएच फिटिंग, ऑफिस में हेल्पर, सेल्स मार्केटिंग, कम्प्यूटर वर्क हेतु लड़के, लड़कियां और जनरल शॉप हेतु लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क- निशानियां मार्केटिंग जूनी लाईन बिलासपुर 91310 42929, 7000209331 (3188)

आवश्यकता है-कपड़ा दुकान हेतु अनुभवी सेल्समैन/ सेल्सगर्ल की। वेतन- योग्यतानुसार आधार सहित सम्पर्क- भारत किड्स वियर B-1 मेन रोड सुपर मार्केट, रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक बिलासपुर 98266 81000, 7049481000, (41546)

आवश्यकता है- कैफे में कार्य हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है। वेतन 6500 से 8000 सम्पर्क करें- 12बजे के बाद ब्रूबेरी कैफे एंबियन्स बिजनेस पार्क, सीएमडी कॉलेज के सामने बिलासपुर 7987926453, 0775249069 2 (41566)

आवश्यकता है- अनुभवी सेल्समैन/ सेल्सगर्ल की आवश्यकता है साड़ी, मेंस, किड्स एवं सूट सेक्शन हेतु। 1% कमीशन+ आकर्षक वेतन। सम्पर्क करें- कृष्णा प्रीमियम, पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 7566285241 (41570)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल थ्रीव्हीलर शोरूम में सेल्स मैनेजर, सेल्स एग्जीक्यूटिव युवक, युवतियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-मालवा टीवीएस ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा 88279 48333, 8103515508 (41543)

आवश्यकता है- थोक पुस्तक दुकान में मेहनती काम करने हेतु युवक चाहिए। जिसके पास ड्राइविंग लाइसेंस हो। समय सुबह 10बजे से रात्रि 10बजे तक वेतन 9000 पता- देवांगन बुक स्टाल E-15 सिटी सेन्टर, कॉम्प्लेक्स, मारुति कार शोरूम, शिव टॉकीज रोड, बिलासपुर 62622 27355 (41537)

आवश्यकता है- कुक की आवश्यकता है जो पिज्जा बर्गर एवं फास्ट फूड बना सके। सैलरी योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- Cafe Aura Loyla school road vasant vihar chowk rajkishor nagar bilaspur 8103087764 (41551)

आवश्यकता है-UTN Shop में सर्वे हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए। सैलरी 10000 से 15000 एवं रिसेप्शनिस्ट- 1पद सैलरी 6000, सम्पर्क करें- शॉप नं.-16 प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7999594790 7806007192 (41529)

आवश्यकता है-बिजी सॉफ्टवेयर के अनुभवी कम्प्यूटर जानकार एकाउंटेंट की आवश्यकता है। अनुभव न्यूनतम 2वर्ष बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- गजानन ग्लास मामा भांजा तालाब पुराना हाईकोर्ट रोड शिव टॉकीज बिलासपुर 91110 67200 (41548)

आवश्यकता है-जिला स्तरीय कंपनी भर्ती पद- फॉरेस्ट गार्ड, क्लर्क, वन पाल, चपरासी, हेतु 10वी, 12वी पास लड़के लड़कियां, उम्र- 18-42 सैलरी- 26500 -42500 आवेदन हेतु मार्क सीट, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो व्हाट्सएप/ कॉल करे- 9005465772 (118)

आवश्यकता है-यश सुपर बाजार में बीजी साफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर एवं सेल्समैन की आवश्यकता है। वेतन- 10000 से प्रारम्भ सम्पर्क करें- हरिभूमि के पास गौरव पथ, रिंग रोड नं.-2, बिलासपुर (41557)

आवश्यकता है-Bengal Sweets फैक्ट्री में एक कुक, एक बर्तन साफ करने वाले, एक चाट वाले की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। रहने, खाने की सुविधा है। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- 9343335328 (41556)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल्स दुकान में काम करने हेतु मेहनती युवतियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- प्रकाश इन्टरप्राइजेस सरजू बगीचा रोड तेलीपारा बिलासपुर 9329955344 (41559)

आवश्यकता है-नर्सिंग होम में कार्य करने के लिए ट्रेण्ड नर्स एवं कम्पाउंडर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे होम रिंग रोड नम्बर-2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 99819 70853 (41535)

आवश्यकता है-टायर दुकान में काम करने हेतु युवक की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सिन्ध ऑटो स्टोर्स गांधी चौक बिलासपुर (41554)

आवश्यकता है-सीएमडी चौक, बिलासपुर स्थित फर्नीचर शोरूम में कार्य करने हेतु एक लड़के की आवश्यकता है। अनुभवी उम्मीदवार को प्राथमिकता। मिलने का समय दोपहर 12बजे से शाम 4बजे सम्पर्क करें- 9300611049 (41555)

आवश्यकता है-विज्ञापन एजेन्सी में सुपरवाईजर, इलेक्ट्रीशियन, ई-आटो एवं ड्राईवर, की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सी-15 ग्राउंड फ्लोर, नारायण प्लाजा बिलासपुर 9685542250, 6264550163, 70490 98581 (41545)

आवश्यकता है-परसदा (सकरी) दीनदयाल हाउसिंग बोर्ड कंस्ट्रक्शन साईट में रहकर सिर्फ चौकीदारी काम करने हेतु चौकीदार की आवश्यकता है वेतन 7000 प्रतिमाह 40वर्ष से ऊपर वाले ही सम्पर्क करें- 98274 04638 (41550)

आवश्यकता है- बिलासपुर में वेटर के साथ झाड़ पोछा करने वाले, अनुभवी बिजली मिस्त्री, वेल्डर वेल्डिंग शेड काम का जानकार मिस्त्री की तत्काल आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9406390898, 98279 40898 (41547)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल टूव्हीलर शोरूम में फील्ड सेल्स एग्जीक्यूटिव युवक, युवतियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- जिंदल मालवा टीवीएस बिलासपुर 8827948333, 8103515508 (41544)

आवश्यकता है-एक प्रतिष्ठित कलेक्शन एजेंसी को जशपुर/ लैलूंगा/ पत्थल गांव में निम्न लिखित पदों की आवश्यकता है फील्ड एग्जीक्यूटिव पद-15 सम्पर्क करें-7000324697 पता- ई-जेनेसिस फाइनेंसियल सोलूशन्स (0068)

बेचना है

बेचना है-2BHK फ्लैट चतुर्थ फ्लोर पर फालसिलिंग सहित 26लाख में उसलापुर ओवरब्रिज से पहले शुभम विहार डामर मेन रोड से 200मी. बटरफ़्लाई अपार्टमेंट में सम्पर्क-JBS infra-homes construction हेमूनगर मुर्राभट्ठा तोरवा 9300000195 (41539)

बेचना है-2BHK फ्लैट तृतीय फ्लोर, 29लाख लिफ्ट पार्किंग हेमू नगर, साई मंदिर के पास पाम अपार्टमेंट में डामर मेन रोड से 300मी. सम्पर्क-JBS infr-homes construction हेमू नगर मुर्राभट्ठा तोरवा 93000 00195 (41538)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

Medicare Specialists

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढ़ीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

किराया

किराया- किराए पर फर्निश्ड ऑफिस उपलब्ध नेहरू चौक के पास, वृंदावन प्लाजा में 210 वर्गफुट किराया 27000/- माह प्रथमतल मेनरोड फेसिंग AC, केबिन, फॉल्स सीलिंग, प्रीमियम लाइटिंग, पर्दे सम्पर्क- 9098522711, 7004692389 (41568)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

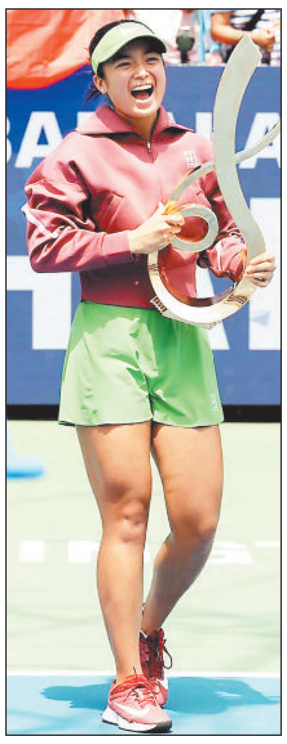

अलेक्जेंड्रा ने जीता पहला डब्ल्यूटीए एकल खिताब

वॉशिंगटन। अलेक्जेंड्रा एला ने जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-0 से हराकर कैरियर का पहला डब्ल्यूटीए टूर खिताब जीत लिया। भारी बारिश के कारण महिला एकल फाइनल दो दिन तक चला। अलेक्जेंड्रा डब्ल्यूटीए टूर पर एकल खिताब जीतने वाली फिलीपीन की पहली खिलाड़ी बन गई। पुरुष फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने रफाएल जोडार को 7-6, 6-4 से हराया।

टेस्ट क्रिकेट के परिपक्व गेंदबाज है जडेजा : पुजारा

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि रक्षात्मक गेंदबाज से हमेशा विकेट की तलाश करने वाले आक्रामक गेंदबाज बनने से रविंद्र जडेजा टेस्ट क्रिकेट में और परिपक्व गेंदबाज बने हैं। पुजारा ने श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से शुरू हो रही टेस्ट श्रृंखला से पहले कहा,' इससे पहले जब रविंद्र जडेजा गेंदबाजी करते थे तो मकसद रन बचाना होता था, खासकर टेस्ट क्रिकेट में। अगर पिच से मदद मिल रही है तो वह विकेट लेने की कोशिश करते थे। लेकिन अगर विकेट मददगार नहीं है तो उनका फोकस रन रोकना होता था।' पुजारा ने कहा ,' उसे अपनी ताकत पता है और उसी के अनुरुप गेंदबाजी करता है। हर मैच में वह स्टम्प पर गेंद डालकर विकेट लेने की कोशिश करता है।

आकिब की सबसे बड़ी ताकत तेज रफ्तार नहीं : पठान

नई दिल्ली। भारत के पूर्व हरफनमौला इरफान पठान का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने जा रहे जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी की सबसे बड़ी ताकत तेज रफ्तार नहीं, बल्कि शीर्ष बल्लेबाजों को रक्षात्मक बल्लेबाजी के दौरान गलती करने पर मजबूर करने की क्षमता है। पठान ने कहा, 'गेंद को स्विंग कराने के लिए आदर्श रफ्तार लगभग 135 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। अगर आप गेंद को देर से स्विंग करा सकते हैं तो आप सफल हो सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'उसकी लय और गेंदबाजी एक्शन को देखते हुए मेरा मानना है कि वह नियमित रूप से 133-135 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार हासिल कर सकता है।'

कैनेडियन ओपन : 39 की उम्र में मॉनफिल्स का धमाका, रिकॉर्ड जीत के साथ दूसरे दौर में

एजेंसी ▶▶| मॉन्ट्रियल

गेल मॉनफिल्स ने पोलैंड के कामिल माजच्रजाक को 6-4, 6-4 से हराकर कैनेडियन ओपन के दूसरे राउंड में जगह बनाई और एक टेनिस प्रो के तौर पर मॉन्ट्रियल में अपने आखिरी दौरे को आगे बढ़ाया। यह अप्रैल में मोंटे-कार्लो के बाद उनकी पहली टूर-लेवल जीत थी।

कैनेडियन एटीपी मास्टर्स 1000 में अपना 15वां और आखिरी मैच खेलते हुए, मोनफिल्स इस इवेंट में मैच जीतने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। 1 सितंबर को वह 40 साल के हो जाएंगे। इस फ्रांसीसी खिलाड़ी से ज्यादा बार इस इवेंट में सिर्फ जॉन मैकनरो और मिखाइल यूजनी (दोनों 16 बार) ने हिस्सा लिया है।

जीत के बाद मॉनफिल्स ने कहा, इस माहौल के लिए शुक्रिया, यहां आने के लिए शुक्रिया, दिल से शुक्रिया, आप लोग कमाल के हैं।

25वीं जीत दर्ज करने वाले नौवें खिलाड़ी बने मॉनफिल्स

ओपन एरा में इस इवेंट में 25 जीत (25-13) दर्ज करने वाले सिर्फ नौवें खिलाड़ी बने मॉनफिल्स ने एटीपी मास्टर्स 1000 लेवल पर कुल 146 जीत दर्ज की हैं,जो बिना मास्टर्स 1000 टाइटल जीते किसी भी खिलाड़ी की सबसे ज्यादा जीत है। मॉन्ट्रियल में वाइल्ड कार्ड एंट्री पाने वाले इस खिलाड़ी ने पूरे मैच के दौरान दर्शकों का मनोरंजन किया। मोनफिल्स ने अपनी दूसरी कोशिश में मैच जीता और दोनों सेट में अपनी मजबूत सर्विस का फायदा उठाया। एटीपी आंकड़ों के मुताबिक, पहली सर्विस पर उनकी जीत का प्रतिशत 84 (26/31) रहा।

अब अमेरिका के लर्नर टिएन से मुकाबला

दूसरे राउंड में उनका सामना टूर्नामेंट के नंबर 12 सीड, अमेरिकी लर्नर टिएन से होगा। वहीं, मारियानो नवोन ने माटेओ बेरेटिनी के खिलाफ 6-3, 6-7(5), 6-3 से जीत हासिल करके अपना पर्सनल रिकॉर्ड बनाया। 2026 में अपनी 19वीं जीत के साथ, नवोन ने एक सीजन में सबसे ज्यादा जीत का अपना पर्सनल-बेस्ट रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले पिछले दो सालों में उन्होंने हर साल 18 जीत हासिल की थीं। एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने बेरेटिनी के खिलाफ 12 में से 11 ब्रेक पॉइंट बचाए और अब वे पिछले पांच एटीपी मास्टर्स 100 टूर्नामेंट में से चार में दूसरे दौर में पहुंच गए हैं। दुनिया के नंबर 41 खिलाड़ी के खिलाफ उनकी यह जीत, एटीपी रैंकिंग में टॉप 50 खिलाड़ियों में से किसी एक के खिलाफ हार्ड-कोर्ट पर उनकी दूसरी जीत है।

भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट गॉल में 15 अगस्त से

श्रीलंका दौरे के लिए टीम इंडिया रवाना साई सुदर्शन की फिटनेस पर सस्पेंस

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ 15 अगस्त से शुरू होने वाली है। इससे पहले, टीम इंडिया 7 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ एक प्रैक्टिस मैच खेलेगी। भारतीय टीम 4 अगस्त को श्रीलंका के लिए मुंबई से रवाना हुई। हालांकि, ध्यान देने वाली बात यह है कि 15 भारतीय खिलाड़ियों में से केवल 14 ही यात्रा कर पाए, जबकि एक खिलाड़ी भारत में ही रह गया। वह खिलाड़ी कोई और नहीं बल्कि बाएं हाथ के बल्लेबाज साई सुदर्शन हैं। उन्हें एयरपोर्ट पर टीम के साथ नहीं देखा गया। अब सवाल यह उठता है कि सुदर्शन भारतीय टीम के साथ क्यों नहीं गए? जब टीम की घोषणा की गई थी, तो बीसीसीआई ने कहा था कि सीरीज़ में सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह दोनों की भागीदारी उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी। बुमराह फिटनेस टेस्ट पास करने में विफल रहे और भारतीय बोर्ड ने उनकी जगह आकिब नबी का नाम शामिल किया, लेकिन सुदर्शन को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है।

बीसीसीआई के फैसले पर टिकी नजर

बुमराह के रिप्लेसमेंट की घोषणा करते समय भी, बीसीसीआई ने दोहराया कि सुदर्शन की भागीदारी अभी भी उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी। यह देखना दिलचस्प होगा कि बीसीसीआई इस पर क्या फैसला लेता है। सुदर्शन के अब तक के टेस्ट करियर को देखें तो उन्होंने 7 मैच खेले हैं। 12 पारियों में उन्होंने 31.91 की औसत से 383 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 87 रन है।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

3-दिवसीय वार्म-अप मैच
7 अगस्त से

पहला टेस्ट
15 से 19 अगस्त, गाले इंटरनेशनल स्टेडियम, गाले

दूसरा टेस्ट
23 से 27 अगस्त, सिंहलीज़ स्पोर्ट्स क्लब, कोलंबो

राहुल और यशस्वी ने नेट पर किया स्पिनरों का सामना

भारतीय क्रिकेट टीम के श्रीलंका दौरे के लिए रवाना होने से पहले केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने मुंबई में खास ट्रेनिंग की। उन्होंने एक एकेडमी में जाकर अलग-अलग तरह के स्पिनर्स की गेंदों का सामना किया। श्रीलंका में दो टेस्ट की सीरीज के दौरान स्पिनर्स का बोलबाला रहने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में राहुल और जायसवाल ने फिरकी गेंदों का खूब सामना किया। उन्होंने हर तरह के स्पिनर्स को खेला। यह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2027 के लिहाज से अहम सीरीज रहने वाली है। ऐसे में भारत के ओपनर्स केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने मुंबई में बैटिंग प्रैक्टिस की।

लुसाने डायमंड लीग

नीरज के सामने एक बार फिर पथिरागे और नदीम की चुनौती

21 अगस्त को होगा टूर्नामेंट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा 21 अगस्त को लुसाने डायमंड लीग में राष्ट्रमंडल चैंपियन और इस सत्र में सबसे आगे चल रहे श्रीलंका के रूमेश पथिरागे का सामना करना पड़ेगा। इस टूर्नामेंट में ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में भाग ले चुके पांच खिलाड़ी नजर आएंगे।

ग्लास्गो में सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके 85.83 मीटर का थ्रो फेंकने वाले चोपड़ा का सामना ओलंपिक चैंपियन पाकिस्तान के अरशद नदीम, मौजूदा विश्व चैंपियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकाट और पूर्व विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स से होगा।

तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के याकूब वालेश, जर्मनी के जूलियन वेबर, स्विटजरलैंड के सिमोन वीलैंड और अमेरिका के कुर्टिस थॉम्पसन भी इसमें नजर आएंगे।

पांच सुपरस्टार टूर्नामेंट में लेंगे भाग

आयोजकों ने कहा,' पिछले चार ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप जीत चुके भालाफेंक के पांच सुपरस्टार 21 अगस्त को इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे।' चोट से उबरने के बाद यह चोपड़ा का तीसरा टूर्नामेंट होगा।

कृष्ण-पृथ्वी ने सिर्फ 42 मिनट में थाई जोड़ी को हराया

एजेंसी ▶▶| आसान

कृष्ण प्रसाद गारगा और पृथ्वी कृष्णमूर्ति राय ने चेलोमपोन चेरोनकितामोर्न और वोरापोल थोंग्सा एनगा की थाईलैंड की छठी वरीय जोड़ी को सीधे गेम में हराकर उलटफेर करते हुए कोरिया मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में जगह बनाई।

भारतीय जोड़ी ने अपने से बेहतर रैंकिंग वाली जोड़ी को सिर्फ 42 मिनट में 21-16 21-18 से हराया। कृष्ण प्रसाद और पृथ्वी अगले दौर में जुनसुके कुबो और जिया हाओ होविन वोंग की सिंगापुर की जोड़ी तथा यंग ह्युक किम और तेइ योंग शिन की कोरिया की जोड़ी के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे।

प्रिया और श्रुति को करना पड़ा हार का सामना

अच्युतादित्य राव डोडावारप्पु और अर्जुन रेड्डी पोचाना की भारत की एक अन्य पुरुष युगल टीम को हालांकि कोरिया के सोल ग्यु चोई और मलेशिया के वी शेम गोह की जोड़ी के खिलाफ एकतरफा मुकाबले में 3-21 10-21 से हार झेलनी पड़ी। प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की भारत की महिला युगल टीम को भी रिरिना हिरामोतो और कोकोना इशिकावा की जापान की दूसरी वरीय जोड़ी के खिलाफ 15-21 13-21 से हार का सामना करना पड़ा।

जापान के शोगो ओगावा से हारे तुषार सुवीर

पुरुष एकल क्वालीफायर के पहले दौर में भारत के तुषार सुवीर ने कनाडा शौर्य गुलाइया को 21-15 21-12 से हराया लेकिन अगले दौर में जापान के शोगो ओगावा के खिलाफ 10-21 17-21 से हार गए।

दूसरा टेस्ट: वेस्टइंडीज के खिलाफ पाकिस्तान की स्थिति मजबूत

एजेंसी ▶▶| पोर्ट आफ स्पेन

अब्दुल्ला शफीक और बाबर आजम के बीच तीसरे विकेट की 168 रन की अटूट साझेदारी के दम पर पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन अपनी स्थिति मजबूत कर ली। वेस्टइंडीज ने 5 विकेट पर 239 रन से आगे खेलते हुए पहली पारी में 344 रन बनाए। अजान अवैस (55) ने पाकिस्तान को अच्छी शुरुआत दी, जिसके बाद शफीक और बाबर की साझेदारी के दम पर पाकिस्तान ने दो विकेट पर 266 रन बना लिए। शफीक 107 रन बनाकर और कप्तान बाबर 86 रन बनाकर खेल रहे हैं।

वेस्टइंडीज ने जीता था पहला टेस्ट

वेस्टइंडीज ने पहला टेस्ट 90 रन से जीता था। अवैस ने इमामुल हक (14) के साथ पहले विकेट के लिए 34 रन जोड़े थे। इसके बाद शफीक के साथ दूसरे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी की। वह जोमेल वारिकन की गेंद पर स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में पगबाधा आउट हुए।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर
NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY RAIPUR
(An Institute of National Importance)
Under Ministry of Education, Govt. of India
G.E. Road, Raipur - 492010 (CG)

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर सिविल कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित करता है जिसका विवरण निम्नानुसार हैः- **Name of work: Renovation and civil repair maintenance works in quarter no. E-47 & E-48 at NIT campus Raipur. Enquiry no. : No./NITRR/EE/EO/ETender/2026/0274 Raipur Dtd.: 03-08-2026 (1st call)** जो की ई-निविदा के माध्यम से **www.tenderwizard.in/NITR** पोर्टल पर करना है। निविदा जमा करने कि अंतिम तिथि **10/08/2026 18:00** बजे तक व निविदा खुलने की तिथि **11/08/2026 16:00** बजे।
फॉर्म व अन्य जानकारियाँ वेबसाइट **www.nitrr.ac.in** व **www.tenderwizard.in/NITR** से डाउनलोड की जा सकती है।

-सही-
कार्यपालन अभियंता
संपदा विभाग, एन.आई.टी.रायपुर
ASA

पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

गिर बुल मदर फार्म

क्र. 601/प.चि.म./बिलासपुर/एल.एफ.सी./ बिलासपुर, दिनांक 04/08/2026

// हरित चारा क्रय के लिए संक्षिप्त निविदा सूचना //

गिर बुल मदर फार्म, पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के लिए हरित चारा क्रय हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। आवश्यक निविदा प्रपत्र और संबंधित शर्तें महाविद्यालय की वेबसाइट www.dsvckvdurg.ac.in से डाउनलोड की जा सकती है और निविदा 04/09/2026 को शाम 3.00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। वैध प्राप्त निविदाओं को 04/09/2026 को शाम 4.00 बजे से अधिष्ठाता, पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के कार्यालय में खोला जाएगा।

प्रभारी
लाईव्ह स्टॉक फार्म कॉम्पलेक्स

HDFC BANK **HDFC Bank Ltd.**
शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर - 492001
Tel: 0771-4243149/149 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

ई-नीलामी विक्रय सूचना
नीलामी की तिथि एवं समय :- 10-सितंबर-2026, सुबह 10.30 बजे से सुबह 11.00 बजे
(बिक्री समाप्त होने तक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)

एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत् माननीय एनसीएलटी-मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री नोटिस जारी करता है। वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और सुरक्षाहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की संख्या, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के प्रावधानों के साथ पठित।
एतद द्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) और गारंटीकर्ता (ओं) को कॉलम (ए) में इंगित किया गया है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति (बंध) कॉलम (सी) में वर्णित है जो सुरक्षित व्यक्ति को गिरवी रखी गई है। लेनदार, जिसका भौतिक कब्जा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कॉलम (डी) में वर्णित सुरक्षित लेनदार द्वारा लिया गया है, 'जैसा है जहां है', 'जैसा है' पर बेचा जाएगा। क्या है', और 'जो कुछ भी है' नीचे दिए गए विवरण के अनुसार:
एतद्द्वारा, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के अंतर्गत कॉलम (ए) में दर्शाए गए संबंधित उधारकर्ता/बंधककर्ता(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारियों, कानूनी प्रतिनिधियों (ज्ञात या अज्ञात), निष्पादक(ओं), प्रशासक(ओं), उत्तराधिकारी(ओं) और समनुदेशितियों को, जैसा भी मामला हो, सूचना दी जाती है।
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट यानी www.hdfcbank.com में दिए गए लिंक को देखें।

	(A)	(B)	(C)	(D)	(E)	(F) / (G)
स. क्रं.	ऋणी(यों) का नाम	वसूल की जाने वाली बकाया राशि (प्रतिभूत ऋण) (रु.)*	अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति का विवरण (1 वर्गमीटर 10.76 वर्गफुट के बराबर है)	कब्जे का प्रकार	आरक्षित मूल्य (रु.)	ब्याना जमा राशि (रु.) / बोली वृद्धि राशि (रु.)
1.	**श्री चौरसिया विशाल गौरीशंकर** एचआईजी 11, दिनदयाल कॉलोनी, खैरागढ़ रोड, चिखली वार्ड क्रमांक 06, राजनांदगांव- 491441. **श्री चौरसिया विशाल गौरीशंकर** स्पर्श ऑटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड, मारुति सुजुकी शोरूम, मनकी रोड के पास, राजनांदगांव - राजनांदगांव - 491441. **श्रीमती चौरसिया भारती विशाल** एचआईजी 11, दिनदयाल कॉलोनी, खैरागढ़ रोड, चिखली वार्ड नंबर 06, राजनांदगांव- 491441.	₹ 24,15,577/- 28 फरवरी 2025* की स्थिति में	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की यूनिट- एलआईजी-I-03, क्षेत्रफल 58.50 वर्ग मीटर/629.46 वर्ग फुट, खसरा संख्या 9/1, छ.ग. गृह निर्माण मंडल, दीन दयाल आवास योजना, चिखली, वार्ड-6, प.ह.-39, तहसील एवं जिला राजनांदगांव में स्थित है। जिसकी **चौहद्दी**:-उत्तर में एलआईजी-I-22, दक्षिण में कॉलोनी रोड, पूर्व में एलआईजी-I-02, एवं पश्चिम में एलआईजी-I-04, कुल क्षेत्रफल 58.50 वर्ग मीटर या 629.46 वर्ग फुट है। **लेटिट्यूड- 21.116377, लांगिट्यूड-881.041171.**	भौतिक	₹25,19,000/-	₹2,51,900/- / ₹ 5,000/-
2.	**श्री रोक्कम श्रीधर** 558 पंचशील नगर पूर्व, पोस्ट बी.एम.वाई., चरोदा वार्ड 20, भिलाई चरोदा दुर्ग, भिलाई-493441. **श्री रोक्कम श्रीधर** मै. श्री ब्रदर्स इंटरप्राइजेज, 01 ग्राम सांकरा, तहसील धरसीवा, पोस्ट सोंद्रा, रायपुर 492001. **श्रीमती आर रजनी** 558 पंचशील नगर पूर्व, पोस्ट बी.एम.वाई., चरोदा वार्ड 20, भिलाई चरोदा दुर्ग, भिलाई-493441. **श्रीमती आर रजनी** मैसर्स. श्री ब्रदर्स इंटरप्राइजेज, 01 ग्राम सांकरा, तहसील धरसीवा, पोस्ट सोंद्रा, रायपुर 492001.	₹ 9,23,756/- 31 जनवरी 25* की स्थिति में	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की यूनिट एल-76, क्षेत्रफल 690 वर्ग फुट है, खाता संख्या 323, खसरा संख्या 88/2, लोटस सिटी, प.ह.नं.-4, रानिमं-भिलाई-3, ग्राम-परसादा, तहसील-पाटन एवं जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़ **चौहद्दी**:- उत्तर में प्लॉट संख्या एल-65, दक्षिण में रास्ता, पूर्व में प्लॉट संख्या एल-75 एवं पश्चिम में प्लॉट संख्या एल-77, कुल क्षेत्रफल 690 वर्ग फुट (64.12 वर्ग मीटर) है। **लेटिट्यूड-21.236783 लांगिट्यूड-81.521741.**	भौतिक	₹10,74,000/-	₹1,07,400/- / ₹ 5,000/-
3.	**श्री चक्रवर्ती कुणाल** मकान नं. 123/पी, पारिजात, मोंगरा, जूही, ब्लॉक बी, तालपुरी, दुर्ग तालपुरी वार्ड 63, भिलाई नगर, दुर्ग - छत्तीसगढ़, पिन - 491001 - भारत। **श्री चक्रवर्ती कुणाल** टाइडल हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, घाटकोपर-पश्चिम, ए-101, घाटकोपर इंडस्ट्रियल एस्टेट, एलबीएस मार्ग, घाटकोपर-पश्चिम मुंबई - 400086. **श्रीमती चक्रवर्ती तृप्ति** मकान नं. 123/पी, पारिजात, मोंगरा, जूही, ब्लॉक बी, तालपुरी, दुर्ग तालपुरी वार्ड 63, भिलाई नगर, दुर्ग - छत्तीसगढ़, पिन - 491001 - भारत।	₹ 4,77,291/- 31 अगस्त 24* की स्थिति में	फ्लैट-123/O, तीसरी मंजिल, पारिजात अपार्टमेंट्स, स.क्र., ट्विन सिटी तालपुरी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, आमदी; रुआबन्धा; भिलाई छत्तीसगढ़, कुल निर्मित क्षेत्रफल-365.19 वर्ग फुट (33.94 वर्ग मीटर), **लेटिट्यूड-21.170860, लांगिट्यूड- 81.323730**	भौतिक	₹4,93,000/-	₹49,300/- / ₹ 5,000/-
4.	**टीकम श्वेता,** द्वारा कन्हैया लाल टीकम, होटल पूनम कॉम्प्लेक्स, सर्किट हाउस रोड, चांदनी चौक बस्तर, जगदलपुर-छत्तीसगढ़ 494001. **टीकम श्वेता,** मै. श्वेता टीकम, अतिथि होटल के पीछे, शांति नगर, जगदलपुर - छत्तीसगढ़ 494001.	₹ 27,92,226/- 31 दिसंबर 24* की स्थिति में	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की रिहायशी फ्लैट/अपार्टमेंट क्षेत्रफल बिल्टअप एरिया-758 वर्गफीट (कारपेट एरिया-711 वर्गफीट) खसरा नं.-148/8, 148/122 एवं 148/23, भाग-मौजा-जगदलपुर, फ्लैट नं.-509, पांचवा तल, ब्लॉक-बी, अविनाश अतुल्य अपार्टमेंट, प.ह.नं.-05, वार्ड नं. 21, राजेन्द्र नगर वार्ड, तहसील जगदलपुर, जिला-बस्तर छत्तीसगढ़ एवं **चौहद्दी**:-उत्तर में रास्ता, दक्षिण में खुला क्षेत्र, पूर्व में फ्लैट संख्या बी 508 एवं पश्चिम में फ्लैट संख्या बी 510, कुल क्षेत्रफल 948 वर्ग फुट। बिल्टअप एरिया 758 वर्ग फुट, कारपेट एरिया 711 वर्ग फुट। **लेटिट्यूड-19.077028, लांगिट्यूड- 82.005616.**	भौतिक	₹26,58,000/-	₹2,65,800/- / ₹ 5,000/-
5.	**श्रीमती तिवारी मंजू** पत्नी श्री तिवारी मयंक मौली (मृतक के बाद से) अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, उत्तराधिकारी, मकान नंबर- 191, 07, वार्ड नंबर 35, जोन 3, दुर्गा मंदिर, खुर्सीपार, भिलाई, दुर्ग छत्तीसगढ़ 493441.	₹ 18,80,745/- 30 जून 22* की स्थिति में	प्लॉट सर्वे आईडी नंबर 23, प्लॉट साई किराना के पास, घर, व्यवस्था योजना अंतर्गत, जिला दुर्ग, न्यू खुर्सीपुर, वार्ड 32 सिंधी कॉलोनी के पीछे, गुरुद्वारा, दुर्ग छ.ग. कुल क्षेत्रफल- 56.05 वर्ग मीटर, भूतल बिल्टअप एरिया-56.05 वर्ग मीटर प्रथम तल- 56.05 वर्ग मीटर, **लेटिट्यूड**-21.208541, **लांगिट्यूड**-81.404368.	भौतिक	₹17,31,000/-	₹1,73,100/- / ₹ 5,000/-
6.	**श्री सिंह निर्मल जीत** सर्व जीत सिंह फ्लैट नंबर ईडब्ल्यूएस नंबर 11, ब्लॉक 9, दूसरी मंजिल, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, महुरत रिसॉर्ट, पिरदा 2, कुरुद कैंप, रायपुर - 492101. **श्री सिंह निर्मल जीत** टेली परफॉर्मेंस ग्लोबल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, 408, उद्योग विहार, गुड़गांव - 122001.	₹ 7,15,667/- 31 अक्टूबर 24* की स्थिति में	समस्त भाग एवं आंशिक भाग का फ्लैट नं.-एल.आई.जी.-09, दूसरी मंजिल, ब्लॉक-12, क्षेत्रफल- 614.40 वर्ग फुट, खसरा संख्या 617 भाग, पीरदा, रायपुर, साइट-बी (सामान्य आवास योजना), प.ह.नं.-43, तहसील एवं जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ में स्थित, और उत्तर में 7.5 मीटर चौड़ी सड़क, दक्षिण में निजी भूमि, पूर्व में सार्वजनिक परिवहन विभाग की सड़क और पश्चिम में एल.आई.जी. ब्लॉक-13 से घिरा हुआ है। कुल क्षेत्रफल- 57.10 वर्ग मीटर या 614.40 वर्ग फुट, **लेटिट्यूड**-21.250944,**लांगिट्यूड**-81.740417.	भौतिक	₹7,75,000/-	₹77,500/- / ₹ 5,000/-

सुरक्षित संपत्ति के निरीक्षण की तिथि और समय :- 22-अगस्त-2026, सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे
बोली की अंतिम तिथि :-08-सितंबर-2026, शाम 5.00 बजे के पहले

* साथ में अतिरिक्त ब्याज, जैसा लागू हो, भुगतान की तारीख और/या उसकी प्राप्ति तक किए गए आकस्मिक व्यय, लागत, प्रभार आदि।
ऋणभार/दावों का खुलासा: 1. HDFC के अधिकृत अधिकारी की जानकारी और ज्ञान के अनुसार, सीरियल नंबर 1-5 वाली अचल संपत्तियों/सुरक्षित संपत्तियों पर कोई बोझ नहीं है। 2. आइटम सीरियल नंबर 6 के लिए, इन्वेंट्री मौजूद है। उक्त संपत्ति के खरीदार को अनिवार्य रूप से यह इन्वेंट्री खरीदनी होगी।
संपत्ति के निरीक्षण से संबंधित किसी भी सहायता के लिए, या ई-नीलामी बोली दस्तावेज प्राप्त करने के लिए और किसी भी अन्य प्रश्न के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी श्री लोकेश माहोरे से टेलीफोन नंबर 871800900 या श्री अंशुल अग्रवाल से टेलीफोन नंबर 9713436260 या मेसर्स वैल्यू ट्रस्ट कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से संपर्क करें; ई-मेल: Auction.Manager@BidDeal.in ; संपर्क नंबर: +919266604643.

दिनांक: 05 अगस्त, 2026
स्थान: दुर्ग, राजनांदगांव, जगदलपुर, रायप
रजिस्टर्ड पता-एच.डी.एफ.सी. बैंक हाउस, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई-400013
एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
प्राधिकृत अधिकारी
ASA

एक तस्वीर में कैद हुईं 5 लाख से ज्यादा गैलेक्सी और 50 हजार तारे

हर दिन एडवांस होती टेक्नोलॉजी से ऐसा डिजिटल कैमरा तैयार हुआ है, जो एक बार में ही लाखों गैलेक्सी और हजारों तारों को कैमरे में कैद कर लिया। 3.2-गीगापिक्सल के सुपर-कैमरे ने अंतरिक्ष के एक छोटे से कोने की ऐसी डीप व्यू तस्वीर ली है, जिसमें 5,00,000 से ज्यादा गैलेक्सी और 50,000 तारे चमचमाते नजर आ रहे हैं।

वॉशिंगटन। यह सिर्फ एक फोटो नहीं, बल्कि अरबों साल पुराने अंतरिक्ष के इतिहास की सबसे साफ झलक है। वैज्ञानिकों ने ब्रह्मांड का अब तक का सबसे साफ और गहरा दृश्य दुनिया के सामने पेश किया है। चिली में बने वेरा सी. रुबिन ऑब्जर्वेटरी के जरिए वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष के एक खास हिस्से की एक ही फ्रेम की तस्वीर जारी की है। इसमें 5 लाख से ज्यादा आकाशगंगाएं यानी गैलेक्सी और 50,000 से ज्यादा तारे साफ नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को खींचने के लिए इंसानों द्वारा बनाए गए अब तक के सबसे बड़े डिजिटल कैमरे का इस्तेमाल किया गया है।

कैसे खींची गई ये तस्वीर?

यह तस्वीर किसी एक क्लिक में नहीं ली गई है। इस करिश्मे के पीछे रुबिन ऑब्जर्वेटरी में लगा 3.2-गीगापिक्सल यानी 3.2 अरब पिक्सल क्षमता वाले एलएसएसटी कैमरा और 8.4-मीटर का सिमोनी सर्वे टेलीस्कोप है। वैज्ञानिकों ने कई सौ अलग-अलग तस्वीरों को एक के ऊपर एक स्टैक यानी रखकर लैयरिंग किया। जब सैकड़ों तस्वीरों का एक्सपोजर आपस में मिला, तो बहुत दूर और बहुत धुंधली दिखने वाली गैलेक्सी की रोशनी भी साफ उभरकर सामने आ गई।

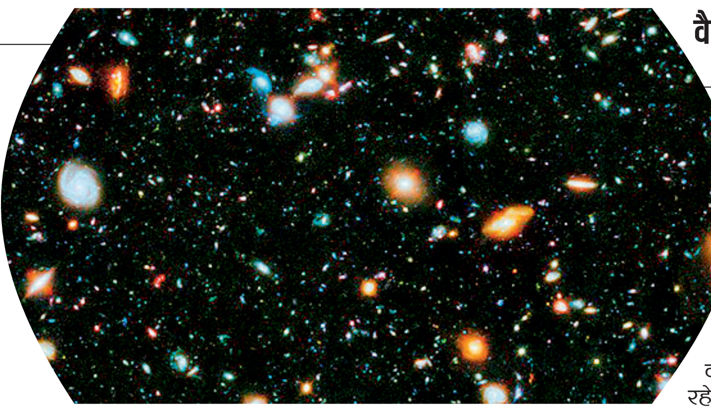

वैज्ञानिकों की पहली पसंद क्यों है अंतरिक्ष का यह कोना?

जिस जगह की यह तस्वीर ली गई है, उसे कॉस्मॉस फील्ड कहते हैं। वैज्ञानिक पिछले 20 सालों से अंतरिक्ष के इसी हिस्से का रिसर्च कर रहे हैं। कम रुकावट, साफ नजारा: यह हिस्सा हमारी अपनी आकाशगंगा के घने इलाके और धूल के बादलों से दूर है। इस वजह से यहां से दूर-दराज की गैलेक्सी एकदम साफ दिखाई देती हैं। अंतरिक्ष में जितना दूर हम देखते हैं, दरअसल हम समय में उतना ही पीछे देख रहे होते हैं।

ब्रह्मांड का सबसे विस्तृत रिकॉर्ड

रुबिन ऑब्जर्वेटरी का असली मकसद 10 साल का एक महा-मिशन है, जिसे लेगेसी सर्वे ऑफ स्पेस एंड टाइम नाम दिया गया है। यह अर्ली डेटा प्रीव्यू 2 अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच जुटाए गए डेटा पर आधारित है। यह तस्वीर रात के करीब 3,000 स्क्वायर डिग्री के दायरे को कवर करती है, जो दक्षिणी गोलार्ध के दिखाई देने वाले आसमान का करीब छठा हिस्सा है। एनएसएफ एनओआईआरलैब में रुबिन ऑब्जर्वेटरी के निदेशक बॉब ब्लम के मुताबिक, यह तो बस शुरुआत है। आने वाले सालों में जब इस जगह की बार-बार तस्वीरें ली जाएंगी, तो सुपरनोवा यानी तारे के विस्फोट जैसी अल्पकालिक खगोलीय घटनाओं को लाइव देखने और समझने का मौका मिलेगा।

रोचक खबरें

कांगो के भयानक जंगलों में दिखा शेर की तरह दहाड़ने वाला लंगूर

ब्यूनस आयर्स। आपने गांव-शहर में बंदर तो बहुत सारे देखे होंगे, जो अपनी अठखेलियों से किसी का भी मन मोह लेते हैं। अब दुनिया में पहली बार बंदर की ऐसी प्रजाति का पता चला है, जिसके बारे में आज तक न तो कभी सुना गया और न ही कभी उसे किसी ने देखा था। वह ऊपर से नीचे तक एकदम काले रंग का लंगूर है, जो अफ्रीका के एक देश के घने जंगलों में रहता है। पहली बार उसका फोटो सामने आने के बाद पूरी दुनिया हैरान है और उसके बारे में ज्यादा जानकारी पाने को उत्सुक है। साइंस न्यूज वेबसाइट के मुताबिक, यह अद्भुत बंदर कांगो के घने जंगलों में रहता है। पूरी तरह काले रंग वाले इस लंगूर की आधी-अधूरी फोटो पहली बार 2008 में दुनिया के सामने आई थी। उस दौरान कैमरे को देखते ही लंगूर ने उसकी ओर अपनी पीठ कर ली थी। जिसके चलते दुनिया को केवल उसकी काली खाल और पूंछ का एक हिस्सा ही दिखा। लेकिन, यह फोटो फ्लोरिडा अटलांटिक यूनिवर्सिटी के जीवविज्ञानी ज्यूनियर अंबोको और उनकी टीम की उत्सुकता जगाने के लिए काफी था। उनके मन में सवाल था कि क्या यह विज्ञान की दुनिया से छुपा कोई नया जीव था, जिसके बारे में दुनिया को आज तक कुछ पता नहीं था? इसके बाद अंबोको और उनकी टीम ने इस पहेली को सुलझाने का फैसला किया। वे 2018 में कांगो के उस जंगल में लौटे और 4 साल तक वहां रहे। रिसर्च के दौरान उन्हें पता चला कि वह 'रहस्यमयी लंगूर' बंदरों की 7 अन्य प्रजातियों और बोनोबो (एक प्रकार के चिंपैंजी) के साथ रहता था। वह लंगूर शेर की तरह भारी दहाड़ निकालता था। रिसर्च के दौरान टीम की नर लंगूर के मुंह के पास बने खास नारंगी धब्बे पर पड़ी. उन्होने स्थानीय पार्क

आसमान में तैरने लगीं लपटें! क्या वाकई बादलों में लग गई आग ?

न्यूयार्क। आसमान में तैरती हरी, नीली और नारंगी रंग की लपटें... ऐसा लगता है मानो बादलों के बीच आग नाच रही हो! पहली नजर में देखने पर हर किसी की सांसें थम जाएं, कि आसमान में आग कैसे लग गई। लेकिन जरा रुकिए... बादलों में दिख रही आग जैसी रंगीन चमक न तो कोई आग है और न ही आसमान में हुआ कोई हादसा। वेस्ट वर्जीनिया के आसमान में कैद हुए इस हैरतअंगेज नजारे ने सोशल मीडिया से लेकर वैज्ञानिक दुनिया तक सबको हैरान कर दिया है। आसमान में तैरती हरी, नीली और नारंगी रंग की लपटों को देखकर भले ही आग जैसी लग रही हों, लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका न तो आग से कोई संबंध है और न ही यह बारिश वाले इंद्रधनुष की तरह बनता है। ऐसे में सवाल उठता है कि फिर आखिर यह क्या है? साइंस की दुनिया में इस घटना को सरकमहॉरिजॉन्टल आर्क कहते हैं। यह एक दुर्लभ ऑप्टिकल घटना है, जो तब बनती है जब सूर्य की किरणें हवा में मौजूद लाखों छोटे-छोटे बर्फ के क्रिस्टल से होकर गुजरती हैं। यह शानदार नजारा साल 2021 में वेस्ट वर्जीनिया की नॉर्थ फोर्क माउंटेन के पास कैमरे में कैद किया गया था, जिसमें बादलों के नीचे आग की लपटों जैसे रंगीन पैटर्न बनते देखे गए थे। यह पूरी प्रक्रिया आसमान में एक प्राकृतिक प्रिज्म की तरह काम करती है। जब सूरज की रोशनी चपटे और षट्कोणीय बर्फ के क्रिस्टल से टकराती है, तो वह परावर्तित होकर सात रंगों में बंट जाती है। इस घटना के होने के पीछे कुछ खास वायुमंडलीय स्थितियों का एक साथ होना बहुत जरूरी है।

आदर्श स्थितियों में भी 146 से 194 साल ही है इंसान की उम्र की सीमा

इंसान हमेशा से अमर होने का सपना देखता आया है। वैज्ञानिक भी सदियों से ऐसी दवाओं और टेक्निकों की तलाश में हैं, जिससे इंसान की उम्र बढ़ाई जा सके, लेकिन हाल ही में रूस के वैज्ञानिकों ने इस मामले पर एक चौंकाने वाला खुलासा किया है।

मास्को। इंसान अमर होने का कितना भी इलाज ढूंढ ले, लेकिन ये नामुमकिन है। जानिए रूसी वैज्ञानिकों के नए गणितीय मॉडल ने उम्र की सीमा को लेकर क्या बड़ा खुलासा किया है। स्कोलटेक और एआईआरआई के रिसर्चर्स का कहना है कि, अगर दुनिया से सारी बीमारियां खत्म भी हो जाएं, तब भी इंसान 146 से 194 साल से ज्यादा नहीं जी सकता। इसकी सबसे बड़ी वजह हमारे दिमाग और दिल की वो सेलस हैं, जो समय के साथ खुद को बदल नहीं पातीं। नई स्टडी ने साफ कर दिया है कि शरीर को कितना भी फिट रख लिया जाए, फिर भी एक समय के बाद सांसें थमना तय है। इंसानी शरीर की अपनी एक तय सीमा है, जिसे पार करना फिलहाल नामुमकिन नजर आता है।

क्या इंसान अमर हो सकता है? वैज्ञानिकों की रिसर्च से खुलासा

डीएनए में होने वाले ये बदलाव लेते हैं जान

अब आप सोच रहे होंगे कि, आखिर सोमैटिक म्यूटेशन है क्या? दरअसल, ये डीएनए में होने वाले वो छोटे छोटे अनचाहे बदलाव हैं, जो उम्र बढ़ने के साथ शरीर में जमा होते रहते हैं। हमारी स्किन या लिवर के सेल तो नई बनती रहती हैं, जिससे वो लंबे समय तक खुद को बचा लेती हैं, लेकिन हमारे दिमाग के न्यूरॉन्स और दिल की मांसपेशियां एक बार बनने के बाद दोबारा डिवाइड नहीं होतीं। यही वजह है कि इन ऑर्गन में लोस लगातार बढ़ता जाता है और आखिर में शरीर काम करना बंद कर देता है।

अमर होना क्यों है नामुमकिन?

स्कोलकोवो इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी यानी स्कोलटेक और आर्टिफिशिअल इंटेलिजेंस रिसर्च इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने इस रिसर्च को मिलकर पूरा किया है। उनका कहना है कि अगर हम कैंसर, दिल की बीमारी जैसी हर जानलेवा बीमारी का इलाज खोज लें, तब भी इंसान की उम्र करीब 156 साल के आसपास ही रहेगी। ज्यादा से ज्यादा कोई व्यक्ति 194 साल तक खींच सकता है। इसकी मुख्य वजह हमारे शरीर के अंदर जमा होने वाले सोमैटिक म्यूटेशन हैं।

फ्यूचर के इलाज के लिए कितनी जरूरी है ये स्टडी?

वैज्ञानिकों का मानना है कि इस रिसर्च से हमें ये समझने में मदद मिलेगी कि एंटी-एजिंग रिसर्च में सबसे ज्यादा ध्यान किस चीज पर देना चाहिए। सिर्फ बीमारियों को रोकना काफी नहीं है, बल्कि दिल और दिमाग के सेलस को कमजोर होने से बचाना असली चैलेंज है। आने वाले समय में वैज्ञानिक इस मॉडल में माइटोकॉन्ड्रिया की खराबी और टेलोमेयर के छोटे होने जैसे कारणों को जोड़कर इंसानी उम्र पर और गहरा अध्ययन करेंगे।

पैदल चलने से बनेगी बिजली! 12 साल के छात्र ने किया नामुमकिन कारनामा

लंदन। आज के समय में जब पूरी दुनिया स्वच्छ ऊर्जा और बिजली की बढ़ती मांग को लेकर चिंतित है, तब मैसाचुसेट्स के कैमब्रिज के एक 12 साल के छात्र ने एक ऐसा कमाल कर दिखाया है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। छठी कक्षा में पढ़ने वाले अहमद अब्देलसलाम ने एक ऐसी तकनीक विकसित की है जो हमारे रोजमर्रा के चलने-फिरने और हरकतों को उपयोगी बिजली में बदल सकती है। अहमद का यह आविष्कार न केवल पर्यावरण को बचाने की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि उन्हें अमेरिका की सबसे प्रतिष्ठित विज्ञान प्रतियोगिता 3एम यंग साइंटिस्ट चैलेंज 2026 के टॉप 10 फाइनलिस्ट में भी शामिल कर चुका है।

क्या है वरदा तकनीक और यह कैसे काम करती है : अहमद अब्देलसलाम के इस आविष्कार का नाम वरदा है। यह प्रोजेक्ट ऊर्जा हार्वेस्टिंग की अवधारणा पर आधारित है। जब हम चलते हैं, हवा चलती है या समुद्र की लहरें उठती हैं, तो बहुत सारी गतिज ऊर्जा पैदा होती है जो आमतौर पर बेकार चली जाती है। वरदा तकनीक इसी व्यर्थ जाने वाली ऊर्जा को कैप्चर करके इसे सीधे इस्तेमाल में आने वाली बिजली में बदल देती है। अहमद का मानना है कि छोटे-छोटे प्रयासों से भी पर्यावरण के लिए बहुत बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

$25,000 का ग्रैंड प्राइस और भविष्य के सपने : इस प्रतियोगिता के फाइनल दौर के लिए सभी 10 उम्मीदवार सेंट पॉल, मिनेसोटा में 12 और 13 अक्टूबर को एकत्र होंगे। यहां उन्हें अपने प्रोजेक्ट पेश करने होंगे और लाइव चुनौतियों को हल करना होगा। जीतने वाले प्रतियोगी को 'अमेरिका का टॉप यंग साइंटिस्ट' का खिताब और $25,000 का नकद इनाम मिलेगा।

3एम यंग साइंटिस्ट चैलेंज 2026 में पाई जगह

अहमद के इस क्रांतिकारी आइडिया ने उन्हें '2026 3एम यंग साइंटिस्ट चैलेंज के शीर्ष 10 फाइनलिस्टों में जगह दिलाई है। यह प्रतियोगिता 11 से 14 वर्ष की आयु के अमेरिकी छात्रों के लिए आयोजित की जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य उन युवा नवप्रवर्तकों को पहचानना है जो विज्ञान और तकनीक का उपयोग करके वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करते हैं। फाइनलिस्ट बनने के बाद अहमद को अब 3एम के वरिष्ठ वैज्ञानिक अभिषेक श्रीवास्तव का मार्गदर्शन मिल रहा है।

अनोखा घर... जिसके एक राज्य में है किचन और दूसरे राज्य में बेडरूम

हैदराबाद। सोचिए कैसा हो अगर आपको खाना पकाने के लिए एक राज्य से दूसरे राज्य जाना पड़े और सोने के लिए वापस अपने राज्य में आना पड़े। जानकर हैरानी होना लाजिमी है, लेकिन भारत में एक ऐसा अनोखा घर मौजूद है जो दो राज्यों की सीमा के बिल्कुल बीचोंबीच स्थित है। दरअसल, भारत के जीवरगाडा (महाराजगुड़ा) गांव में रहने वाले पवार परिवार के साथ रोज ऐसा ही होता है। उनके घर के ठीक बीचों बीच से दो राज्यों की सीमा गुजरती है। दीवार पर बाकायदा एक तरफ महाराष्ट्र और दूसरी तरफ तेलंगाना लिखा हुआ है।

किचन तेलंगाना में और बेडरूम महाराष्ट्र में

क्या आपने कभी किसी ऐसे घर के बारे में सुना या देखा है, जिसकी किचन एक राज्य में है और बेडरूम दूसरे राज्य में? वायरल हो रहे एक वीडियो में बताया गया है कि, 1969 में हुए एक सर्वे के बाद खींची गई सीमा ने इस एक ही परिवार को दो अलग-अलग राज्यों का नागरिक बना दिया है। वीडियो के मुताबिक, ये मामला उस दौर से शुरू होता है जब हैदराबाद स्टेट का पुनर्गठन हो रहा था। 1956 में भाषा के आधार पर राज्यों के बंटवारे के बाद 1960 में महाराष्ट्र बना।

दोनों राज्यों से मिलती हैं सरकारी सुविधाएं

दिलचस्प की बात ये है कि, इस परिवार के सदस्य दो अलग-अलग राज्यों के निवासी माने जाते हैं। उन्हें महाराष्ट्र और तेलंगाना दोनों राज्यों की योजनाओं का लाभ मिलता है। कमाल की बात है कि, परिवार के पास दोनों राज्यों के अलग-अलग डॉक्यूमेंट्स और टैक्स बिल भी हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com